YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❑ वर्ष-15 ❑ अंक-106 ❑ शनिवार, 16 मई 2026 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

डूबती हुई नाव पर कोई बैठना नहीं चाहता। उन्होंने समाजवादी पार्टी और उसके नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा में अब दगे हुए कारतूस इकट्ठा हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी 62 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि एक्सप्रेस-वे और बेहतर कनेक्टिविटी से लोगों का जीवन आसान हुआ है।

ओम प्रकाश राजभर

महाराष्ट्र में 'स्मार्ट ग्रीन ग्रिड' योजना को मंजूरी 11

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने कार्यालय पहुंचे पैदल 11

मुख्यमंत्री ने 208 करोड़ से अधिक की 79 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

आपके एक सही वोट से सुनिश्चित हुआ विकास : योगी

एजेंसी

महराजगंज । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि जब आपका वोट सही जगह पड़ता है, तब विकास, सुरक्षा, रोजगार और सुशासन सुनिश्चित होता है, लेकिन एक गलत वोट जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद, माफियावाद, अराजकता और गरीबों की जमीनों पर कब्जे जैसी दुष्प्रवृत्तियों को जन्म देता है। डबल इंजन सरकार ने इन प्रवृत्तियों पर प्रभावी रोक लगाकर प्रदेश में सुशासन और विकास का नया वातावरण तैयार किया है। महराजगंज समेत पूरे पूर्वांचल को माफिया, दंगा व भय के माहौल से बाहर निकालकर विकास, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, मजबूत सड़क नेटवर्क, सिंचाई, रोजगार और सुरक्षा से जोड़ा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को महराजगंज में 208 करोड़ रुपये से अधिक की 79 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के उपरांत उपस्थित जन-समूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं टूलकिट भी वितरित किए। पहले जनता के करोड़ों रुपये कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल पर खर्च होते थे मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा व सहयोगी दलों के विधायक बनने के बाद विधानसभा क्षेत्रों में मंदिरों के सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी गई। पहले जनता के करोड़ों रुपये कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल पर खर्च होते थे, जबकि अब वही धन मंदिरों में बेहतर सुविधाएं विकसित करने और आम जनता के हित में लगाया जा रहा है। महराजगंज में सही सांसद और विधायक चुनने का परिणाम दिख रहा है। बनेलिया माई के नाम पर रोहिन नदी पर बैराज का निर्माण हो या गोरखपुर से सोनौली तक फोरलेन मार्ग का कायाकल्प, ये सब जनता के एक सही वोट की ताकत से संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले महराजगंज इंसेफ़ेलाइटिस, बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं, अराजकता, माफियावाद और पलायन की त्रासदी झेल रहा था। सड़कें गड्ढों में तब्दील थीं, बिजली व्यवस्था चरमराई हुई थी, गरीबों की जमीनों पर कब्जे आम थे और किसान, नौजवान व बेटियां खुद को असुरक्षित महसूस करते थे। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार बनने के बाद महराजगंज की तस्वीर बदल गई। इंसेफ़ेलाइटिस पर प्रभावी नियंत्रण हुआ, मेडिकल कॉलेज संचालित हुआ, नौतनवा, फरेंदा, चौक, सिसवा, श्यामदेउरवा, घुघली और पनियरा बेहतर सड़क नेटवर्क से जुड़ गए तथा गोरखपुर-सोनौली फोरलेन बनने से यात्रा समय दो घंटे से घटकर 45-50 मिनट रह जाएगा। गोरखपुर के नए बाईपास, ठूठीबारी से जिला मुख्यालय तक मजबूत सड़क नेटवर्क, पुलों के निर्माण और रोहिन नदी पर बने बनेलिया माई बैराज से क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सिंचाई दोनों को नई ताकत मिली है। वनटांगिया गांवों को पट्टा, मतदाता पहचान और सरकारी योजनाओं से जोड़कर सम्मानजनक जीवन देने का काम भी डबल इंजन सरकार ने किया है। मुख्यमंत्री ने ● शेष पेज 11 पर

- ❑ डबल इंजन सरकार ने बदली महराजगंज की तस्वीर, कई विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं टूलकिट भी किए वितरित
- ❑ भाजपा व सहयोगी दलों के विधायक बनने के बाद विधानसभा क्षेत्रों में मंदिरों के सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी गई।
- ❑ राममंदिर और काशी विश्वनाथ धाम में बाधक बनी थीं सपा व कांग्रेस
- ❑ वर्तमान पीढ़ी को अतीत और बदलाव से अवगत कराएं प्रबुद्धजन : मुख्यमंत्री
- ❑ 2017 के पूर्व दंगा, कर्फ्यू, अराजकता, व्यवस्था और भ्रष्टाचार ही थी यूपी की पहचान, आज यूपी में विकास, सुरक्षा और रोजगार की गारंटी
- ❑ पीएम मोदी के नेतृत्व में बदलता भारत दुनिया के लिए प्रेरणा, पश्चिम बंगाल में कमल खिलने पर हर भारतीय खुश

आरजी कर कांड और भ्रष्टाचार पर शुभेंदु सरकार का बड़ा एक्शन, तीन आईपीएस समेत कई अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था, जेलों में कथित भ्रष्टाचार और आरजी कर मेडिकल कॉलेज कांड को लेकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया। नवान्न में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान प्रशासन के कई स्तरों पर ल्लरक्षक ही भक्षकङ्क जैसी स्थिति बन गई थी और अपराधियों के साथ प्रशासन के कुछ लोगों की सांठगांठ विकसित हो गई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार इस पूरे तंत्र को तोड़ने के लिए लगातार अभियान चलाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रेसिडेंसी करेक्शनल होम में कैदियों के पास बड़ी संख्या में स्मार्टफोन इस्तेमाल किए जाने की शिकायतें मिली थीं। इस शिकायत के बाद डीजी करेक्शनल होम एन. रमेश बाबू को मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी और कोलकाता पुलिस के साथ समन्वय कर कार्रवाई ● शेष पेज 11 पर

आरजी कर कांड में ममता बनर्जी की भूमिका की भी होगी जांच : सीएम शुभेंदु

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले में अब पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच होगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नवान्न में इसकी घोषणा करते हुए इस मामले में तीन आईपीएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। वहीं, पीड़िता की मां व पानीहाटी से भाजपा विधायक ● शेष पेज 11 पर

भोजशाला– ऐतिहासिक तथ्य और अकाट्‌स सत्य

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। राजा भोज ने अपनी राजधानी-धारा नगरी में संस्कृत के पठन-पठान के लिए भोजशाला नाम की एक पाठशाला बनवाई थी। इसे शारदा सदन, सरस्वती भवन और भोजशाला के नामा से भी पहचाना गया है। यहाँ देवी सरस्वती की एक प्रतिमा बनवाकर उन्होंने इसे तीर्थस्थान बना दिया। उन्होंने अपनी कृति कूर्मशतक नाम के प्राकृत-काव्य और भर्तृहरि की कारिका आदि कई अन्य ग्रन्थ पत्थर की शिलाओं पर खुदवाए थे। राजा भोज के बाद उदयादित्य, नरवर्मा, अर्जुनवर्मा जैसे राजाओं ने भी इसमें वृद्धि की। इस प्रकार इस पाठशाला में लगभग 4000 श्लोकों का समूह श्याम पत्थर की बड़ी-बड़ी शिलाओं पर खुदवाया गया था। अर्जुन वर्मा के समय की बनी पारिजात मंजरी नाटक में इस पाठशाला का नाम 'शारदा सदन' लिखा है। उससे यह ज्ञात होता है कि वहां बड़े-बड़े विद्वान अध्यापक हुआ करते थे। भोज के वंशज नरवर्मा ने उस पाठशाला के स्तंभों पर अपने पूर्वज उदयादित्य के बनाये वर्णों, नामों और ● शेष पेज 11 पर

❑ पाठशाला की शिलाओं को आक्रमणकारियों ने तोड़कर फर्श पर बिछा दिया। ऐसी लगभग 60 से 70 शिलाएं है लेकिन उस पर अब लेख नहीं पढ़े जा सकते।

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर केंद्रीय मंत्री ने उठाए सवाल, तीन हफ्ते पहले संसद को सूचित करना आवश्यक

नई दिल्ली,। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर भारतीय को देश के नियम और कानून का पालन करना चाहिए। एक सांसद को तो विशेष रूप से इन नियमों के दायरे में रहकर ही काम करना चाहिए। किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर कोई सांसद विदेश यात्रा करना चाहता है तो उसे लोकसभा या राज्यसभा सचिवालय को तीन सप्ताह पहले सूचित करना आवश्यक होता है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की बिना सूचना के विदेश यात्रा गंभीर सवाल खड़े करता है। ● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

हज यात्रियों को हवाई अड्डा के टर्मिनल 3 तक ले जाने के लिये एक्सप्रेस मेट्रो की व्यवस्था, दिल्ली स्टेट हज कमेटी की पहल

नई दिल्ली। हज यात्रा 2026 के हज यात्रियों को दिल्ली के रामलीला मैदान में दिल्ली स्टेट हज कमेटी द्वारा लगाए गए हज कैंप से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल 3 तक एक्सप्रेस-वे मेट्रो से ले जाया जा रहा है। दिल्ली स्टेट हज कमेटी द्वारा हज यात्रियों को बसों के स्थान पर हवाई अड्डे तक मेट्रो से ले जाने की पहल की गई है। यह कदम पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियो से अनावश्यक खर्चों में कटौती और ईंधन संकट का मुकाबला करने के लिए मेट्रो और ट्रेन से यात्रा करने को प्राथमिकता देने के संदेश को धरातल पर परिभाषित करने के लिए उठाया गया है। नई दिल्ली एयरलाइन मेट्रो स्टेशन पर हज यात्रियों को एयरपोर्ट रवाना करने के लिये दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां, कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी, उप कार्यकारी अधिकारी मोहसिन अली और दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, दिल्ली पुलिस, सउदी एयरलाईंस, हज कमेटी आफ इंडिया और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। साथ ही मेट्रो द्वारा नई दिल्ली एयरलाइन एक्सप्रेस-मेट्रो स्टेशन से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे टर्मिनल 3 मेट्रो स्टेशन तक की यात्रा में हज यात्रियों के साथ यात्रा भी की ।

कर्नाटक के कोप्पल में तुंगभद्रा पुल पर हादसा, छह लोगों की मौत, दस से अधिक घायल

कोप्पल। कर्नाटक के कोप्पल जिले के मुनिराबाद के पास स्थित तुंगभद्रा पुल पर शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मुनिराबाद थाना क्षेत्र में उस समय हुआ जब श्रद्धालुओं से भरा ट्रैक्टर पुल से नीचे गिर गया। मृतकों की पहचान केंचप्पा (35), महांतेश (18), भरत (1), सविता (12), मारेश और गौरम्मा के रूप में हुई है। सभी मृतक विजयनगर जिले के कूडलिगी तालुक के मरलायनहल्ली गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, श्रद्धालु हुलिगेम्मा जात्रा में शामिल होने जा रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की नाम्ची में प्रमुख विकास परियोजनाओं की समीक्षा

एजेंसी

नाम्ची (सिक्किम)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सिक्किम के अपने आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन नाम्ची जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए शिक्षा, पर्यटन, चाय उत्पादन और खेल विकास से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय हितधारकों, छात्रों, चाय बागान श्रमिकों और युवा खिलाड़ियों से बातचीत की तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र में आधारभूत ढांचे, आजीविका और जमीनी स्तर पर अवसरों को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने नाम्ची जिले के तार्कु में निर्माणाधीन कंचनजंगा सिक्किम स्टेट यूनिवर्सिटी का दौरा किया, जो सिक्किम में विकसित की जा रही पहली राज्य विश्वविद्यालय है। 28 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय को उत्तर पूर्व परिषद (एनईसी) द्वारा डोनर मंत्रालय के माध्यम से 9.61 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है। निर्माण पूरा होने के बाद यहां 1,500 से अधिक छात्रों के अध्ययन की सुविधा होगी। दौरे के दौरान मंत्री ने प्रशासनिक भवन और कैंपस अवसंरचना की प्रगति की समीक्षा की। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तिमी चाय बागान और तिमी टी प्रोसेसिंग यूनिट का दौरा किया, जहां उन्होंने चाय बागान के श्रमिकों और अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने चाय उत्पादन, प्रसंस्करण और पैकेजिंग की विभिन्न प्रक्रियाओं का अवलोकन किया और अंतरराष्ट्रीय बाजार तथा निर्यात संभावनाओं पर चर्चा की। अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि तिमी चाय बागान एलपीजी आधारित चाय निर्माण प्रक्रिया की ओर बढ़ रहा है, जिससे कोयले के उपयोग और कार्बन अवशेष में कमी आएगी। अधिकारियों ने तिमी चाय को जीआई ● शेष पेज 11 पर

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का दिल्ली सचिवालय में स्वागत किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका की महिला और बाल कल्याण मंत्री सरोजा सावित्री पॉलराज कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि श्रीलंका के लोकतांत्रिक सफर में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी एक उत्साहजनक सामाजिक परिवर्तन को दर्शाती है। भारत और श्रीलंका गहरे सभ्यतागत बंधनों, लोकतांत्रिक मूल्यों और अटूट जन-संबंधों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत महिला के नेतृत्व विकास की परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रहा है, जहां नारी शक्ति राष्ट्रीय प्रगति की एक प्रमुख शक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीलंका की महिला सांसदों का दौरा भारत और श्रीलंका के बीच मित्रता को और मजबूत करेगा और महिला नेतृत्व के माध्यम से गहन सहयोग को प्रेरित करेगा। दिसंबर 2024 में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा ● शेष पेज 11 पर

पंजाब में हार के डर से कांग्रेस और आआपा एसआईआर पर उठा रही है सवाल: भाजपा

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पंजाब में विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों के विरोध पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि पंजाब में करारी हार के डर से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) अब विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) जैसी संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने लगी हैं। सच्चाई यह है कि आज़ादी के बाद देश में 13 बार एसआईआर और गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया हो चुकी है, जिनमें अधिकांश समय कांग्रेस स्वयं सत्ता में थी।

शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों सहित पंजाब में शुरू की गई यह प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत करने, असली मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित करने और फर्जी या डुप्लीकेट नाम हटाने के लिए है। जनता को गुमराह करने और डर फैलाने के बजाय विपक्ष को एक जिम्मेदार लोकतांत्रिक दल की तरह इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। तरुण चुघ ने कहा कि कांग्रेस और आआपा नेता, जो आज पंजाब में धांधली का आरोप लगा रहे हैं, यह भूल जाते हैं कि स्वतंत्रता के बाद से भारत में 13 बार गहन मतदाता सूची संशोधन हो चुके हैं, जिनमें से अधिकतर कांग्रेस के शासनकाल में ही हुए हैं। जो दशकों तक कांग्रेस को स्वीकार्य था, वह अचानक ''खतरनाक'' प्रतीत होने लगा है, केवल इसलिए कि उन्हें पंजाब में हार का डर है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले भ्रम फैलाने और अनावश्यक दहशत पैदा करने के बजाय विपक्षी दलों को जिम्मेदार लोकतांत्रिक शक्तियों की तरह मतदाता सत्यापन प्रक्रिया में रचनात्मक रूप से भाग लेना चाहिए। फर्जी, डुप्लिकेट और अयोग्य प्रविष्टियों को हटाकर और प्रत्येक वैध मतदाता की सुरक्षा सुनिश्चित करके स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव मजबूत होते हैं।

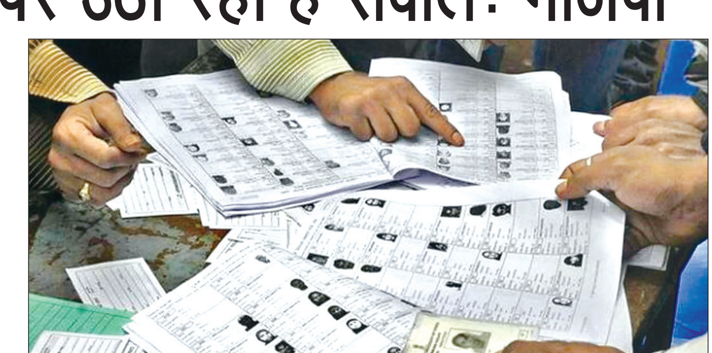

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा, विरोधियों को छोड़कर सबके लिए खुला है होर्मुज मार्ग

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को कहा कि ईरान भी होर्मुज जलडमरुमध्य को पूरी तरह सुरक्षित और खुला रखना चाहता है। युद्धरत देशों के जहाजों को छोड़कर अधिकांश जहाजों के लिए यह मार्ग खुला भी है। हालांकि परिस्थितियों के कारण ईरानी सेना के साथ समन्वय जरूरी है। भारत के कई जहाजों को भी ईरान ने सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया है। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए नई दिल्ली आए ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ल्लहॉर्मुज जलडमरूमध्य के संबंध में हमारी भी यही इच्छा है कि इसे पूरी तरह से फिर से खोल दिया जाए। जहाँ तक हमारा सवाल है, हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला हुआ है या नहीं। सभी जहाज़ वहाँ से गुज़र सकते हैं- सिवाय उन देशों के जहाज़ों के जो हमारे साथ युद्ध की स्थिति में हैं और हमारे विरुद्ध लड़ रहे हैं। जो जहाज़ वहाँ से गुजरना चाहते हैं, उन्हें जाहिर तौर पर हमारी सेना के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए क्योंकि वहाँ कुछ बाधाएँ मौजूद हैं। ऐसे में हम उन्हें सुरक्षित मार्ग दिखाएँगे, जैसा कि हमने कई भारतीय जहाज़ों के साथ किया है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि फिलहाल संघर्ष विराम लागू है, हालांकि स्थिति नाजुक बनी हुई है। उनका कहना था कि ईरान किसी भी दबाव या सैन्य कार्रवाई के आगे नहीं झुकेगा। समस्या का समाधान केवल कूटनीति तथा ल्लविन-विनङ्क समझौते से ही संभव है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ ताकतें अमेरिका को फिर से युद्ध की ओर धकेलना चाहती हैं।

अराघची ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और ईरान की चिंताएं तथा हित काफी हद तक समान हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश प्राचीन सभ्यताएं हैं और आपसी सम्मान, व्यापार तथा रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईरान ने भारतीय मानवीय सहायता और समर्थन की भी सराहना की।

अराघची ने चाहबहार पोर्ट को भारत-ईरान सहयोग का प्रतीक बताते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इसकी रफ्तार धीमी हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया, काकेशस और यूरोप तक पहुंच का महत्वपूर्ण मार्ग बनेगा और भारत इसके विकास में अपनी भूमिका जारी रखेगा।

अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं चाहता था और 2015 के परमाणु समझौते के जरिए उसने यह साबित भी किया। उन्होंने दोहराया कि ईरान ● शेष पेज 11 पर

कुदरत का करिश्मा! महिला ने नार्मल डिलीवरी से 5 दिन में 4 बच्चों को दिया जन्म

एजेंसी

मुरादाबाद । उत्तर प्रदेश के संभल जिले की एक महिला ने मुरादाबाद स्थित तीर्थंकर महावीर अस्पताल में पांच दिन के अंतराल में चार बच्चों को सामान्य प्रसव से जन्म दिया। चिकित्सकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चिकित्सकों ने इसे दुर्लभ मामला बताया। अस्पताल के अनुसार, संभल के ओवरी गांव की रहने वाली अमीना ने नौ मई को पहले बच्चे को जन्म दिया और इसके बाद 14 मई को चिकित्सकों की निगरानी में तीन अन्य बच्चों का जन्म हुआ। अस्पताल ने बताया कि चार नवजात बच्चों में दो बेटे और दो बेटियां हैं और अमीना छह मई को इस अस्पताल में भर्ती हुई थीं। डॉ. शुभ्रा अग्रवाल के नेतृत्व वाली टीम ने जटिलता के बावजूद सफलता प्राप्त की। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि यह अस्पताल में पहला मामला है, जहां चार बच्चों का सामान्य प्रसव हुआ। उन्होंने बताया कि महिला का इलाज गर्भावस्था के तीसरे महीने से हो रहा था और अल्ट्रासाउंड में चार ● शेष पेज 11 पर

❑ साइंस का अनोखा खेल देख डॉक्टर भी हैरान

वाराणसी गंगा नाव इफ्तार विवाद : हाईकोर्ट ने आठ आरोपितों को दी जमानत

❒ न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला ने 05 आरोपितों को जमानत दी, जबकि न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने 03 आरोपितों को जमानत दी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को गंगा नदी (वाराणसी) में एक नाव पर इफ्तार पार्टी आयोजित करने, मांसाहारी भोजन करने और बचे कचरे को नदी में फेंकने के आरोपित आठ मुस्लिम पुरुषों की जमानत याचिकाएं स्वीकार कर लीं। उसी दिन जारी किए गए अलग-अलग आदेशों में, न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला ने 05 आरोपितों को जमानत दी, जबकि न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने 03 आरोपितों को जमानत दी।

इसके साथ ही, इस मामले में अब तक 14 आरोपितों में से 8 को जमानत मिल चुकी है। जमानत पाने वालों में मोहम्मद आजाद अली, मोहम्मद तहसीम, निहाल अफरीदी, मोहम्मद तौसीफ, मोहम्मद अनस, मोहम्मद समीर, मोहम्मद अहमद रजा और मोहम्मद फैजान शामिल हैं। वाराणसी की सत्र न्यायालय द्वारा 1 अप्रैल को उन्हें राहत देने से इनकार किए जाने के बाद आरोपियों ने हाईकोर्ट का रुख किया था। इससे पहले, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय ने भी उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। उन्हें 17 मार्च को वाराणसी पुलिस ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रजत जायसवाल की शिकायत पर गिरफ्तार किया था।इसके बाद उन पर जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 196(1)(ख) शत्रुता को बढ़ावा देना, 270 सार्वजनिक उपद्रव, 279 सार्वजनिक झरने या जलाशय के जल को प्रदूषित करना, 298 पूजा स्थल को चोट पहुंचाना या अपवित्र करना, 299 जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्य, जिसका उद्देश्य किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना या उसके धर्म या धार्मिक मान्यताओं का अपमान करना हो, 308 जबरन वसूली और 223(ख) बीएनएस के साथ-साथ धारा 24 प्रदूषणकारी पदार्थों के निपटान के लिए नदी या कुएं के उपयोग पर प्रतिबंध, के तहत मामला दर्ज किया गया था।शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपित द्वारा पवित्र नदी में नाव पर बैठकर इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाना और बचे हुए हिस्से को पानी में फेंकना 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय' कृत्य था। मुखबिर ने दावा किया कि यह कृत्य जानबूझकर 'जिहादी मानसिकता' को बढ़ावा देने के लिए किया गया था, जिससे सनातन अनुयायियों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची और व्यापक जन आक्रोश फैल गया।

अपर मंडल रेल प्रबंधक ने चुनार–चोपन रेलखंड का निरीक्षण कर दिये निर्देश

❒ अपर मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर निर्देश दिये

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य दीपक कुमार ने शुक्रवार को चुनार-चोपन रेलखंड का निरीक्षण कर रेलवे के विभिन्न विकास कार्यों एवं यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर निर्देश दिये।

यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि उन्होंने सक्तेशगढ़, लूसा, सोनभद्र, चुर्क, अगोरी खास एवं चुनार स्टेशनों का अवलोकन किया। प्रयागराज मंडल के अंतर्गत सोनभद्र एवं चुनार सहित कुल 14 स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जबकि करछना एवं गोविंदपुरी स्टेशनों का उद्घाटन पूर्व में किया जा चुका है। इस दौरान उन्होंने लूसा-खैराही रेललाइन के दोहरीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया एवं कार्य के प्रगति की जानकारी ली।अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य ने स्टेशन परिसरों, प्लेटफॉर्मों, सर्कुलेटिंग एरिया तथा प्रवेश एवं निकास मार्गों का निरीक्षण करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यात्रियों के लिए पर्याप्त पेयजल, स्वच्छता एवं छायादार स्थानों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया।इस दौरान दीपक कुमार ने स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारियों से संवाद करते हुए उन्हें यात्रियों के प्रति संवेदनशील, सहयोगात्मक एवं उत्तरदायी व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकता यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है, जिसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं सतत निगरानी आवश्यक है।उन्होंने स्टेशन पर संचालित विभिन्न विकास एवं अनुरक्षण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपलब्ध सुविधाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही स्टेशन परिसर में स्वच्छता, सुदृढ़ प्रकाश व्यवस्था एवं यात्रियों को बेहतर सूचना सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सम्बंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हारिस ने हरियाणा में एआईटीए लॉन टेनिस चैम्पियनशिप में दोनों ख़िताब अपने नाम किये

`**प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता ।** संत जोसफ कॉलेज, प्रयागराज के कक्षा 8 के छात्र हारिस खान ने गुरुग्राम, हरियाणा में 11 से 15 मई तक आयोजित एआईटीए चैम्पियनशिप सीरीज अंडर-14 लॉन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार तीसरे सप्ताह शानदार प्रदर्शन करते हुए एकल एवं डबल्स दोनों का खिताब अपने नाम किये।यह जानकारी हारिस के कोच असद इकबाल और सैफ इकबाल ने दी। उन्होंने बताया कि हारिस ने प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। एकल मुकाबले के फाइनल में प्रतियोगिता के द्वितीय सीडेड राजस्थान के हर्ष बंसल को 6-1 एवं 6-4 से हराकर चैम्पियनशिप के खिताब पर अपना कब्ज़ा किया। युगल मुकाबले में हारिस खान और राजस्थान के हर्ष बंसल के साथ मिलकर विभोर श्रीवास्तव और कुनाल यादव की जोड़ी को 6-0, 6-1 से सीधे सेटों में हराकर युगल का ख़िताब अपने नाम किया।कोच ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद हारिस को तीन सप्ताह में एआईटीए के कुल 110 रैंकिंग अंक प्राप्त हुए। इन अंकों के साथ राष्ट्रीय रैंकिंग में हारिस शीर्ष 20 में स्थान प्राप्त करने में सफल होंगे। हारिस की इस उपलब्धि पर उनके कोच असद इकबाल और सैफ इकबाल ने उन्हें बधाई दी तथा भविष्य के टूर्नामेंट्स में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

पत्रकार का सहारा बने विधायक

सरोजनी नगर, लखनऊ,कैनविज टाइम्स संवाददाता । जीवन में कई बार ऐसे कठिन पल आते हैं, जब इंसान पूरी तरह टूटने लगता है। ऐसे समय में यदि कोई सहारा बनकर साथ खड़ा हो जाए, तो वही व्यक्ति उम्मीद और विश्वास का प्रतीक बन जाता है। सरोजनीनगर के पत्रकार धर्मेंद्र तिवारी के जीवन में भी ऐसा ही कठिन दौर 2 फरवरी को आया, जब उन्हें मायस्थीनिया ग्रेविस जैसी गंभीर और दुर्लभ बीमारी होने का पता चला।बीमारी की जानकारी मिलते ही परिवार और शुभचिंतकों में चिंता का माहौल बन गया। अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी। चिकित्सकों ने इसे जटिल बीमारी बताते हुए लंबे इलाज की आवश्यकता बताई। ऐसे समय में सरोजनीनगर विधायक ने जिस संवेदनशीलता और आत्मीयता का परिचय दिया, वह क्षेत्र में चर्चा का विषय है।धर्मेंद्र तिवारी ने बताया कि जैसे ही विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह को उनकी बीमारी की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत चिकित्सकों से संपर्क कर इलाज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई। विधायक ने न केवल डॉक्टरों से बात की, बल्कि लगातार उनका हालचाल लेकर मानसिक रूप से भी हौसला बढ़ाया। उनके प्रयासों से पीजीआई में इलाज सुचारू रूप से शुरू हुआ और आज भी निरंतर जारी है। धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि बीमारी के दौरान एक समय ऐसा भी आया, जब पूरा परिवार बेहद परेशान और चिंतित था। लेकिन विधायक ने हर कदम पर सहयोग देकर परिवार को संबल प्रदान किया। उन्होंने कहा कि विधायक जी का व्यवहार केवल एक जनप्रतिनिधि तक सीमित नहीं है, बल्कि वे क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने वाले संवेदनशील व्यक्तित्व हैं।

आनंदनगर में अवैध बालू मंडी से लोग परेशान कार्रवाई की मांग

सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। के मोहल्ला आनंदनगर वार्ड पंचवटी कॉलोनी उत्तरी में वर्ष 2016 से संचालित कथित अवैध बालू मंडी को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि बिना वैधानिक अनुमति के चल रही इस बालू मंडी से क्षेत्र में लगातार धूल और प्रदूषण फैल रहा है जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।स्थानीय नागरिकों के अनुसार मई और जून की भीषण गर्मी तथा लू के दौरान बालू उड़ने से पूरे मोहल्ले में धूल का गुबार छाया रहता है। इससे बच्चों बुजुर्गों और बीमार लोगों को सांस लेने में दिक्कत सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।मोहल्लेवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि यह स्पष्ट किया जाए कि आखिर किस कानून और किस अनुमति के तहत रिहायशी क्षेत्र में बालू मंडी संचालित की जा रही है। साथ ही अवैध संचालन पर तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई है।

स्वास्थ्य विभाग टीम के द्वारा अस्पतालों के खिलाफ कार्यवाही नाम मात्र की, आखिर क्यों

लहरपुर, सीतापुर,कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित स्वास्थ्य विभाग की अस्पतालों व क्लीनिक कीसंयुक्त टीम ने एक बार फिर 10 अस्पतालों व क्लीनिक की जांच के नाम पर की खानापूर्ति व थमाई नोटिस, मचा हड़कंप। शुक्रवार को नोडल अधिकारी डॉ एम एल गंगवार, डिप्टी सीएमओ डॉ दिनेश त्रिपाठी, नायाब तहसीलदार अशोक कुमार यादव व सीएचसी अधीक्षक डॉ अरविंद बाजपेई की टीम ने सीतापुर मार्ग स्थित स्वालो हॉस्पिटल की जांच की जहां पर पंजीकृत चिकित्सक के न मिलने पर नोटिस दी, उसी के बगल में सारा हॉस्पिटल बन्द पाया गया, जिसके बाद टीम ने नेशनल हॉस्पिटल की जांच की जांच के दौरान अस्पताल पंजीकृत पाया गया लेकिन पंजीकृत चिकित्सक न होने पर थमाई नोटिस, टीम के द्वारा शहर बाजार स्थित अवध हॉस्पिटल की जांच की गई जो पंजीकृत मिला मौके पर मरीज भर्ती थे लेकिन कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं था जिसके चलते उसको भी नोटिस दी गई, जिसके बाद छावनी स्थित ए एम एस हॉस्पिटल की जांच की गई जिसमें कोई भी पंजीकृत डॉक्टर मौके पर मौजूद नहीं थे, अस्पताल को नोटिस दी गई, कोतवाली मार्ग पर स्थित एस आर मेमोरियल हॉस्पिटल पंजीकृत पाया गया लेकिन कोई भी डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद नहीं था उसे भी नोटिस दी गई, उसी के बगल में संचालित अलशिफा हॉस्पिटल बन्द मिला, जिसके बाद नगर के मोहल्ला मीरा टोला स्थित डॉक्टर बंगाली के यहां टीम पहुँची जो बन्द मिला, उसी के बगल में संचालित माँ पैथोलॉजी भी बन्द मिली, टीम ने नगर के शाहकुलीपुर मोड़ पर डॉ रईस के क्लीनिक पर टीम पहुंची तब तक डॉक्टर अपना क्लीनिक बन्द कर फरार हो गया, क्लीनिक के बाहर तख्त पर एक मरीज लेटा हुआ था जिसके बोतल चढ़ रही थी, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उक्त क्लीनिक में ताला जड़ दिया। इस संबंध में नोडल अधिकारी डॉक्टर एम एल गंगवार ने बताया कि अस्पतालों की जांच की जा रही है जांच के दौरान कमियां मिलने पर अस्पताल संचालकों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने शुरू किया ऑनलाइन ई-ऑफिस पोर्टल, अब ऑनलाइन होगी संपत्तियों की नीलामी

प्रयागराज,कैनविज टाइम्स संवाददाता । आमजन की सुविधा के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार को अपनी विभिन्न योजनाओं में रिक्त संपत्तियों की नीलामी प्रक्रिया को ऑनलाइन करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। यह जानकारी प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने दी।उन्होंने बताया कि प्राधिकरण ने इसके लिए नया ऑनलाइन ई-ऑफिस पोर्टल विकसित किया है, जिसका शुभारंभ शुक्रवार को मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने प्राधिकरण सभागार, 8वीं इंदिरा भवन में किया।उन्होंने बताया कि नए पोर्टल के माध्यम से नागरिक अब ऑनलाइन ही संपत्तियों की नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। पोर्टल का लिंक प्रयागराज विकास प्राधिकरण की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है, जिससे लोगों को पारदर्शी और सरल प्रक्रिया का लाभ मिलेगा।

एसडीएम ने की 4 घंटे सुनवाई: खराब स्वास्थ्य के बावजूद लंबित मामलों का किया निस्तारण

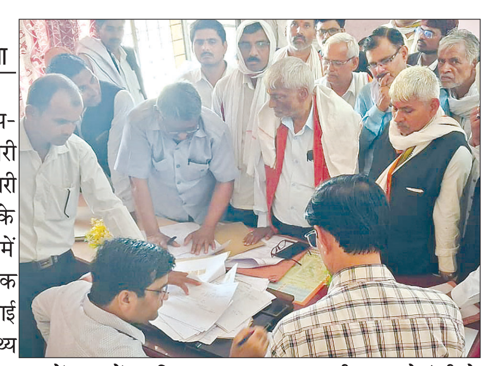

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। उप-विभागीय अधिकारी (एसडीएम) संदीप तिवारी ने खराब स्वास्थ्य के बावजूद अपने चैंबर में बैठकर लगभग चार घंटे तक लंबित मामलों की सुनवाई की। कई दिनों से स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण न्यायालय में मामलों का निस्तारण रुका हुआ था।एसडीएम तिवारी ने अधिवक्ताओं के पक्ष सुने और मामलों को निपटाने का प्रयास किया। उनका यह कदम लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।इसी क्रम में, कोरांव की तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने भी अपने न्यायालय में लंबित मामलों और उच्च न्यायालय से संबंधित फाइलों की सुनवाई की। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय से जिन फाइलों में निर्देश प्राप्त हैं, उन्हें प्रतिदिन सुनवाई के लिए लगाया जाएगा।तहसीलदार सोलंकी ने यह भी स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करना और वादकारियों को सुलभ एवं निष्पक्ष न्याय प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि पांच वर्ष से अधिक पुराने लंबित मामलों का भी जल्द निस्तारण किया जाएगा।।उन्होंने अधिवक्ताओं और बार एसोसिएशन से सहयोग की अपील की, ताकि न्यायालय प्रतिदिन चल सके और लंबित मामलों का निपटारा हो सके। यह सरकार और उच्चाधिकारियों का भी निर्देश है।

आंधी ने छीना सहारा, योगी सरकार बनी संबल

❒ प्रभारी मंत्री ने पीड़ित परिवार को थमाए राहत के चेक, बच्चों की पढ़ाई से महिला सशक्तिकरण तक मदद का भरोसा

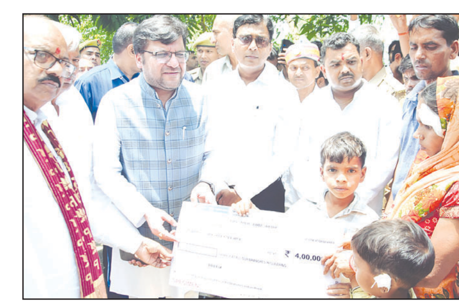

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । मितौली तहसील के ग्राम जमुनिया कढ़ीले में 13 मई की रात आई तेज आंधी और बारिश ने एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी। मकान की छत भरभराकर गिरी और उसके नीचे दबकर 40 वर्षीय रतिराम पुत्र दीना की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री के निर्देश पर गांव पहुंचे जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और सरकारी सहायता का भरोसा दिया।

गांव पहुंचे प्रभारी मंत्री ने पूर्व सांसद जुगुल किशोर, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता और डीएम अंजनी कुमार सिंह की मौजूदगी में मृतक की पत्नी और बच्चों को चार लाख रुपये की दैवीय आपदा सहायता, 6500 रुपये गृह अनुदान का डेमो चेक सौंपा। साथ ही खाद्यान्न किट देकर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। गांव में मंत्री के पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया। परिजनों की आंखें नम थीं तो प्रशासनिक अमला राहत पहुंचाने में जुटा नजर आया।

प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि बीते दिनों आई तेज आंधी-बारिश ने जमुनिया कढ़ीले गांव के एक परिवार का सहारा छीन लिया। हादसे में रतिराम की मौत बेहद दुखद है। मुख्यमंत्री के तत्काल संज्ञान लेने के बाद वह स्वयं पीड़ित परिवार तक पहुंचे हैं, ताकि सरकारी मदद बिना देरी के उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि परिवार को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता, कृषि पट्टा समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा कि ऐसी त्रासदी का दर्द वही परिवार समझ सकता है, जिसने अपना कमाने वाला सदस्य खोया हो। सरकार सिर्फ आर्थिक मदद तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और महिला सशक्तिकरण पर भी विशेष ध्यान देगी। प्रभारी मंत्री ने बताया कि प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हर परिवार तक मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तेजी से राहत पहुंचाई जा रही है। आगे भी पीड़ित परिवार को जो भी जरूरत होगी, सरकार हर स्तर पर उनके साथ खड़ी मिलेगी। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि परिवार को दैवीय आपदा मद से चार लाख रुपये, गृह अनुदान, कृषक दुर्घटना बीमा योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, पारिवारिक लाभ योजना, निराश्रित महिला पेंशन सहित सीएम बाल सेवा योजना के अंतर्गत दोनों बच्चों का नामांकन कराया जा रहा है। प्रशासन की ओर से कृषि पट्टा भी उपलब्ध कराया जाएगा।

प्राथमिक शिक्षक संघ मोहनलालगंज के चुनाव में राम शंकर शुक्ला बने अध्यक्ष

❒ कंाटे की टक्कर में धनेश पांडेय को एक मत से मिली हार, अन्य पदों पर भी हुआ रोमांचक मुकाबला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ मोहनलालगंज इकाई के चुनाव मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय मोहनलालगंज परिसर में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। चुनाव को लेकर शिक्षकों में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मतदान स्थल पर शिक्षकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी।

मतदान समाप्त होने के बाद हुई मतगणना में कई पदों पर बेहद कंाटे का मुकाबला देखने को मिला।अध्यक्ष पद के चुनाव में राम शंकर शुक्ला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 221 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। वहीं उनके प्रतिद्वंदी धनेश पांडे को 220 मत मिले और वह मात्र एक मत से चुनाव हार गए। अध्यक्ष पद पर हुए इस बेहद करीबी मुकाबले की चर्चा पूरे शिक्षक संगठन में होती रही। मंत्री पद पर प्रेम शंकर को 220 मत प्राप्त हुए और उन्होंने जीत हासिल की। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी विमल किशोर को 190 मत मिले।वहीं कोषाध्यक्ष पद पर भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सुनील कुमार ने 205 मत प्राप्त कर विजय हासिल की, जबकि ब्रजेश कुमार को 204 मत मिले और उन्हें केवल एक मत से हार का सामना करना पड़ा।चुनाव परिणाम घोषित होते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने फूल-मालाओं से स्वागत कर मिठाई बांटी और एक-दूसरे को बधाई दी।नवनिर्वाचित अध्यक्ष राम शंकर शुक्ला ने कहा कि वह शिक्षकों की समस्याओं के समाधान और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।इस अवसर पर बधाई देने वालों में प्रदीप सिंह अध्यक्ष माल, बृजेश यादव, अनिल कुमार वर्मा, भास्कर मिश्रा, महेंद्र त्रिपाठी, प्रदीप द्विवेदी, ओंकारनाथ त्रिपाठी, आईपी सिंह, संजीव दीक्षित सहित तमाम शिक्षक मौजूद थे ।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम: लखीमपुर खीरी में भाजपा महिला मोर्चा का जोरदार प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लेकर सियासत गरमा गई है। संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रस्ताव में कथित बाधा डालने और प्रधानमंत्री के प्रति अभद्र टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को भाजपा महिला मोर्चा ने कलेक्ट्रेट पर हुंकार भरी। जिला पंचायत परिसर से कचहरी गेट तक निकाले गए इस जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाओं ने विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया।

विपक्ष का दोहरा चरित्र हुआ उजागर: मंजू त्यागी

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी ने सपा और कंाग्रेस पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि महिला आरक्षण को लेकर इन दलों का दोहरा चरित्र अब समाज के सामने आ चुका है। उन्होंने कहा कि कंाग्रेस और सपा ने हमेशा महिला विरोधी नीतियां अपनाई हैं। ये दल नहीं चाहते कि महिलाओं को उनका हक मिले, इसलिए बहानेबाजी कर संसद में रुकावट पैदा कर रहे हैं। विधायक ने सपा सांसद द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी की भी कड़े शब्दों में निंदा की।

ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी से बढ़ा आक्रोश

प्रदर्शन के दौरान सपा प्रवक्ता द्वारा ब्राह्मण समाज पर की गई हालिया टिप्पणी का मुद्दा भी छाया रहा। श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी ने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव सम्मानित रहा है और उनके प्रति ऐसी टिप्पणी सपा की ओछी मानसिकता को दर्शाती है। उन्होंने अखिलेश यादव से मांग की कि ऐसे प्रवक्ताओं पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

कार्यक्रम के संयोजक और जिला उपाध्यक्ष आशू मिश्रा ने कहा कि महिला आरक्षण बिल पर विरोध और प्रधानमंत्री का अपमान कर सपा-कंाग्रेस महिलाओं की नजर में बेनकाब हो गए हैं। समय आने पर देश की महिलाएं इसका उचित जवाब देंगी। जिला परिषद से शुरू हुए इस जुलूस में ''अखिलेश जी शर्म करो, राहुल जी शर्म करो'' और ''महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान'' जैसे नारों से कचहरी परिसर गूंज उठा।

अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर, सैरपुर में तीन निर्माण सील

❒ जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया 25 बीघा क्षेत्रफल में विकसित की जा रही तीन अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । एलडीए ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की। चिनहट क्षेत्र में लगभग 25 बीघा में की जा रही तीन अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया, जबकि सैरपुर क्षेत्र में तीन अवैध व्यावसायिक निर्माणों को सील कर दिया गया।

प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि चिनहट के ग्राम जुग्गौर में अभियान चलाया गया। इस दौरान हसनेन खान प्रॉपर्टीज, विजय यादव, प्रदीप व अन्य द्वारा बिना स्वीकृति लगभग 25 बीघा क्षेत्रफल में विकसित की जा रही तीन अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। वहीं प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार के नेतृत्व में सैरपुर थाना क्षेत्र के अल्लूनगर डिगुरिया, मथुरा विहार और रैथा रोड पर अभियान चलाया गया। यहां रामेश्वर यादव, अजय गुप्ता, मोहम्मद आकिब रईस व अन्य द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति कराए किए जा रहे तीन अवैध व्यावसायिक निर्माणों को सील कर दिया गया। एलडीए अधिकारियों ने कहा कि बिना मानचित्र स्वीकृति और नियमों के विरुद्ध किए जा रहे निर्माणों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में डीएम के सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गुरूवार को बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी विद्यालयों में मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य सम्पन्न कराये जायें तथा शैक्षणिक लक्ष्यों की समय से प्राप्ति सुनिश्चित की जाये। शैक्षणिक लक्ष्यों की प्राप्ति में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं अकादमिक गतिविधियों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करने में सहरानीय कार्य करने पर विकास खण्ड परसेण्डी के कम्पोजिट विद्यालय बड़ागॉव के स्टॉफ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी विद्यालयों में मानकों के अनुरूप नामांकन सुनिश्चित किया जाये। स्कूल चलो अभियान व्यापक स्तर पर संचालित कराये जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में मानकों के अनुरूप अवस्थापना सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि डी0बी0टी0 के माध्यम से देय राशि समय से अन्तरित की जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि विद्यालयों को प्रेषित समस्त प्रकार की धनराशि का व्यय समय से सुनिश्चित कराया जाये। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन कार्यों को समय से पूर्ण कराया जाये तथा संबंधित अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता की जांच अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रत्येक सप्ताह कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को निरीक्षण अवश्य करें।जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि विद्यालयों का मानकों के अनुरूप निरीक्षण सुनिश्चित किया जाये।

प्रदेश में बाढ़ पर निगरानी रखने के लिए जून से सभी 18 मंडलों में चालू होंगे नियंत्रण कक्ष

❒ सीएम योगी के जीरो जनहानि और किसानों को कम से कम नुकसान के विजन को पूरा करने में जुटा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

कैनविज टाइम्स संवाददाता।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार इस वर्ष मानसून के दौरान जीरो जनहानि और कृषि भूमि को कम से कम नुकसान सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग युद्ध स्तर पर तैयारियों में जुटा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना, नालों की सफाई, तटबंधों की सुरक्षा, बाढ़ सुरक्षा समितियों के गठन समेत तमाम उपाय आगामी मानसून के दौरान बड़ी राहत साबित होंगे। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में 31 मई तक एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है ताकि पहली जून से इन्हें संचालित किया जा सके।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुताबिक इस वर्ष रिकॉर्ड गति से कार्य करते हुए अब तक लगभग चार हजार किलोमीटर लंबाई के तटबंधों को सुरक्षित किया गया है। वहीं नदियों-नालों के किनारे बसे गांवों और कृषि भूमि को कटान से बचाने के लिए 300 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन्हें 15 जून 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। संवेदनशील और अति-संवेदनशील स्थानों पर कटाव निरोधक कार्य पूरे किए जा रहे हैं। नदियों के किनारों पर पत्थर की पिचिंग और जियो-बैग्स का उपयोग कर सुरक्षा घेरा भी मजबूत किया जा रहा है।

नालों की सफाई और जल निकासी

विभाग के मुताबिक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए ड्रेनेज सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मार्च 2026 तक 16 हजार किलोमीटर से अधिक लंबाई में नालों की सिल्ट सफाई का काम पूरा हो चुका है। बारिश शुरू होने से पहले बचे सभी संवेदनशील जगहों पर सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके जरिए भारी बारिश होने पर पानी की निर्बाध निकासी से फसलों और गांव-बस्तियों को डूबने से बचाया जा सकेगा।

18 मंडलों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष किए जा रहे तैयार

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की तरफ से लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज समेत प्रदेश के सभी 18 मंडलों में 31 मई तक एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। बाढ़ और प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी के लिए यह कक्ष 15 जून से 15 अक्टूबर तक 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। जलस्तर की रियल टाइम निगरानी और आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई इनके जरिए सुनिश्चित कराई जाएगी। सामाजिक स्तर पर भी विभाग अपनी तैयारियां पुख्ता कर रहा है। विभिन्न ग्रामीण इलाकों में 'बाढ़ सुरक्षा समितियां' तैयार की जा रहीं हैं। इनमें संबंधित क्षेत्र के जूनियर इंजीनियर, ग्राम प्रधान, लेखपाल समेत अन्य स्थानीय लोगों को जोड़ा जा रहा है, जिनकी जिम्मेदारी बाढ़ और आपदा की स्थिति में तत्काल सूचना पहुंचाने की होगी। साथ ही राहत से जुड़े काम में मदद करेंगे।

अमौसी में बंद घर का ताला तोड़कर चोरी, ज्वैलरी व नगदी पार

लखनऊ, सरोजनीनगर। अमौसी क्षेत्र के गंगा नगर में बंद पड़े एक घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने ज्वैलरी व नगदी पर हाथ साफ कर फरार हो गये। घटना की जानकारी तब हुई जब मकान मालकिन बाहर से लौटकर घर पहुंचीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा नगर, अमौसी निवासी गायत्री सिंह पत्नी स्व0 सुरेन्द्र बहादुर सिंह बीते 20 अप्रैल को अपनी नातिन की तबीयत खराब होने के कारण सांगीपुर (अमेठी) गई हुई थीं। बुधवार 13 मई को सुबह लगभग 11 बजे जब वह वापस अपने घर लौटीं, तो घर का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी से ज्वैलरी सहित कुछ नगदी गायब थी। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची । पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। क्षेत्र में हुई इस चोरी की घटना से स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है। लोगों की मांग है कि क्षेत्र पुलिस गश्त की व्यवस्था को और बेहतर किया जाये।

अवैध संबंध के शक में वारदात, गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस को करता रहा गुमराह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । चिनहट क्षेत्र में पति द्वारा पत्नी की हत्या कर शव नहर किनारे फेंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर शव बरामद कर लिया है। बताया जा रहा है कि पत्नी पर मौसेरे भाई के साथ संबंध होने के शक में आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया।

घटना चिनहट कस्बा स्थित रामलीला मैदान के पास की है। मूल रूप से बाराबंकी जिले के रूदौली थाना क्षेत्र स्थित शफी नगर निवासी 25 वर्षीय अल्ताफ उर्फ कल्लू अपनी 24 वर्षीय पत्नी यास्मीन के साथ चिनहट में रह रहा था। पुलिस के मुताबिक गुरुवार देर रात पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को ई-रिक्शा में रखकर बीबीडी थाना क्षेत्र स्थित इंदिरा नहर किनारे फेंक दिया। वारदात को छिपाने के लिए वह खुद चिनहट कोतवाली पहुंचा और पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराकर पुलिस को भ्रमित करने लगा। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी की बातों में विरोधाभास मिला, जिस पर पुलिस को शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने पत्नी की हत्या की बात कबूल कर ली। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शक बना हत्या की वजह

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी को अपनी पत्नी के मौसेरे भाई मुईन के साथ प्रेम-प्रसंग होने का शक था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। गुरुवार रात हुए झगड़े के बाद आरोपी ने गुस्से में आकर पत्नी की हत्या कर दी।

बैंक में नकली नोट जमा कराने पहुंचा युवक गिरफ्तार

❒ चिनहट पुलिस ने खोला फर्जी करेंसी रैकेट का राज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । चिनहट इलाके में जाली नोटों के जरिए बैंकिंग सिस्टम को चूना लगाने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। मटियारी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में नकली नोट जमा कराने पहुंचे युवक को बैंक कर्मचारियों की सतर्कता से पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में कथित जाली नोट बरामद किए हैं।

बताया जा रहा है कि युवक बैंक में 33 हजार रुपये जमा कराने पहुंचा था। कैशियर को नोट गिनने के दौरान कुछ नोट संदिग्ध लगे। जांच करने पर 14 नोट नकली पाए गए, जिसके बाद बैंक प्रबंधन ने तत्काल चिनहट पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी की पहचान सौरभ शुक्ला निवासी गोंडा के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके बैग से करीब 2 लाख 35 हजार रुपये के कथित फर्जी नोट और 27 बैंक डिपॉजिट स्लिप बरामद हुईं। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी एक ऐसे संगठित गिरोह से जुड़ा हो सकता है, जो अलग-अलग खातों में कम रकम जमा कर जाली नोटों को सिस्टम में खपाने का काम करता था। गिरोह असली नोटों के बीच नकली नोट मिलाकर बैंक में जमा करता और बाद में कमीशन के जरिए रकम निकलवाता था।

सूत्रों के मुताबिक गिरोह लंबे समय से कई बैंक खातों का इस्तेमाल कर लेनदेन कर रहा था, ताकि बड़ी रकम का संदेह न हो। पुलिस अब उन खातों और संबंधित लोगों की जांच कर रही है, जिनके खातों में रकम जमा कराई जाती थी।

तालकटोरा इण्डस्ट्रियल स्टेट इण्डस्ट्रीज ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बने मो. यूनुस सिद्दीकी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। तालकटोरा इण्डस्ट्रियल स्टेट इण्डस्ट्रीज ओनर्स एसोसिएशन (ऋऋऋइ), की साधारण सभा की बैठक शुक्रवार को निर्वाचन अधिकारी अमित जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें मो. यूनुस सिद्दीकी अध्यक्ष, दिनेश चन्द्र अग्रवाल उपाध्यक्ष एवं दीपक बिरमानी महामंत्री चुने गए। नवीन सत्र का कार्यभार ग्रहण करने पर मो. यूनुस सिद्दीकी ने सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। विदित हो कि संगठन ने लगातार 16वें वर्ष भी उन्हें अपना अध्यक्ष चुना। साधारण सभा को संबोधित करते हुए श्री सिद्दीकी ने संगठन के सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ ही उद्यमी हित में प्रमुख प्राथमिकताएँ पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस सत्र में दो प्रमुख उद्यान परियोजनाओं ''तिकोना पार्क में पौधा रोपड़ सौन्दर्गीकरण'' और ''उद्योग प्रेरणा स्थल का निर्माण एवं सौन्दर्गीकरण कार्य'' ट्रांसफार्मर के पास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसके अलावा जिला उद्योग केन्द्र, डी.आई.सी. भवन, तालकटोरा में जीर्णोद्धार कार्य को भी इस सत्र में प्रारंभ कराने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक का समापन महामंत्री दीपक बिरमानी ने किया। उन्होंने उपस्थित सभी उद्यमियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया।

डेढ़ साल में ही खोद दी नई सीसी रोड, विभागों के तालमेल पर उठे सवाल

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर निगम ज़ोन 6 के कश्मीरी मोहल्ला वार्ड व क्लबे आबिद वार्ड के बॉर्डर में स्थित एक रोड का निर्माण हुआ था। अकबरी गेट से लेकर पुल गुलाम हुसैन तक लगभग डेढ़ वर्ष पहले नगर निगम द्वारा इस सीसी रोड का निर्माण कराया गया था। सड़क बनने के बाद क्षेत्रीय लोगों को जर्जर रास्तों और जलभराव जैसी समस्याओं से काफी राहत मिली थी। स्थानीय जनता नई सड़क बनने से बेहद खुश थी और इसे इलाके के लिए बड़ी सुविधा माना जा रहा था। लेकिन अब करीब डेढ़ साल बाद बिजली विभाग द्वारा इसी सड़क को खोदकर भारी बिजली के केबल डालने का कार्य शुरू कर दिया गया है। सड़क की खुदाई शुरू होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि यदि बिजली विभाग को केबल डालने थे तो सड़क निर्माण से पहले ही सभी विभागों के बीच समन्वय कर लिया जाना चाहिए था। क्षेत्रीय निवासियों का आरोप है कि पहले करोड़ों रुपये खर्च कर सड़क बनाई गई और अब उसी सड़क को दोबारा खोद दिया गया है, जिससे सरकारी धन की बर्बादी हो रही है। लोगों का कहना है कि नई बनी सड़क कटने से उसकी गुणवत्ता भी प्रभावित होगी और भविष्य में सड़क जल्दी खराब होने की आशंका बढ़ जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि बार-बार सड़क खोदे जाने से धूल, ट्रैफिक और आवागमन की समस्या बढ़ती है। उनका कहना है कि नगर निगम, बिजली विभाग और अन्य एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल होना चाहिए ताकि पहले ही पाइपलाइन, केबल और अन्य कार्य पूरे करा लिए जाएं और बाद में नई सड़कों को न खोदना पड़े। क्षेत्र में चल रहे खुदाई कार्य के चलते राहगीरों और दुकानदारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभागों से मांग की है कि कार्य पूरा होने के बाद सड़क की गुणवत्ता के अनुसार मरम्मत सुनिश्चित कराई जाए, ताकि जनता को दोबारा खराब सड़क की समस्या न झेलनी पड़े।

ग्रीन कॉरिडोर से वेलनेस सिटी को मिलेगी तेज कनेक्टिविटी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एलडीए की प्रस्तावित वेलनेस सिटी योजना को ग्रीन कॉरिडोर से नई रफ्तार मिलने जा रही है। शहीद पथ से किसान पथ को जोड़ने वाला निर्माणाधीन ग्रीन कॉरिडोर योजना की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इसके लिए वेलनेस सिटी के चार मुख्य मार्गों को ग्रीन कॉरिडोर से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शुक्रवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि सुलतानपुर रोड और किसान पथ के बीच 485 हेक्टेयर क्षेत्र में वेलनेस सिटी विकसित की जा रही है। योजना में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, विपासना एवं मेडिटेशन सेंटर जैसी सुविधाएं विकसित होंगी। उन्होंने बताया कि योजना के लिए लैंड पूलिंग और किसानों की सहमति से भूमि जुटाई जा रही है। अब तक 427 किसानों से 78 हेक्टेयर भूमि के प्रस्ताव मिले हैं, जबकि 30 हेक्टेयर भूमि का लैंड पूलिंग एग्रीमेंट किया जा चुका है। उपाध्यक्ष ने बताया कि शहीद पथ से किसान पथ के बीच 6.5 किलोमीटर लंबा और 24 मीटर चौड़ा ग्रीन कॉरिडोर तेजी से आकार ले रहा है। अधिकारियों को बारिश से पहले मिट्टी भराई का कार्य पूरा कराने के निर्देश दिये गये हैं। इसके अलावा सुलतानपुर रोड से ग्रीन कॉरिडोर को जोड़ने के लिए आर्मी लैंड से मरी माता मंदिर तक 1800 मीटर लंबी 4-लेन सड़क का निर्माण शुरू हो गया है। इस सड़क के बनने से गोमती नगर विस्तार से अर्जुनगंज तक आवागमन आसान होगा और करीब 10 लाख की आबादी को इसका लाभ मिलेगा।

श्री श्याम मंदिर परिसर में बनेगी नई पार्किंग, भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। श्री श्याम भक्तों की सुविधा एवं क्षेत्रीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा श्री खाटू श्याम मंदिर परिसर, बीरबल साहनी मार्ग, लखनऊ में आधुनिक पार्किंग निर्माण कार्य का भूमि पूजन कार्यक्रम शुक्रवार आयोजित किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण परियोजना राज्यसभा सांसद एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा के मार्गदर्शन, विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव के अथक प्रयास तथा विधायक डॉ. नीरज बोरा के निर्देशन में साकार हो रही है। कार्यक्रम को लेकर श्री श्याम परिवार एवं क्षेत्रीय श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण है।

मायके में रह रही विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ निगोहां के कांटा करौदी गांव में मचा हड़कंप

निगोहां, लखनऊ । क्षेत्र के कांटा करौदी गांव में शुक्रवार शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब एक विवाहिता ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में भी शोक और दहशत का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची निगोहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।मृतका की पहचान 29 वर्षीय अमीषा यादव पुत्री देशराज निवासी कांटा करौदी थाना निगोहां के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम करीब पांच बजे अमीषा ने घर के कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। काफी देर तक कमरे का दरवाजा न खुलने पर परिजनों को शक हुआ। जब दरवाजा खोलकर अंदर देखा गया तो अमीषा का शव फंदे से लटका मिला। यह दृश्य देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची निगोहां पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अमीषा ने करीब पांच वर्ष पूर्व हापुड़ निवासी विक्रांत से कोर्ट मैरिज की थी। विक्रांत भारतीय सेना में कार्यरत बताए जा रहे हैं। शादी के कुछ समय बाद पारिवारिक विवाद शुरू हो गया था, जिसके चलते अमीषा पिछले लगभग तीन वर्षों से अपने मायके में रह रही थीं।ग्रामीणों के अनुसार वह काफी समय से मानसिक तनाव में थीं। हालांकि आत्महत्या के पीछे की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

डीसीपी ने सिसेंडी पुलिस चौकी का फीता काटकर किया उद्घाटन

❒ एडीसीपी व प्रभारी निरीक्षक रहे मौजूद, व्यापारियों ने एवं संभ्रांत जनों ने चौकी इंचार्ज अनूप सिंह द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के लिए की प्रशंसा, किया धन्यवाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज । मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी कस्बे में नवनिर्मित पुलिस चौकी का शुक्रवार को भव्य उद्घाटन किया गया।व्यापारियो व जन सहयोग से तैयार हुई इस चौकी का उद्घाटन डीसीपी दक्षिणी अमित कुमार आनन्द ने फीता काटकर किया।इस अवसर पर एडीसीपी रल्लापल्ली वसंथ कुमार व प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी तथा सिसेंडी चौकी प्रभारी अनूप सिंह मौजूद रहे।

उद्घाटन के बाद डीसीपी अमित कुमार ने नवनिर्मित चौकी भवन, कार्यालय कक्ष और पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने चौकी की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए व्यापारियो व स्थानीय नागरिकों द्वारा किए गए सहयोग की सराहना की और कहा कि इस चौकी के संचालन से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा। साथ ही अपराध नियंत्रण, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और आमजन की समस्याओं के निस्तारण में सुविधा मिलेगी।डीसीपी ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से ही सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। सिसेंडी में जनसहयोग से तैयार यह चौकी इसी साझेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।कार्यक्रम के दौरान एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा, निरीक्षक अमर सिंह,व्यापार मंडल महामंत्री वीरेन्द्र शुक्ला उर्फ सोनू,वरिष्ठ समाजसेवी व पत्रकार ललित दीक्षित,प्रधान संघ अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह,भाजपा नेता अजंनी शुक्ला, समाजसेवी अशोक मिश्रा,प्रदीप सिंह, राजेश जायसवाल, पवन गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष इमरान खान, प्रदीप गुप्ता, सोनू द्विवेदी सहित व्यापार मंडल के पदाधिकारियो समेत क्षेत्रीत लोग मौजूद रहे।

डॉ. राजेश्वर सिंह और आर. पी. सिंह ने बढ़ाया युवाओं का उत्साह

❒ सरोजनीनगर स्पोर्ट्स प्रीमियर लीग बनी खेल प्रतिभाओं का महाकुंभ

❒ खेलेंगे युवा, तभी आगे बढ़ेगा भारत– डॉ. राजेश्वर सिंह और आर. पी. सिंह के साथ द्दद्मघ्ख्र के 9वें संस्करण का भव्य शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। जिस राष्ट्र के युवा मैदान में संघर्ष करना सीखते हैं, वह राष्ट्र हर चुनौती में विजयी बनता है - डॉ. राजेश्वर सिंहङ्क, इसी भावना के साथ आज जय जगत पार्क, एलडीए कॉलोनी में ल्लसरोजनीनगर स्पोर्ट्स प्रीमियर लीग (द्दद्मघ्ख्र)-9ङ्क का भव्य शुभारंभ भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर एवं वर्तमान चयन समिति सदस्य श्री आर. पी. सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह एवं श्री आर. पी. सिंह ने संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का उद्घाटन कर युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि ल्लमहान खिलाड़ी केवल ट्रॉफियां जीतने के लिए नहीं खेलते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए खेलते हैं।

उन्होंने बताया कि 4 दिसंबर 2022 से शुरू हुई यह पहल आज अपने 9वें संस्करण तक पहुँच चुकी है। इस वर्ष आयोजित इंटर स्कूल एवं इंटर स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट चैम्पियनशिप में 160 टीमें भाग ले रही हैं तथा लगभग 160 मुकाबले खेले जाएंगे। विजेता टीम को ?50,000 एवं उपविजेता टीम को ?25,000 की पुरस्कार राशि दी जाएगी। साथ ही बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर, मैक्सिमम सिक्स एवं मैक्सिमम फोर जैसी विशेष श्रेणियों में भी खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को टी-शर्ट एवं प्रत्येक टीम को क्रिकेट किट उपलब्ध कराई जा रही है।

उद्घाटन अवसर पर इंटर-स्कूल मुकाबले में लखनऊ कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल एवं एलनहाउस पब्लिक स्कूल की टीमें आमने-सामने रहीं, जबकि इंटर-स्पोर्ट्स क्लब मुकाबले में यंग बॉयज़ क्रिकेट क्लब एवं प्यारेपुर क्रिकेट क्लब के बीच मैच आयोजित किया गया।डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि अब तक द्दद्मघ्ख्र के माध्यम से 10,000 से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ने, 1,500 से अधिक स्पोर्ट्स किट वितरित करने एवं ?11 लाख से अधिक की पुरस्कार राशि खिलाड़ियों को प्रदान करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि सरोजनीनगर को खेल प्रतिभाओं का मजबूत केंद्र बनाने हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर श्री आर. पी. सिंह ने कहा, ल्लराजेश्वर भैया से मेरा संबंध दशकों पुराना है। मेरी हर छोटी-बड़ी उपलब्धि पर मुझसे ज्यादा वह खुश होते हैं। जिस समर्पण और भावना के साथ वह युवाओं को खेलों से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं, वह अत्यंत प्रेरणादायी है। सरोजनीनगर स्पोर्ट्स प्रीमियर लीग जैसे आयोजन निश्चित रूप से क्षेत्र की प्रतिभाओं को नई पहचान देंगे।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि रायबरेली की धरती से निकलकर विश्व क्रिकेट में अपनी विशेष पहचान बनाने वाले श्री आर. पी. सिंह ने भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित किया है। वर्ष 2007 के आईसीसी टी-20 विश्व कप में उनकी भूमिका भारतीय क्रिकेट इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों में दर्ज है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को नई पहचान मिली है तथा 'खेलो इंडिया' और TOPS जैसी योजनाओं ने युवाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरोजनीनगर क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 180 से अधिक बॉयज एवं 116 से अधिक गर्ल्स यूथ क्लब स्थापित किए गए हैं। दादूपुर स्टेडियम, जय जगत पार्क एवं अन्य खेल मैदानों के विकास हेतु विधायक निधि से लाखों रुपये की सहायता प्रदान की गई है। इस अवसर पर अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के सीईओ डॉ. मयंक सोमानी जी ने कहा कि एक डॉक्टर के रूप में वह मानते हैं कि डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा युवाओं को प्रतिदिन 1 से 2 घंटे खेलों के लिए समय देने का संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से खेलों से जुड़ना दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है तथा युवाओं को अपने जीवन में खेल और शारीरिक गतिविधियों को निरंतर शामिल रखना चाहिए। डॉ. राजेश्वर सिंह ने डॉ. मयंक सोमानी जी की सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े प्रयासों की सराहना की।

साथ ही सरदार इकबाल सिंह, हरजीत कौर, ज़ेहा रज़ा, डॉ. अजय शुक्ला, संगीता चौहान, हर्ष सिंह, शशिकांत चतुर्वेदी, वत्सल श्रीवास्तव, श्री लालमणि यादव, लता श्रीवास्तव, वीरेंद्र प्रताप सिंह, शंकरी सिंह, श्री वी.के. श्रीवास्तव तथा संतोष सिंह सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेश्वर सिंह ने आयोजन समिति, खिलाड़ियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल, ऊर्जा और युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

नहर रोड चौड़ीकरण कार्य का शुभारंभ

❒ 18 करोड़ से अधिक की लागत से बनेगा आधुनिक मार्ग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । जानकीपुरम स्थित कुर्सी रोड से शुक्ला चौराहा जाने वाले मुख्य मार्ग (नहर रोड) के चौड़ीकरण कार्य का शुभारंभ शुक्रवार को वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह ने उत्तर विधायक डॉ नीरज बोरा की उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह ने बताया कि लगभग 1817.97 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के पूरा होने पर क्षेत्रवासियों को बेहतर यातायात सुविधा, सुगम आवागमन और आधुनिक आधारभूत संरचना का लाभ मिलेगा। विधायक डॉ नीरज बोरा ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र की आवश्यकता रहे इस मार्ग के चौड़ीकरण से ट्रैफिक दबाव कम होगा और स्थानीय नागरिकों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर विधानसभा क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि कार्यक्रम में प्रमुख पार्षदों में निशा तिवारी (जानकीपुरम प्रथम), राजकुमारी मौर्या (जानकीपुरम द्वितीय) और दीपक लोधी (जानकीपुरम तृतीय) समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा मान सिंह, रंजीत सिंह, राघवराम तिवारी, विवेक तोमर, सतीश वर्मा, संजय तिवारी, सौरभ तिवारी, अंकुश बाजपेई, राकेश पाण्डेय, दीपू रावत, हर्षिका जायसवाल और दिव्यांशी शुक्ला सहित लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हर घर जल मिशन ने पकड़ी रफ्तार 1731 गांवों में शुरू हुई जलापूर्ति

❒ जल निगम ने मॉडल स्कीम को दी प्राथमिकता, 603 टंकियों के जरिए पहुंच रहा पानी

❒ फंड मिलने के बाद कार्यों में आई तेजी, सड़कों की मरम्मत के भी दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जनपद में जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल' पहुंचाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए जल निगम (ग्रामीण) ने अपनी कवायद तेज कर दी है। गर्मी के मौसम को देखते हुए विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर मॉडल स्कीम के तहत कार्य शुरू किया है, ताकि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के लिए भटकना न पड़े। अधिशासी अभियंता अरविंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जनपद के कुल 2308 राजस्व ग्रामों में जलापूर्ति का लक्ष्य है। इनमें से 49 पुरानी योजनाएं हैं, जबकि 2259 नई योजनाएं जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत थीं। वर्तमान में 1332 योजनाओं पर एनसीसी और एलएनटी जैसी बड़ी कंपनियां युद्धस्तर पर कार्य कर रही हैं। अब तक 603 पानी की टंकियां बनकर तैयार हो चुकी हैं, जिनसे 1731 गांवों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है। शासन की मंशा के अनुरूप 1731 गांवों में क्लोरीन युक्त शुद्ध पानी की सप्लाई दी जा रही है। शेष गांवों में शीघ्र जिला पूर्ति के लिए कार्य प्रगति पर है। कार्यदायी फर्मों को सड़कों की मरम्मत के सख्त निर्देश दिए गए हैं और इंजीनियर लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।'' अखिलेंद्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता ,जल निगम ग्रामीण

निगम के इंजीनियरों की पैनी नजर

जल निगम के इंजीनियरों के मुताबिक, पिछले वर्ष बजट के अभाव में कार्य कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ था, लेकिन अब पर्याप्त फंड मिलने के बाद पाइपलाइन बिछाने और कनेक्शन देने के काम में तेजी आई है। जहां पाइपलाइन डालने के लिए सड़कें खोदी गई थीं, उन्हें भी ठीक कराने के निर्देश दिए गए हैं।

ये पंचायतें बनीं 'हर घर जल' प्रमाणित मॉडल स्कीम

जिले की 289 राजस्व पंचायतें अब तक पूर्णतः हर घर जल प्रमाणित हो चुकी हैं। इसमें परसेंडी ब्लॉक की खंदनिया, रौरापुर, मदनापुर, मीरनगर पट्टी, सेवई और रामनगर प्रमुख हैं। वहीं खैराबाद ब्लॉक के सलेमपुर अलीरजा, कनवाखेड़ा और रस्यौरा को मॉडल स्कीम के तहत प्रमाणित किया गया है।

भुगतान नहीं, फिर भी सप्लाई जारी

विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में फर्मों को भुगतान प्रक्रियाधीन है, इसके बावजूद गर्मी को देखते हुए जनहित में जलापूर्ति सुचारू रखी गई है। किसी भी तकनीकी खराबी या समस्या की सूचना मिलने पर तत्काल उसे दुरुस्त कराया जा रहा है।

भूमि विवाद में विरोधियों पर जमकर गरजे अभिषेक गुप्ता

❒ खैराबाद में भूमि विनिमय मामले पर चेयरमैन प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता का बेबाक जवाब

❒ 100 बीघा जमीन खाली करने के जिला अधिकारी के आदेश से लोगों में हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। खैराबाद में सरकारी भूमि विनिमय को लेकर उठे विवाद और लगाए गए आरोपों के बीच नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता ने खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यदि उनके पास एक इंच भी सरकारी भूमि अवैध रूप से पाई जाती है तो प्रशासन तत्काल कार्रवाई करे, उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।अभिषेक गुप्ता ने कहा कि उनकी धर्मपत्नी के नगर पालिका अध्यक्ष बनने के बाद से उनका परिवार केवल खैराबाद की जनता की सेवा में लगा हुआ है और जनता की सेवा ही उनका सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खैराबाद क्षेत्र में सरकारी भूमि पर कब्जा करने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और किसी भी कीमत पर सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा।उन्होंने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि जिस भूमि को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है, उसका विनिमय पूरी तरह वैधानिक प्रक्रिया और न्यायालय के आदेश के तहत हुआ है। उन्होंने दावा किया कि बदले में सरकार को अधिक भूमि दी गई है और पूरा मामला नियमों के अनुरूप संपन्न हुआ है।अभिषेक गुप्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि जिस भूमि का विनिमय कराया गया, वह उनके आवास के नजदीक स्थित है और निजी आवश्यकताओं के चलते उस जमीन की जरूरत थी। इसलिए निजी कार्य के लिए वो जमीन ली गई है उन्होंने कहा नहीं तो और अधिक मूल्यवान भूमि सरकार को क्यों देते। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगो का यही धंधा है कि आरोप लगाओ और पैसा वसूली करो इसी कारण अनावश्यक विवाद खड़ा कर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि पूरा मामला वैधानिक प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ है।चेयरमैन प्रतिनिधि ने यह भी कहा कि जो लोग आज धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हीं पर सरकारी भूमि कब्जाने के आरोप हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक और व्यक्तिगत कारणों से जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सच सामने है और प्रशासनिक अभिलेख इसकी पुष्टि करते हैं।खैराबाद में इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं समर्थकों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन लगातार विकास कार्यों और सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। अभिषेक गुप्ता ने ये भी कहा जो सात सभासदों की जांच चल रही है उनका ये रामसिंह पुराना साथी है और इन लोगो का यही धंधा है सरकारी भूमि कब्जा करना वसूली करना अभी हाल ही में जिलाधिकारी महोदय द्वारा 100 बीघा जमीन खाली करने के आदेश के बाद इन सबके होश फ़ाख्ता हो गए है इसी लिए ये सब उल्टी सीधी हरकते चालू कर दी है। कार्यवाही न रुकी है ना रुकेगी चाहे ये कुछ कर ले।

तिलहर विधायक के इशारे पर हुई स्कूल प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज: पूर्व विधायक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना निगोही क्षेत्र में तिलहर विधायक सलोना कुशवाहा के आवास के पास ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली और सुभद्रा देवी महेश चन्द्र इंटर कालेज की बस की टक्कर हो गई थी। इस हादसे में बस सवार स्कूली बच्चों और स्टाफ समेत 16 लोग घायल हो गए थे।

इस मामले में पुलिस ने स्कूल बस चालक समेत स्कूल प्रबंधक व प्रधानाचार्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इसको लेकर तिलहर के पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा ने समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर प्रेसवार्ता की और तिलहर विधायक सलोना कुशवाहा पर कई आरोप लगाए। प्रेसवार्ता के दौरान पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा ने कहा कि भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा के इशारे पर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। कहा कि स्कूल की बस रोजाना की तरह स्कूल स्टाफ और बच्चों को लेकर शहर की ओर जा रही थी। इसी दौरान विधायक सलोना कुशवाहा के आवास के पास ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली ने बस में टक्कर मार दी। हादसे में बस पलट गई और उसमें सवार 16 लोग घायल हो गए थे। इस हादसे में ट्रैक्टर-ट्राली चालक की गलती थी, बावजूद पुलिस ने उनकी तहरीर पर कार्रवाई नहीं की, बल्कि स्कूल प्रबंधक, प्रधानाचार्य और बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया। कहा कि इसके अलावा सफाई कर्मियों के नेता/ नामित सभासद का निगोही नगर पंचायत कार्यालय के अंदर गोली मारने की धमकी देने का वीडियो उनके पास मौजूद है, लेकिन एक मंत्री और विधायक के दबाव के चलते उस सफाई कर्मी नेता पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। कहा कि नगर पंचायत निगोही का करीब आठ करोड़ रुपये का बजट लंबित पड़ा है और विकास कार्य नहीं होने दिए जा रहे हैं। कहा कि नामित सभासद को मंत्री का संरक्षण प्राप्त है। पूर्व विधायक ने प्रशासन पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया। कहा कि लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उनकी संपत्ति और कार्यों की किसी भी स्तर पर जांच कराई जा सकती है। राजनीतिक द्वेष के चलते उन्हें और उनके समर्थकों को परेशान किया जा रहा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष/ पूर्व चेयरमैन तनवीर खान, पूर्व विधायक राजेश यादव, पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा, सपा नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी, राधेश्याम यादव, हफीज अंसारी, अनिल भास्कर, रानू खान, रफी खान, पवन वर्मा, अजीत यादव, सपा जिलाध्यक्ष के प्रतिनिधि शाहनवाज आदि मौजूद रहे।

ऐप्जा की बैठक सम्पन्न

लहरपुर, सीतापुर। ऐप्जा की बैठक में तहसील इकाई का पुनर्गठन, अभिनव त्रिवेदी फिर बने अध्यक्षस्थानीय नहर विभाग के गेस्ट हाउस में ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (ऐप्जा) की एक महत्वपूर्ण बैठक चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग एम सारथी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 30 मई को सीतापुर के जिला पंचायत सभागार में आयोजित होने वाले पत्रकार दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान ऐप्जा लहरपुर तहसील इकाई का पुनर्गठन भी किया गया। सर्वसम्मति से अभिनव त्रिवेदी को पुनः तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि आकाश सिंह को दोबारा महामंत्री तथा एहतेशाम बेग को पुनः तहसील प्रभारी बनाया गया। संगठन का विस्तार करते हुए वरिष्ठ पत्रकार पंकज शुक्ला को जिला उपाध्यक्ष एवं उत्तम शर्मा को जिला संयुक्त सचिव का दायित्व सौंपा गया। वहीं संरक्षक मंडल में कमलेश मेहरोत्रा, अरुण सिंह आचार्य, समीर पुरी, रियाज अहमद बबलू तथा मौलाना सिराज को शामिल किया गया। इसी क्रम में दिनेश शुक्ला को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बलराम मिश्रा को उपाध्यक्ष, ओमकार वर्मा, वसीम बेग व रामगोपाल दीक्षित को सचिव, वीरेश तिवारी को संगठन मंत्री, निर्मल पांडे को तहसील महासचिव सहित अन्य मौजूद रहे।

मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान, एल्पिस ग्लोबल स्कूल में दिखा उत्साह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। बिसवां नगर के प्रतिष्ठित एल्पिस ग्लोबल स्कूल में मेधावी अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर श्री उमंग राजवंशी, प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा एवं सबा मैम द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

समारोह में विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को माल्यार्पण, गुलदस्ते एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। साथ ही विद्यार्थियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अभिभावकों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में माता-पिता का त्याग, अनुशासन एवं सतत सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।विद्यालय की छात्रा विभूति वर्मा ने 96.80% अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर एवं जनपद में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उम्मे हानी ने 94.20%, भाव्या अग्रवाल ने 93.40%, आकृति अग्रवाल ने 92.60%, कशिश खेतान एवं रेहान अंसारी ने 92.40%, शौनक शुक्ला ने 91.00%, श्रेयांश अवस्थी ने 90.80%, रोहन राज एवं अविनाश वर्मा ने 90.40% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।इसके अतिरिक्त दैविक रस्तोगी (89.00%), आयुषी शर्मा (88.80%), स्तुति अग्रवाल (88.60%), सक्षम अग्रवाल (88.00%), माही अग्रवाल एवं आत्मतिक रस्तोगी (87.20%), मोहम्मद हसन बदर, महक दीप कौर एवं अक्षत वर्मा (87.00%), कौस्तुभ द्विवेदी (86.60%), अलतमश (86.20%), आयुषी त्रिवेदी (85.80%), अनमोल वर्मा (85.40%) तथा पियूष मिश्रा (84.80%) ने भी शानदार सफलता अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया।विद्यालय के डायरेक्टर श्री उमंग राजवंशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच का परिणाम होती है तथा अभिभावकों का सहयोग विद्यार्थियों की सफलता में अतुलनीय भूमिका निभाता है। प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने वाले विद्यार्थी ही सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचते हैं।कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में आशीर्वचन एवं जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डीएम ने की कर करेत्तर की बैठक, दिए निर्देश

❒ डीएम ने दिए राजस्व बढ़ाने के लिए निर्देश, राजस्व वसूल कर लक्ष्य को कराए पूरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। गुरुवार को डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में कर-करेत्तर के तहत प्राप्तियो की विभागवार, बिंदुवार मासिक समीक्षा बैठक की, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रवर्तन की प्रभावी कार्यवाही करते हुए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाय। बैठक का संचालन एडीएम न्यायिक बृजपाल सिंह ने किया।

डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि सभी अधिकारियों को अपने लक्ष्य की कार्ययोजना बनाकर मूर्त रूप देने का निर्देश दिया। निर्देश दिए कि विशेष अभियान चलाकर लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। डीएम ने संबंधित अधिकारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन विभागीय अधिकारियों के द्वारा अपने राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं की जाएगी, उनके विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

डीएम ने वाणिज्य कर, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, विद्युत देय, नगर विकास, मंडी, वन, सिंचाई, खनन, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक लखीमपुर, गोला, विधिक माप विज्ञान के अफसरों से मासिक लक्ष्य की प्रगति, क्रमिक लक्ष्य की प्रगति गत वर्ष की उपलब्धि के सापेक्ष वृद्धि प्रतिशत की गहन समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए।

लंबित वादों का त्वरित निस्तारण करें: डीएम

कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में डीएम अंजनी कुमार सिंह ने राजस्व विभाग की मासिक समीक्षा बैठक कर लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों का समयबद्ध एवं गुणवत्तायुक्त निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने अधीनस्थ न्यायालयों की नियमित रूप से स्वयं समीक्षा करें और लंबित मामलों की प्रगति पर सतत निगरानी रखें। डीएम ने स्पष्ट किया कि राजस्व मामलों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और कार्य में पारदर्शिता व गति अनिवार्य है।

दून इंटरनेशनल में जनपद स्तरीय सामूहिक सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम

❒ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही राजकीय हाईस्कूल पिपरौला की टीम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। जिला प्रशासन की ओर से दून इंटरनेशनल सभागार में जनपद स्तरीय सामूहिक सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिवंश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता, डायट प्राचार्य सोनिया गुप्ता व दून इंटरनेशनल की प्रधानाचार्या शमा जैदी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बीती 08 मई को विभिन्न ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं में जीती 18 टीमों ने प्रतिभाग किया और नृत्य प्रस्तुति की। निर्णायक मंडल में संजय कुमार मौर्य प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कॉलेज कांट, नम्रता लता आर्य महिला पीजी कॉलेज, रोहित सिंह दून इंटरनेशनल स्कूल रहे। इस प्रतियोगिता में राजकीय हाईस्कूल पिपरौला की टीम प्रथम रही। जबकि द्वितीय स्थान पर आर्य महिला इण्टर कॉलेज और तृतीय स्थान पर प्राथमिक विद्यालय मठिया पुवायां की टीम रही। शेष विकास खंडों की विजेता 15 टीमों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। बताया गया कि प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त विजेता टीमों को 25 हजार, 20 हजार, 15 हजार रुपए और शेष 15 विकास खंडों की विजेता टीमों को रुपए 5000 की धनराशि दी जाएगी। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय के निदेशक डा. जसमीत साहनी, सन्देश श्रीमाली, नेहा मिश्रा, शिप्रा, इशिका, कोमल, विशाल, सुशान्त आदि का सहयोग रहा।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियाँ तेज

सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 के निर्देश पर 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने की तैयारी तेज कर दी गयी है। यह पहल द्वारा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय, सीतापुर के सभी योग वेलनेस सेण्टर एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर के योग प्रशिक्षकों के द्वारा विद्यालयों, पार्कों एवं चिकित्सालयों में ''योग शिविर'' का आयोजन किया जा रहा है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी सीतापुर डॉ0 तृप्ति आर0 सिंह ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं जनमानस में योग के प्रति जागरूकता पैदा करना है, ताकि योग सभी की दैनिकचर्या की एक आदत (हिस्सा) बन जाये, जिससे बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास सुचारू रूप से हो सके। आयुष विभाग द्वारा प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के द्वारा योगासन, प्राणायाम, ध्यान की विधियाँ विभिन्न विद्यालयों, पार्कों एवं चिकित्सालयों में सिखाई जा रही हैं। इस सम्बन्ध में डॉ0 तृप्ति आर0 सिंह ने बताया कि आयुष मंत्रालय भारत सरकार ने लिंक https://moa.habit.yoga?ref=uttar pradesh व टोल फ्री नं0 18003157008 जारी किया गया है। इस पर पंजीकरण करके जनसमुदाय घर बैठे योग का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

स्वच्छता मिशन अभियान ठेंगें पर जगह-जगह लगा गंदगी का अंबार, सफाई कर्मी नदारद

लहरपुर सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आपको बताते चले कि स्वच्छ भारत मिशन के दावों के बावजूद कई इलाकों में गंदगी कि भयावह तस्वीर सामने आ रही हैं जो जमीनी हकीकत पर सवाल उठाती हैं लहरपुर ब्लाक क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम निमौधी गांव के अंदर और प्राथमिक विद्यालय के समीप जल भराव और व्यापक गंदगी कचरा नालियों में पटा पड़ा हुआ है। लेकिन जिम्मेदार सफाई कर्मी गांव की सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रहा उनको ऐसा समझते हैं कहीं ना कहीं प्रशासनिक अधिकारियों का संरक्षण या यूं कहें लाल पीली नोटों की चमक की खुशबू के दम पर नहीं आते हैं सफाई कर्मी निमौधी के प्राथमिक विद्यालय के पास में गंदगी का अंबार और जल भराव की काफी समस्या बनी हुई है। जो प्रशासनिक दावों की पोल खुलता नजर आ रहा है । स्कूल के अंदर घुसते ही गंदगी का अंबार यहां वहां नजर आता है ।जमीनी सच्चाई यह है। कि गांव की गलियों और खड़ंजे पर पसरी गंदगी यह बताने के लिए काफी है। कि यह निमौधी गांव सफाई व्यवस्था का शिकार बन चुका है। इस गांव में सफाई व्यवस्था नाम मात्र की रह गई है। सफाई व्यवस्था बत्तर हो चुकी है ।सड़कों पर पानी बह रहा है। लेकिन जिम्मेदार सफाई कर्मी नींद में सो रहा है प्रधानमंत्री का स्वच्छ भारत मिशन का वादा हवा हवाई साबित नजर आ रहा है ।महीने में कभी कभार सफाई होती है अब देखना यह है ।की सफाई कर्मी के खिलाफ प्रशासनिक अधिकारी क्या कार्रवाई करते हैं।

प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड (कानून व्यवस्था), नारकोटिक्स, आबकारी एवं अभियोजन विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट के बिस्मिल सभागार में आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कच्ची शराब बनाने एवं अवैध मदिरा बिक्री पर रोक लगाई जाए। सम्बन्धित तहसीलों के उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित की जाए और आपसी समन्वय स्थापित कर कार्रवाई की जाए। मेडिकल स्टोरों पर प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कठोरतम कार्यवाही करें। कहा कि जितने भी ड्रग ठाइसेंसधारी हैं। उनका विशेष अभियान चलाकर फिजिकल सत्यापन कराएं और अवैध रूप से कार्य करने वालों पर नियमानुसार कार्यवाही करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, एसपी सिटी देवेंद्र कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएम डैशबोर्ड व सीएमआईएस पोर्टल की डीएम ने की गहन समीक्षा

❒ विकास कार्यों में तेजी व पारदर्शिता पर जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले में संचालित विकास कार्यों और योजनाओं की रफ्तार को और तेज करने के उद्देश्य से डीएम अंजनी कुमार सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में सीएम डैशबोर्ड व सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित सूचनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने विभागवार आंकड़ों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी योजनाओं की माह तक आवंटित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करते हुए संबंधित पोर्टल पर अपडेट की जाए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने कहा कि शासन स्तर पर सीधे सीएमआईएस पोर्टल और सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से योजनाओं की निगरानी की जा रही है, ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिन विभागों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, वे तत्काल सुधारात्मक कदम उठाते हुए पोर्टल पर अद्यतन व सही जानकारी दर्ज करें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम डैशबोर्ड पर आंकड़े नियमित रूप से अपडेट रहें, ताकि जिले की रैंकिंग प्रभावित न हो।उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि अगले माह तक प्रत्येक विभाग की प्रगति हर हाल में सुधारनी होगी, अन्यथा संबंधित विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं की जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने यह भी कहा कि दद्रहप पोर्टल पर दर्ज परियोजनाओं का निर्धारित माइलस्टोन के अनुसार प्रतिमाह प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें निर्धारित समय के अंतर्गत पूर्ण करते हुए संबंधित प्रशासकीय विभाग को हस्तगत किया जाना सुनिश्चित करें, जो परियोजनाओं में निर्धारित समयावधि से विलंब चल रही है समुचित कारण सहित उनकी पूर्णता की तिथि संशोधित करा लिया जाए। बैठक में डीएम ने विभागवार एवं परियोजनावार समीक्षा करते हुए प्रोजेक्ट अलंकार, भवन निर्माण,मनरेगा में कम प्रगति की स्थिति पर नाराजगी जताई। जननी सुरक्षा योजना और फैमिली आईडी की धीमी प्रगति पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाकर लक्ष्य के अनुरूप सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड और सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित योजनाएं/परियोजना का माह तक आवंटित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा समय से माह के आखिरी सप्ताह तक संबंधित पोर्टल पर उनका अंकन किया जाए। विभाग वार प्राप्त मासिक अंक/आंकड़े महज नंबर नहीं, प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही का आईना हैं। अधिकारी सुनिश्चित करें कि डाटा अद्यतन और जमीनी हकीकत से मेल खाते हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही से न सिर्फ विभाग की रैंकिंग गिरेगी, बल्कि जिले की छवि भी प्रभावित होगी।*इनकी रही मौजूदगी* : सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, पीडी एसएन चौरसिया, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह, डीएसटीओ विचित्र कुमार साहू सहित सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पुत्रवधु व 08 माह के पौत्र को जहर देने की आरोपी महिला गिरफ्तार

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना पुवायां पुलिस ने दहेज की मांग पूरी न होने पर पुत्रवधु और 08 माह के पौत्र को जहरीला पदार्थ खिलाने की आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है।25 अप्रैल को थाना पुवायां क्षेत्र के गांव कुंवरपुर जप्ती निवासी अमन मिश्रा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि हैसियत के अनुसार उसने अपनी बहन अर्चना की शादी थाना खुटार क्षेत्र के मुकीमपुर निवासी विशाल अवस्थी से की थी। इसके बावजूद दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर अर्चना का पति विशाल अवस्थी, विशाल की मां वनदेवी, खुटार निवासी मौसी रोहिणी और मौसा देवेश कुमार उसकी बहन को प्रताड़ित करते थे। दहेज की मांग पूरी न होने पर उसकी बहन अर्चना से मारपीट की गई और उसकी बहन अर्चना तथा उसके 08 माह के पुत्र आयुष को जहरीला पदार्थ खिलाया गया। जिसमें उपचार के दौरान आयुष की मौत हो गई। जबकि बहन अर्चना का उपचार कराया जा रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी विशाल अवस्थी, सास वनदेवी, रोहिणी और देवेश कुमार के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। इसी क्रम में आज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मोहम्मदी रोड खुटार हाईवे फ्लाईओवर के नीचे से वांछित अभियुक्त वनदेवी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना पुवायां के उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार के साथ आरक्षी अक्षय कुमार और रिक्रूट महिला आरक्षी शालू आदि मौजूद रहे।

जैविक खेती से बढ़ा लाभ, महिलाओं की भागीदारी भी हुई मजबूत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ वीर प्रताप सिंह ने बताया कि फसल की बुवाई से पूर्व उन्होंने भूमि का शोधन किया तथा अपने घर के बीज को बीजामृत से उपचारित किया

बदायूँ। नमामि गंगे जैविक खेती परियोजना के अंतर्गत चयनित कृषकों द्वारा जैविक खेती को अपनाकर खेती की लागत कम करने, मृदा की गुणवत्ता सुधारने तथा किसानों की आय में वृद्धि करने की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। परियोजना से जुड़े ग्राम सिकन्दराबाद निवासी कृषक वीर प्रताप सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने 0.4 हेक्टेयर भूमि को जैविक खेती हेतु पंजीकृत कराया है और प्रथम वर्ष में रबी सीजन के दौरान गेहूँ की फसल से जैविक खेती की शुरुआत की।

वीर प्रताप सिंह ने बताया कि फसल की बुवाई से पूर्व उन्होंने भूमि का शोधन किया तथा अपने घर के बीज को बीजामृत से उपचारित किया। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर 50 किलो प्रोम खाद को 2 कुंतल वर्मी कम्पोस्ट के साथ मिलाकर खेत में प्रयोग किया, जिससे फसल को पर्याप्त फास्फोरस प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त बुवाई के लगभग 28 से 30 दिन बाद सिंचाई के दौरान जीवामृत का प्रयोग किया गया। फसल को रोग एवं कीटों से सुरक्षित रखने के लिए हर्बल कीटनाशकों का तीन बार छिड़काव किया गया, जिसके कारण फसल पर किसी प्रकार का रोग या कीट प्रकोप नहीं हुआ।

उन्होंने बताया कि जैविक खेती में उत्पादन रासायनिक खेती की अपेक्षा लगभग 20 से 25 प्रतिशत कम रहा, लेकिन फसल लागत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी आने से लाभांश में 5 से 10 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही भूमि में सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ने से भविष्य में उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में और अधिक सुधार होने की संभावना है।

परियोजना के अंतर्गत चयनित समूहों के कृषकों को नियमित रूप से जैविक खेती के विभिन्न आदानों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें गाय आधारित तरल जैव खाद, वर्मी कम्पोस्ट, हरी खाद तथा राइजोबियम, पीएसबी कल्चर, जिंक सॉल्युबिलाइजिंग बैक्टीरिया, पोटाश मोबिलाइजिंग बैक्टीरिया एवं जिप्सम जैसे जैविक उर्वरकों के उपयोग की जानकारी दी जा रही है।

पोषक तत्व प्रबंधन के साथ-साथ जैविक कीटनाशकों के प्रयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषि विविधीकरण परियोजना यूपीडास्प के माध्यम से समूह के सदस्यों को प्रथम वर्ष में 12 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर, द्वितीय वर्ष में 10 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तथा तृतीय वर्ष में 9 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से सहायता अनुदान डीबीटी के माध्यम से सीधे कृषकों के खातों में हस्तांतरित किया जा रहा है। इसके अलावा ट्राइकोग्रामा कार्ड, ब्यूवेरिया बेसियाना, गौमूत्र, नीम तेल तथा ब्रम्हास्त्र जैसे जैविक कीटनाशकों का प्रयोग फसल उत्पादन को सुरक्षित एवं संतुलित बनाए रखने हेतु कराया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत पीजीएस मानकों के अनुसार जैविक प्रमाणन प्रक्रिया का भी कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। जैविक खेती को अपनाने से किसानों की आय में वृद्धि होने के साथ-साथ महिला कृषकों की भागीदारी भी बढ़ी है। अतिरिक्त आय से उनके रहन-सहन में सुधार देखने को मिला है तथा गांव की अन्य महिलाएं भी इससे प्रेरित होकर जैविक खेती की ओर आकर्षित हो रही हैं। महिलाएं समूह की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाकर परियोजना की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

सदर विधायक का संकल्प, सप्ताह में एक दिन चलेंगे साइकिल से

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ सदर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की ओर से ईंधन बचाने की अपील को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने यह निर्णय लिया है

बदायूं। देशहित में ईंधन बचत, स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भाजपा के सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने बड़ा संकल्प लिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपील का समर्थन करते हुए घोषणा की कि वह सप्ताह में एक दिन साइकिल से चलेंगे और रविवार को घर में रहकर जनता के कार्य करेंगे।

सदर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की ओर से ईंधन बचाने की अपील को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने यह निर्णय लिया है कि रविवार को वह अपने घर पर रहकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और आवश्यकता पड़ने पर बदायूं नगर के कार्यक्रमों में साइकिल से जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील का वह पहले से पालन कर रहे हैं। विधायक ने कहा कि वह वर्ष 1984 से न तो सोना पहनते हैं, न खरीदते हैं और आगे भी यह क्रम जारी रहेगा।इसके अलावा उन्होंने अपने घर में खाद्य तेल के उपयोग को 50 प्रतिशत तक कम करने का भी संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली और संसाधनों की बचत के लिए यह जरूरी कदम है।सदर विधायक ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर भी जोर देते हुए कहा कि वह केवल भारत में निर्मित वस्तुओं का ही प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी वस्तुओं में भारतीय श्रमिकों के पसीने की खुशबू और आत्मनिर्भर भारत की ताकत दिखाई देती है। विधायक ने कहा कि वह अगले एक वर्ष तक विदेश यात्रा नहीं करेंगे। साथ ही उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की अपील भी की।

भट्ठी हटाने को लेकर भिड़े पकौड़ी विक्रेता, पांच घायल

बदायूं। बुटला की साप्ताहिक बाजार में अपने-अपने फड़ के पास भट्ठी लगाने को लेकर पकौड़ी विक्रेताओं में जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्ष के परिवार के लोग भी लाठी-डंडे लेकर मौके पर आ गए। इस दौरान महिला समेत दोनों पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। घटना बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव अमीरगंज निवासी रामवीर पुत्र सोनपाल और अजय पुत्र अमरपाल बुटला की साप्ताहिक बाजार में पकौड़ी की दुकान लगाते हैं। पूर्वाह्न में दोनों ने एक-दूसरे के बराबर भट्ठियां लगा लीं। आरोप है कि रामवीर ने अजय से अपनी भट्ठी हटाकर दूसरी ओर कर लेने को कहा तो कहासुनी हो गई। दोनों के बीच मारपीट की जानकारी उनके परिजनों को हुई तो अमीरगंज से दोनों पक्ष के लोग लाठी-डंडे लेकर बाजार में आ गए। दोनों पक्ष के लोगों के साथ महिलाएं भी थीं। रामवीर समेत उनके परिवार की सोमवती पत्नी संजीव कुमार और विजय पुत्र रामदीन तो दूसरी तरफ से अजय और भगवान दास घायल हो गए। बाजार में अफरातफरी के बीच दोनों पक्ष के घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। घायलों में सोमवती को बेहोशी की हालत में प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। दोनों पक्ष की ओर से एक- दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कोतवाली में तहरीर दी गई है। पुलिस ने दोनों पक्ष की शिकायत के बाद मौके पर पहुंचकर जांच भी की है।

प्रभारी मंत्री ने की आपदा में मृतकों के परिजनों से भेंट, प्रदान की राशन किट और राहत राशि का प्रमाण पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल, बहजोई। ग्राम गंगेटा तहसील सम्भल थाना कैलादेवी में दैवीय आपदा में मृतकों के आश्रितों/ परिजनों से प्रभारी मंत्री द्वारा भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा राज्य आपदा राहत कोष के अन्तर्गत 4-4 लाख रुपये धनराशि खाते में पहुंचने के प्रमाणपत्र तथा आपदा राहत सामग्री किट प्रदान की गयी।

बताते चले कि जनपद में आये तेज आंधी तूफान एवं वर्षा से उत्पन्न दैवीय आपदा के कारण तहसील सम्भल थाना कैलादेवी के अन्तर्गत ग्राम गंगेटा में विद्युत पोल तथा घर की दीवार गिरने से नेमवती पुत्री राजपाल सिंह तथा भगवान सिंह पुत्र वीरे के घर गिरने से दुखद मृत्यु हो गयी थी। आज मा. प्रभारी मंत्री/ मा. राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश धर्मवीर प्रजापति जी एवं जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा दैवीय आपदा के कारण मृतकों के घर जाकर उनके आश्रितों / परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए राहत राशि प्रदान की। मा. प्रभारी मंत्री जी सर्व प्रथम भगवान सिंह पुत्र वीरे के घर गये भगवान सिंह की मकान की दीवार गिरने से उसकी चपेट में आने से मृत्यु हो गयी थी। प्रभारी मंत्री जी द्वारा आश्रित / परिजनों से भेंट की तथा शोक संवेदना व्यक्त की मा. मंत्री जी ने कहा कि आश्रितों/ परिजनों की जिला स्तर पर सभी संभव मदद की जाए। बच्चों के लिए बाल सेवा योजना के अन्तर्गत मदद किये जाने को लेकर निर्देशित किया। प्रधानमंत्री आवास को लेकर भी संबंधित को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया।

जिलाधिकारी के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम रहोली में ग्राम चौपाल आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ गाँव की समस्या गाँव में समाधान का किया गया आयोजन

❒ मुख्य विकास अधिकारी ने स्व गणना को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिये निर्देश अधिकतम पंजीकरण कराते हुए आमजन को स्व गणना पोर्टल के उपयोग हेतु किया जाए प्रेरित

सम्भल, बहजोई। विकासखंड बनियाखेड़ा के ग्राम रहोली में ग्राम चौपाल: गांव की समस्या, गांव में समाधान का आयोजन जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में किया गया। ग्राम चौपाल में शासन के निर्देश के क्रम में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ संवाद किया गया।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करते हुए छत्रपति दीदीझ अभियान में जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया। समूहों की सफलता की कहानियों को साझा कर अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अर्थात मकान सूचीकरण (एच एलओ) के लिए स्व-गणना के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक में संबंधित अधिकारियों, कार्मिकों, ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक परिवार तक स्व-गणना की जानकारी पहुंचाई जाए, निर्धारित अवधि (दिनांक 07.05.2026 से दिनांक 21.05.2026 तक) में अधिकतम पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को स्व-गणना पोर्टल के उपयोग हेतु प्रेरित किया जाए। इसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जल जीवन मिशन (ग्रामीण) की पानी की टंकी का भी निरीक्षण किया गया जिसमें ग्रामीणों से वार्ता की जिसमें पता चला कि पानी की सप्लाई सुबह शाम की जा रही है। पानी की टंकी के चारों तरफ चहारदीवारी जर्जर होने पर अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण को उसकी मरम्मत कराने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 15 से चलेगा अभियान

बदायूं, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 15 मई से 14 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने बृहस्पतिवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी और जिला पूर्ति अधिकारी को पत्र जारी कर अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं। पत्र में सीडीओ ने कहा कि वर्तमान में योजना की जनपद की प्रगति अपेक्षा अनुरूप नहीं है। ऐसे में जिन पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके कार्ड इस अभियान में बनाए जाएंगे। सीडीओ ने अभियान की सफलता के लिए जनपद के समस्त सचिवों,पंचायत सचिवों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, कोटेदारों को इस अभियान में सहयोग करने के लिए निर्देशित करने का विभागीय अधिकारियों को पत्र जारी किया है।

सोशल मीडिया पर फोटो डालने से क्षुब्ध किशोरी ने दी जान

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कादरचौक थाना क्षेत्र में एक गांव में इंस्टाग्राम पर फोटो डालने से नाराज किशोरी ने घर में ही फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर आवश्यक कार्रवाई की।गांव महमूरगंज निवासी कोमल की 16 वर्षीय पुत्री साक्षी बृहस्पतिवार की सुबह अपने ही घर में फंदे पर झूलती मिली। इसी बीच किसी ने पुलिस को मामले की सूचना दी गई। कुछ देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। भीड़ के बीच पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया और पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की।परिवार वालों का आरोप है कि साक्षी भैंसों को चारा डालने के लिए घेर में गई थी कि गांव के ही एक युवक ने रास्ते में उसका फोटो खींचकर अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर डाल दिया।इसकी शिकायत करने जब साक्षी के परिजन युवक के घर गए थे, तभी उसने अपने घर के कमरे में दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी।उसकी मौत की काफी देर तक घर वालों को पता नहीं लगा। जब काफी देर तक वह दिखाई नहीं दी तो परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। मृतका साक्षी की मां, दो भाई, भाभी और एक बहन पंजाब में भट्ठे पर काम करते हैं। जो अभी घर आए हुए थे।

आज समस्त तहसीलों में होगा संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

बदायूं, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार दिनांक 16 मई 2026 को जनपद की समस्त तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। तहसील बदायूं में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे।

कार-छोटा हाथी की टक्कर में सात श्रद्धालु घायल

बिजनौर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद बिजनौर के थाना में नहटौर-कोतवाली देहात मार्ग पर एक सड़क हादसे में सात श्रद्धालु घायल हो गए। दरबारपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने 'छोटा हाथी' वाहन को टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना हुई। सभी घायलों को तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार अमरोहा क्षेत्र के निवासी ये लोग हरिद्वार से गंगा स्नान और प्रसाद चढ़ाकर अपने घर लौट रहे थे। नहटौर थाना क्षेत्र के दरबारपुर गांव के पास पहुंचते ही उनके वाहन को एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार लोग गंभीर रूप से चोटिल हो गए।हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान पिंटू (स्याली जागीर, अमरोहा), कुमकुम (पत्नी हरिओम), शौर्य (पुत्र हरिओम), पुष्पा (पत्नी राजकुमार), मुन्नी (पत्नी नरेश कुमार), हरिओम (पुत्र गंगाराम) और राजकुमार (पुत्र नरेश) के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को नहटौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (एक्र) में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर मामले की जांच शुरू कर दी और घायलों के परिजनों को भी सूचित कर दिया है।

चार दशक पुराने हत्या मामले में फरार चल रहा पच्चीस हजार का इनामी गिरफ्तार

कानपुर,कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में हरबंशमोहाल थाना पुलिस ने शुक्रवार को वर्ष 1981 के हत्या मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अशोक कुमार जैन को गिरफ्तार कर लिया है। वह लंबे समय से अदालत में पेश नहीं हो रहा था। उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी था। पुलिस ने उसे उन्नाव के गंगाघाट क्षेत्र से पकड़कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि अशोक कुमार जैन के खिलाफ हरबंशमोहाल थाने में वर्ष 1981 में पत्नी राधा की हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने उसे हत्या के मामले में दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। बाद में उसने उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय में अपील दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान उसे जमानत मिली लेकिन इसके बाद वह अदालत में पेश नहीं हुआ और लगातार फरार चल रहा था।पुलिस के मुताबिक उच्चतम न्यायालय द्वारा अपील निरस्त किए जाने के बाद उसको चार माह के भीतर निचली अदालत में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया था। उसने आदेश का पालन नहीं किया। इसके बाद गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी। काफी समय से फरार होने के चलते डीसीपी पूर्वी की ओर से आरोपित पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।हरबंशमोहाल थाना पुलिस और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उसे गंगाघाट क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपित ने खुद को निर्दोष बताते हुए पत्नी की मौत को आत्महत्या बताया। हालांकि अदालत पहले ही उसे दोषी ठहरा चुकी है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया।

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की मूल्य वृद्धि के विरोध में सपा का प्रदर्शन

देवरिया,कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने डीजल, पेट्रोल और सीएनजी की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके अलावा दीवानी कचहरी रोड स्थित जिला कार्यालय पर समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भी कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से तत्काल मूल्य वृद्धि वापस लेने की मांग की।बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने में विफल साबित हो रही है। बैठक को संबोधित करते हुए रणवीर यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम बढ़ाकर आम जनता की कमर तोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से मध्यवर्गीय और गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। साथ ही आरोप लगाया कि सरकार जनता की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है।

गरीब बच्चों के स्कूल निर्माण को लेकर विधायक अमिताभ बाजपेयी का संकल्प

❒ नंगे पैर आंदोलन जारी रखने का ऐलान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर । उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र के परमट स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय के पुनर्निर्माण को लेकर शुक्रवार को राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज रही। विधायक अमिताभ बाजपेयी को प्रस्तावित शिलान्यास कार्यक्रम में विद्यालय परिसर जाने से पुलिस ने रोक दिया, जिसके बाद उन्होंने अपने आवास पर हवन-पूजन कर विद्यालय निर्माण का वर्चुअल शिलान्यास किया और नंगे पैर आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया।विधायक अमिताभ बाजपेयी ने कहा कि यह लड़ाई किसी राजनीतिक लाभ की नहीं, बल्कि गरीब बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य की है। उन्होंने कहा कि जब तक विद्यालय का पुनर्निर्माण संवैधानिक और वैधानिक तरीके से शुरू नहीं हो जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि विद्यालय निर्माण शुरू होने तक वह जूते-चप्पल नहीं पहनेंगे और गांधीवादी तरीके से विरोध जारी रखेंगे।परमट स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय का भवन काफी समय से जर्जर हालत में था। विद्यालय भवन के ध्वस्तीकरण और पुनर्निर्माण को लेकर प्रशासनिक स्वीकृतियां, एनओसी, टेंडर और वर्क ऑर्डर जारी किए जा चुके थे तथा विधायक निधि से निर्माण कार्य शुरू कराने की तैयारी थी। इसी बीच कुछ लोगों द्वारा निर्माण कार्य का विरोध किए जाने के बाद विवाद बढ़ गया। प्रेसवार्ता में विधायक ने आरोप लगाया कि वैध प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद गरीब बच्चों के विद्यालय निर्माण को रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के साथ मारपीट, अभद्रता और जनप्रतिनिधियों के अपमान जैसी घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं।

प्रधानमंत्री के खिलाफ सपा सांसद के बयान पर विरोध प्रदर्शन, लगाए गए मुर्दाबाद के नारे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बांदा । देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ महोबा के सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा की गई अशोभनीय व अमर्यादित और असंसदीय टिप्पणी को लेकर उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं व पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों का एक जुलूस राइफल क्लब मैदान से शुरू होकर संकट मोचन, अशोक लाट तिराहा, जजी चौराहा होते हुए कलक्ट्रेट प्रांगण में समाप्त हुआ जहां कार्यकर्ताओं ने सपा मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ सपा नेताओं द्वारा की जा रही अभद्र, अशोभनीय एवं स्तरहीन टिप्पणियां उनकी राजनीतिक हताशा, मानसिक दिवालियापन का प्रमाण हैं। यह प्रधानमंत्री का अपमान नहीं बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की भावनाओं, लोकतान्त्रिक जनादेश और भारत के गौरव का अपमान है। जनता अब ऐसे बिसैले और संस्कारहीन राजनीतिक चरित्र को भलीभांति पहचान चुकी है।महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वन्दना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री किसी दल का नहीं बल्कि पूरे देश का गौरव होता है उनके खिलाफ की गई असंसदीय टिप्पणी केवल अशोभनीय और अक्षम्य है बल्कि भारतीय लोकतान्त्रिक मर्यादाओं पर पर भी गंभीर आघात है। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष मालती बासू, ममता मिश्रा, अर्चना शुक्ला, जागृति वर्मा, प्रभा गुप्ता, निर्मला गौतम, अर्चना मिश्रा, विनीता कौशल, रंजना श्रीवास्तव, पार्वती गुप्ता, मंजू सिंह, रूपा सिंह, सुमन तिवारी के आलावा जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल, विवेकानंद गुप्ता, अजय पटेल, आनंदी साहू, उत्तम सक्सेना, अमित सेठ भोलू, दुर्गा चौरसिया, निखिल सक्सेना, अशोक गुप्ता, संतोष राजपूत, राजेश गुप्ता, संतू गुप्ता, सुधीर कुशवाहा सहित सैकड़ों महिलाएं व पदाधिकारी शामिल रहे।

पी.एम. श्री राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में 75 वर्ष बाद पहुंचे यश भारती सम्मानित डॉ. राम रतन बनर्जी

❒ भावनाओं से सराबोर हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर । पी.एम. श्री राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज, गोरखपुर का ऐतिहासिक परिसर शुक्रवार को भावनाओं, स्मृतियों और गौरव के अद्भुत संगम का साक्षी बना। अवसर था अन्नपूर्णा देवी मेमोरियल फाउंडेशन, गोरखपुर द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह का, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह यश भारती सम्मान से अलंकृत डॉ. राम रतन बनर्जी लगभग 75 वर्ष बाद अपने पुराने विद्यालय जुबिली इंटर कॉलेज पहुंचे।अपने उद्बोधन में डॉ. बनर्जी ने कहा कि जुबिली स्कूल के मंच पर खड़े होकर उनका मन अत्यंत भावुक हो उठा है। उन्हें ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो वर्षों पुरानी स्मृतियां पुनः जीवित हो गई हों। उन्होंने बताया कि वे वर्ष 1943 में इसी विद्यालय में कक्षा तीन के विद्यार्थी थे। उस समय की शिक्षा, अनुशासन, संस्कार और गुरुजनों का स्नेह आज भी उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। डॉ. बनर्जी ने वर्ष 1947 में देश की स्वतंत्रता के समय की स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि आजादी के दिन विद्यालय का वातावरण उत्साह, उमंग और देशभक्ति से भरा हुआ था। विद्यार्थियों से घर से दस-दस दीये लाने को कहा गया था। बच्चे गांधी टोपी पहनकर हाथों में दीये लिए विद्यालय पहुंचे थे और पूरा परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा था। उन्होंने कहा कि उस दिन मिले लड्डू और जलेबी का स्वाद आज भी उनके मन में बसा है, क्योंकि वह केवल मिठाई नहीं, स्वतंत्र भारत की पहली खुशी थी।अपने छात्र जीवन की रोचक घटना सुनाते हुए उन्होंने तत्कालीन हेडमास्टर भाटिया साहब को याद किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिसर में एक बड़ा इमली का पेड़ था। एक दिन वे अपने मित्र के साथ चुपके से इमली तोड़ने गए। तभी भाटिया साहब वहां आ गए। मित्र तो भाग गया, लेकिन वे पेड़ पर ही फंस गए। डरते-डरते नीचे उतरने के बाद भाटिया साहब ने उन्हें केवल डांटा नहीं, बल्कि स्नेहपूर्वक समझाया कि विद्यालय अनुशासन और शिक्षा का पवित्र स्थान है। डॉ. बनर्जी ने कहा कि उस दिन की सीख जीवनभर उनके मन में अंकित रही।विद्यार्थियों को संदेश देते हुए डॉ. राम रतन बनर्जी ने कहा कि जीवन में कितना भी आगे बढ़ जाएं, अपने विद्यालय और अपने गुरुओं को कभी नहीं भूलना चाहिए। यही वह स्थान होता है, जहां से सपनों को उड़ान मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, ईमानदारी और अनुशासन को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया।समारोह में विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्रवक्ता पी.डी. दुबे, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी जे.एम. राव, अभियान थियेटर के अध्यक्ष श्रीनारायण पाण्डेय, डी.वी. पी.जी. कॉलेज गोरखपुर की प्राचार्य डॉ. शैल पाण्डेय तथा पूर्वांचल की वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सिका डॉ. रचना बनर्जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अन्नपूर्णा देवी मेमोरियल फाउंडेशन की निदेशक डॉ. रोली लाट एवं डॉ. एस.के. लाट ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के आयोजन में पी.एम. श्री राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज, गोरखपुर के प्रधानाचार्य डॉ. विश्व प्रकाश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

टिकैत की पुण्यतिथि पर किसानों ने लिया जल-जंगल-जमीन बचाने का संकल्प

मीरजापुर । भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 15वीं पुण्यतिथि शुक्रवार को अहरौरा क्षेत्र के इमिलियाचट्टी स्थित श्यामनाथ जूनियर हाईस्कूल में मनाई गई। इस दौरान किसानों ने जल, जंगल और जमीन बचाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम की शुरुआत हवन-पूजन और पुष्पांजलि से हुई। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं को शरबत वितरित किया गया। बैठक में किसानों ने हाल में आए आंधी-तूफान से हुई जनधन की क्षति का सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग उठाई। साथ ही टूटे बिजली पोल और तारों की मरम्मत कर जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने की मांग की।किसान नेताओं ने सोनबरसा पुल से अदलहाट तक जरगो नहर की क्षतिग्रस्त सड़क के निर्माण और बेलहर रजवाहा की टूटी पटरी की मरम्मत कराने की भी मांग की। किसानों ने सहकारी समितियों पर खरीफ सीजन के लिए डीएपी, यूरिया, पोटाश और धान बीज उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई। भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने कहा कि जून माह में हरिद्वार में राष्ट्रीय चिंतन शिविर आयोजित होगा, जिसमें अधिक से अधिक किसानों से शामिल होने की अपील की गई। इस मौके पर प्रहलाद सिंह, अनिल सिंह, परशुराम मौर्य समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बीडीओ साहब बगाही, रामवापुर नायक,जगतपुर हरदाई भटपुरवा में मनरेगा योजना का बंटाधार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के इटियाथोक विकास खंड में मनरेगा योजना बेपटरी हो चुकी है और यहां भ्रष्टाचार अप नी चरम सीमा पर है। बीडीओ व एपीओ से लेकर अन्य जिम्मेदार अधिकारी जान-बूझकर आंखें बंद किए हुए हैं। सरकारी धन की फर्जी बंदरबांट का आलम यह है कि मस्टर रोल के जरिए इस अतिम हत्वाकांक्षी योजना को पलीता लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि आखिर यहां मनरेगा यो जना में भ्रष्टाचार पर कब नकेल लगेगी जनता पूछ रही है।बताते चलें कि इटियाथोक विकास खंड की ग्राम पंचायत बगाही,रामवापुर नायक,जगतपुर को मनरेगा पोर्टल पर खंगालने की कोशिश की तो डब ल रोल का खेल बदस्तूर जारी मिला है।ग्राम पंचाय त जगतपुर में नानबाबू के खेत से पंचम लाल के, खेत तक मिट्टी पटाई के कार्यों पर मस्टर रोल में 61 श्रमिक दिखाए गए,लेकिन जो फोटो अपलोड की गई है,उसमें बड़ा खेल हुआ है और सच्चाई से पर्दा उठ गया है इसी तरह ग्राम पंचायत बगही में भी 58 श्रमिकों का मस्टर रोल चल रहा है, लेकिन गाँव में मनरेगा का भ्रष्टाचार के आगे दम घुट रहा है।मनरेगा पोर्टल पर जो फोटो अपलोड की गई है, उसमें सभी एक जैसी दिखाई दे रही हैं।ऐसे में यह खुलासा हो रहा है कि डबल रोल का खेल ब्लॉक कटरा बजार में बेखौफ जारी है।जिस तरह से इटि याथोक विकास खंड की ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार चल रहा है,वह सिस्टम पर स वाल खड़ा करता है।ग्रामीणों का आरोप है कि शि कायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है बल्कि जांच के नाम पर खानापूर्ति कर जिम्मेदारि यों से मुंह मोड़ लिया जाता है।ऐसे में इस पोजना का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है।ग्रामीण इसके लिए खंड विकास अधिकारी को ज्यादा जि म्मेदार बता रहे हैं।इस संबंध में डीसी मनरेगा जना र्दन यादव का कहना है कि मामले की जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि ग्राम पं चायतों को चिट्ठी जारी की जा रही है।

फर्जी मस्टर रोल के जरिए डकार जा रहा सरकारी धन

ग्राम पंचायतों में फर्जी मस्टर रोल तैयार कर मन रेगा योजना के तहत तालाब खुदाई, नाला सफाई व चकमार्ग पर मिट्टी पटाई का कार्य दिखाकर धन की बंदरबांट की जा रही है। हद तो यह है कि यहां एक दिन में कहीं 58 कहीं 61 तो कहीं 69 श्रमि कों की हाजिरी लगाई जा रही है।वहीं दूसरी तरफ, सूत्र बताते हैं कि धरातल पर सिर्फ नाम मात्र श्रमि क काम करते हैं।इस कारनामे को अंजाम देने में सिर्फ प्रधान व एपीओ ही जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि ब्लॉक के अफसर, ब्लॉक प्रमुख और बीडीओ की भी इसमें बराबर की हिस्सेदारी बताई जाती है।बे रोजगारों को रोजगार मुहैया कराने के नाम पर ब गाही,रामवापुर नायक,जगतपुर,हरदाई भटपुरवा के प्रधान ने अपने रसूख से मनरेगा योजना को प लीता लगाने का ऐसा जाल बुन रखा है,जिसे भ्रष्टा चार की पराकाष्ठा कहा जा सकता है।

ग्रामीणों का आरोप,बीडीओ ने दे रखी लूट की छूट

गांव वालों का आरोप है कि ब्लॉक के बीडीओ ने मातहतों को लूट करने की खुली छूट दे रखी है। ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी भी अपनी नौकरी को दांव पर लगाकर इस लूट में शामिल बताए जाते हैं।इससे स्पष्ट है कि अधिका रियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से एक ही फोटो को बार-बार इस्तेमाल करके मनरेगा योजना में हेराफ़ेरी की जा रही है। साथ ही पारदर्शिता के लिए बनाया गया एनएमएमएस ऐप को भी भ्रष्टा चार का मजबूत हथियार बना लिया गया है। बता ते हैं कि पंचायतों के निर्माण कार्य की मॉनीटरिंग करने वाले अधिकारी पोर्टल पर दर्ज फोटो व मस्ट र रोल की जांच नहीं करते हैं, जबकि इस तरह का फर्जीवाड़ा करने में सहयोग कर रहे हैं, जो प्रश्नचि न्ह है।सबूत होने के बाद भी जिला प्रशासन के जि म्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने को तैयार नहीं है।इससे भी गड़बड़ी करने वालों के हौसले बुलंद है और वह लगातार मनरेगा योजना को पलीता लगा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागरिकों से की गई अपील का दिखने लगा असर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सोना नहीं देश है प्यारा, डीजल बचाना कर्तव्य है हमारा...

छोटी दूरी के लिए निजी वाहन की जगह सार्वजनि क परिवहन का उपयोग करें

गोंडा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आयात को घटाने के लिये नागरिकों से सोना व पेट्रोल-डीजल की खपत में कटौती करने की अपील की है।उन्होंने कहा कि भारत कच्चा तेल और बड़ी मात्रा में सोना आयात करता हैं।जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव प ड़ता है।प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि एक साल तक शादी व त्योहारों पर सोने की खरीद को सीमित करे।छोटी दूरी के लिए निजी वाहन की जगह सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।इस अपील का जमीनी स्तर पर क्या असर हैं। यह जानने के लिए कैनविज टाइम्स की टीम ने लो गो के बीच पहुंचकर उनकी प्रतिक्रिया जानने का प्रयास किया।इसी क्रम में जब समाजसेवी और

अधिवक्ता राजेंद्र सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ऐसी कठिन परिस्थितियों के समय हम अपने प्रधानमंत्री के साथ खड़े हैं।उन्होंने कहा पेट्रो ल-डीजल वाले वाहनों का प्रयोग कम करके हम लोग सीएनजी व इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों का उपयोग बढ़ा सकते हैं।इससे प्रदूषण में भारी मात्रा में कमी आयेगी और वातावरण भी शुद्ध होगा।राष्ट्रीय अधि कार मोर्चा आर.ए.एम के जिलाध्यक्ष संजय पाठक ने कहा कि पीएम की मंशा देशहित में है।देश पह ले हैं,हम समर्थन करते हैं।लेकिन सोना सिर्फ शौक नहीं बचत का भी एक साधन हैं।सरकार गोल्ड बॉ न्ड और गोल्ड डिपाजिट स्कीम पर ब्याज बढ़ाये तो लोग गहने की जगह कागज में निवेश करेंगे और इससे आयात भी घटेगा।प्रदीप जोकि किसा न हैं उन्होंने कहा कि बचत के साथ विकल्प भी ज रूरी हैं।तभी बाजार और रोजगार दोनों बच पाएं गे।सरकार को छोटे व्यापारियों को टैक्स में राहत देनी चाहिए। सरकार को बिजली की व्यवस्था सुदृड़ करनी चाहिए।जिससे किसान सिचाई में डीजल का उपयोग कम करे।बचत तो जरूरी हैं लेकिन तब तक जब तक आम लोगो की जेब पर भारी न पड़े।अमित मिश्रा जोकि व्यापारी हैं उन्होंने बताया कि अपील का समर्थन हैं लेकिन उसके सा थ साथ सुविधाओं की दरकार भी हैं।सरकार अगर पुराने डीजल वाहन बदलने पर सब्सिडी दे तो व्या पारी और ग्राहक दोनों को फायदा होगा।माल ढुला ई में सीएनजी व इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों का प्रयोग बढ़ाना चाहिए।सरकार को इन वाहनों की दर थो ड़ी कम करनी चाहिए जिससे इलेक्ट्रॉनिक गाड़िया खरीदने में लोगो का उत्साह बढ़े और ट्रांसपोर्टेशन सस्ता हो।इससे आम लोगो पर महंगी ढुलाई की मार नहीं पड़ेगी।सभी सामान उचित दर पर ही लोगो को उपलब्ध हो सकेगा।

डिजिटल स्वगणना अभियान की धीमी रफ्तार से जिलाधिकारी नाराज

आठ दिनों में सिर्फ 9176 लोगों ने किया पंजीकर ण अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जनपद में भारत सरकार की डिजिटल स्व गणना परियोजना की रफ्तार काफी धीमी चल रही है। सात मई से शुरू हुए इस अभियान के तहत शुरुआती आठ दिनों में केवल 9176 लोगों ने ही आधिकारिक पोर्टल पर अपनी ऑनलाइन स्वगणना पूरी की है।प्रदेश स्तर पर जिले की रैंकिं ग निचले स्तर पर होने से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है।जनपद की खराब स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिका रियों को अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि वे आम जनता को डिजिटल माध्यम से स्वगणना के लिए प्रेरित करें और अधिक से अधिक लोगों को इस प्रक्रिया के प्रति जागरूक बनाएं। गांव-गांव पहुंच रहा प्रशासनिक अमला जनजागरूकता अभियान के तहत जिले की चारों तहसीलों में प्रशासनिक टीमें सक्रिय हो गई हैं। उप जिलाधिकारी,तहसीलदार,लेखपाल और राजस्व निरीक्षक गांवों में जाकर लोगों को डिजिटल स्वग णना की जानकारी दे रहे हैं।वहीं शहरी क्षेत्रों और नगर पंचायतों में अधिशासी अधिकारियों और स भासदों के माध्यम से वार्ड स्तर पर अभियान चला या जा रहा है,अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि शुक्रवार सुबह दस बजे तक 9176 लोगों ने पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज की है।

उन्होंने कहा कि जो लोग पहले चरण में ऑनला इन स्वगणना नहीं कर पाएंगे, उन्हें 22 मई से शुरू होने वाले दूसरे चरण में शामिल किया जाएगा।ए डीएम ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं पोर्टल पर जाकर सही जानकारी दर्ज करें, ताकि भविष्य की योजनाओं के लिए सटीक आंकड़े उपलब्ध हो सकें।

बैडमिंटन कोर्ट के सौन्दर्यीकरण कार्य का डीएम ने किया लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

इन्दिरा स्टेडियम की व्यवस्थाओं तथा खेल गतिविधियों का लिया जायज़ा

फुटबाल कैम्प के नियमित खिलाड़ियों को वितरित किया किट

बहराइच । इन्दिरा गांधी स्पोर्टस स्टेडियम बहराइच के बहुउद्देशीय हाल में स्थित बैडमिंटन कोर्ट एवं छत के सौन्दर्यीकरण कार्य का जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बहराइच के प्रतिनिधि श्यामकरन टेकड़ीवाल की उपस्थिति में सब जूनियर बालिका खिलाड़ी के हाथों फीता कटवाकर लोकार्पण किया गया। डिस्ट्रिक्ट ओलम्पिक एसोसिएशन बहराइच के आग्रह पर जिलाधिकारी के निर्देश पर विनियमित क्षेत्र अन्तर्गत विकास शुल्क से कार्यदायी संस्था उ.प्र. लघु उद्योग निगम लि. निर्माण खण्ड-4, देवीपाटन मण्डल द्वारा बैडमिंटन कोर्ट के सौन्दर्यीकरण का कार्य किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर इन्दिरा स्टेडियम में मौजूद डिस्ट्रिक्ट ओलम्पिक एसोसिएशन बहराइच के अध्यक्ष मनीष मल्होत्रा, सचिव मनोज गुप्ता, संरक्षक अशोक मातनहेलिया, वरिष्ठ पदाधिकारी बिपिन चन्द्र अग्रवाल, भागवत शुक्ला, बैडमिंटन संघ के सचिव राकेश सिंह, बैडमिंटन खिलाड़ी राना अनिल सिंह, अनुतोष कमल, अमरेंद्र, लोकेश तोलानी ने डीएम का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि कोर्ट का सौन्दर्यीकरण हो जाने से जिले के खिलाड़ियों विशेषकर युवा खिलाड़ियों को अभ्यास करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा इन्दिरा स्टेडियम में खेला इण्डिया के तहत संचालित फुटबाल कैम्प में नियमित आने वाले खिलाड़ियों को किट का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए क्रीड़ाधिकारी आनन्द श्रीवास्तव द्वारा सभी आगन्तुकों का आभार ज्ञापित किया गया। लोकार्पण के पश्चात डीएम श्री त्रिपाठी ने इन्दिरा स्टेडियम का भ्रमण कर संचालित किये जा शिविरों तथा खेल गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए अन्य अवस्थापनाओं को दुरूस्त कराये जाने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर क्रीड़ाधिकारी, उप क्रीड़ाधिकारी अनुपमा धानुक, जीवन रक्षक रोहित सिंह, फुटबाल प्रशिक्षक खेलो इण्डिया सेन्टर विनोद कुमार मौजूद रहे।

देवरिया कला विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन की लूट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लाखों रुपए से बना एएनएम सेंटर खंडहर में तब्दी ल,कुआं हैंडपंप खड़ंजा और दिव्यांग शौचालय में भुगतान पर उठे गंभीर सवाल

गोंडा । विकासखंड रुपईडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरिया कला में विकास कार्यों के नाम पर हुए ला खों रुपये के भुगतान अब गंभीर सवालों के घेरे में आ गए हैं।गांव में एएनएम सेंटर मरम्मत,कुआं मर म्मत,हैंडपंप रिपेयर,खड़ंजा निर्माण व मरम्मत तथा दिव्यांग शौचालय जैसे कार्यों में भारी धनराशि ख र्च दिखाए जाने के बावजूद धरातल पर हालात बद हाल दिखाई दे रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि क ई कार्य केवल कागजों में पूरे दिखाकर सरकारी ध न का आहरण किया गया,जबकि मौके पर कार्य की वास्तविक स्थिति भुगतान के अनुरूप नजर नहीं आती।ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2011-12 में निर्मित एएनएम सेंटर वर्तमान समय में पूरी तरह जर्जर होकर खंडहर में तब्दील हो चुका है। भवन की छत क्षतिग्रस्त बताई जा रही है,खिड़कियां और दरवाजे गायब हैं तथा भवन के अंदर भूसा, कंडा और पशुओं का जमावड़ा दिखाई देता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह भवन अब किसी भी सरकारी उपयोग के योग्य नहीं रह गया है।सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि वर्ष 2021-22 में इसी एएनएम सेंटर के मरम्मत कार्य के नाम पर लगभग दो लाख रुपये से अधिक की धनराशि खर्च दिखाई गई थी।लेकिन वर्तमान स्थिति देखने के बाद ग्रामीण पूछ रहे हैं कि आखिर लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद भवन की हालत जस की त स कैसे बनी हुई है।लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में मरम्मत कार्य कराया गया होता तो भव न इतनी दयनीय स्थिति में नहीं दिखाई देता।इसी प्रकार ग्राम पंचायत के मजरा माठे डीहा में स्वामी नाथ के घर के पीछे तथा उमेश के घर के सामने स्थित कुएं की मरम्मत के नाम पर 46 हजार 170 रुपये के साथ मजदूरी मद में भी भुगतान किए जा ने की बात सामने आई है।ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर कार्य की स्थिति भुगतान के अनुरूप दिखाई नहीं देती। लोगों का कहना है कि कुआं मरम्मत के नाम पर पहले भी कई बार धनराशि निकाली जा चुकी है, लेकिन स्थायी सुधार नजर नहीं आता।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि विगत पांच वर्षों में हैंडपंप रिपेयर और मरम्मत के नाम पर पांच लाख रुपये से अधिक की निकासी की गई, जबकि गांव के कई हैंडपंप आज भी खरा ब पड़े हुए हैं।नाम न छापने की शर्त पर कुछ ग्रामी णों ने बताया कि कई स्थानों पर मरम्मत कार्य के वल अभिलेखों तक सीमित दिखाई देता है और धरातल पर उसका कोई प्रभाव नहीं दिखता।प्रा थमिक विद्यालय परिसर में बने दिव्यांग शौचालय को लेकर भी ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं।आरोप है कि इस कार्य में भी लाखों रुपये खर्च दिखाए गए, लेकिन आज तक शौचालय पूरी तरह उपयोग यो ग्य नहीं बन सका।ग्रामीणों का कहना है कि सर कार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को ग्राम पंचायत स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।ग्राम पं चायत में प्राथमिक विद्यालय के पास खड़ंजा मर म्मत के नाम पर करीब एक लाख रुपये खर्च दि खाए जाने के साथ ही उसी कार्य को दूसरी बार अलग विवरण के साथ प्रदर्शित कर भुगतान किए जाने की चर्चा भी गांव में जोरों पर है।ग्रामीणों के अनुसार रामललन शुक्ला के घर से प्राथमिक वि द्यालय देवरिया कला तक खड़ंजा मरम्मत कार्य दिखाकर भी लाखों रुपये निकाले जाने की बात सामने आ रही है।इससे पंचायत के कार्यों की पा रदर्शिता पर सवाल और गहरे हो गए हैं।वहीं 13 मई 2026 को हुए करीब तीन लाख रुपये से अधि क के मटेरियल भुगतान को लेकर भी ग्रामीणों के बीच चर्चाओं का बाजार गर्म है।लोगों का कहना है कि आखिर यह भुगतान किस कार्य और किस सा मग्री के नाम पर किया गया,इसकी स्पष्ट जानकारी गांव में किसी को नहीं है।लगातार हो रहे भुगतानों ने पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न ख ड़े कर दिए हैं।ग्रामीणों का कहना है कि आखिर यह कैसा विकास मॉडल है,जहां धरातल पर कार्य दिखाई नहीं देता लेकिन भुगतान लगातार होता रहता है।गांव में लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि ॠकाम भी न हो और दाम भी मिल जाएॠ जैसी स्थिति ने पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि ग्राम पंचायत देवरिया कला में विकास कार्यों की आड़ में लंबे समय से सरकारी धन के दुरुपयोग का खेल चल रहा है।ग्रामीणों ने मांग की है कि पिछले कुछ वर्षों में हुए सभी विकास कार्यों और भुगतानों की नि ष्पक्ष तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जाए ता कि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद ने बताया ने बताया कि उन्हें अखबार के माध्यम से अनियमि तताओं की जानकारी प्राप्त हुई है।उन्होंने कहा कि पूरे मामले की बिंदुवार जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा सरकारी धन की रिकव री भी कराई जाएगी।वही अब देखना यह होगा कि सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के बीच प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या कथित अनियमितताओं पर वास्तव में कोई ठोस कार्रवाई हो पाती है

विधवा पेंशन योजना के लिए पात्र महिलाएं से मांगे गये आवेदन

बहराइच । जिला प्रोबेशन अधिकारी मो. खालिद ने बताया कि पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला भरण-पोषण अनुदान (विधवा पेंशन) योजना के अंतर्गत प्रदेश की मूल निवासी ऐसी महिलाएं जिनके पति की मृत्यु हो गई हो, परिवार की वार्षिक आय समस्त स्त्रोतों से रू. 02 लाख से अधिक न हो तथा उन्हे राज्य अथवा केन्द्र सरकार की किसी अन्य योजना से पेंशन न प्राप्त हो रही हो, एकीकृत पेंशन पोर्टल एसएसपीवाई-यूपी डाट जीओवी डाट इन पर आनलाइन आवेदन कर सकती हैं। इच्छुक महिलाएं स्वयं, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा इंटरनेट कैफ़े के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के साथ रंगीन पासपोर्ट आकार का फोटो, आयु प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन से पूर्व बैंक खाते को आधार से लिंक कर एनपीसीआई कराना भी अनिवार्य होगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि योजनान्तर्गत पूर्व आच्छादित लाभार्थी के खाते में यदि धनराशि नहीं पहुंच रही है तो लाभार्थियों के अपने आधार से लिंक बैंक खाते का एनपीसीआई न होना, पेंशन पोर्टल पर केवाईसी न होने, लाभार्थियों का बैंक में केवाईसी न होना तथा लाभार्थियों के सत्यापन में मृतक/पुनर्विवाह करने/आय सीमा में वृद्धि अथवा त्रुटिपूर्ण सत्यापन प्राप्त होने की स्थिति जैसे कारण हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में पंजीकृत समस्त लाभार्थी भुगतान सम्बन्धी किसी प्रकार की समस्या होने पर जिला प्रोबेशन कार्यालय, बहराइच के पटल सहायक के मोबाइल नम्बर 8004720538 पर सम्पर्क कर समस्या का निस्तारण करा सकते हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली वित्त पोषित इकाईयां होंगी पुरस्कृत

बहराइच । जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वित्तपोषित खादी ग्रामोद्योगी इकाईयों को अच्छे एवं उत्कृष्ट उत्पाद तथा बिकी करने वाली इकाईयों के उत्साहवर्धन हेतु विगत 3 वर्षों में स्थापित एवं निरन्तर कार्यरत 4 इकाईयों को पुरस्कृत किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, राशनः कार्ड, पासबुक की छाया प्रति के साथ ऑनलाइन आवेदन करते आवेदन की प्रति संलग्नकों सहित 25 मई 2026 तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में व्यक्तिगत/डाक द्वारा उपलब्ध करा सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु जिला गामोद्योग अधिकारी बहराइच के मो. नं. 9580503159 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

केडीसी रेड ने 61 रनों से जीता फाइनल मुकाबला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

साफ़वान खान रहे टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

बहराइच । किसान डिग्री कॉलेज के मैदान में केडीसी क्रिकेट अकादमी के तत्वाधान में अंडर-16 समर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आज फाइनल मुकाबला केडीसी रेड एवं केडीसी ग्रीन टीम के बीच खेला गया। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में केडीसी प्रबंध समिति के सचिव मेजर डॉ एसपी सिंह मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इफ्तिकार अली व पूर्व प्रधान अंकित शुल्ला मौजूद रहे । मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों के द्वारा विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। टॉस जीत कर केडीसी रेड के कप्तान किशन वर्मा ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 50 ओवरों के इस मुकाबले में केडीसी रेड पहले बल्लेबाजी करते हुए 34 ओवर में 207 रनों पर ऑल आउट हो गए। जिसमे अली खान ने सर्वाधिक 71 एवं नीरज निषाद ने 41 रनों की उपयोगी पारियां खेली। केडीसी ग्रीन की तरफ से गेंदबाजी करते हुए युवराज सिंह ने 3 एवं बाकी अन्य गेंदबाजों ने 1-1 सफलताए अर्जित की। 208 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए केडीसी ग्रीन के बल्लेबाजों ने संयम नहीं दिखाया और पूरी टीम 146 रनों पर ऑल आउट हो गयी। जिसमे सोहेल खान ने 28 कबीर खान ने 26 एवं अभय ने 25 रनों की पारियां खेली लेकिन कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। केडीसी रेड की तरफ से गेंदबाजी करते हुए अफजल शाह एवं अभिजोत त्रिपाठी ने 3-3 व अब्दुल गनी ने 2 सफलताएं अर्जित की। इस तरह केडीसी रेड ने फाइनल मुकाबला 61 रनों से जीत लिया। शानदार प्रदर्शन की बदौलत अफजल शाह को फाइनल मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज उपमन्यु बाजपेई, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अभिजोत त्रिपाठी एवं टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साफवान खान को चुना गया। मैच में अंपायरिंग की भूमिका आशुतोष कैराती एवं सत्यम पाठक ने निभाई। स्कोरर की भूमिका में प्रदीप गुप्ता मौजूद रहे। आंखों देखा हाल तुषार ने सुनाया।मैच के दौरान अटल सिंह,तरुण वाजपेयी, सूरज तिवारी, तुषार सोनी,आयुष चित्रांश, अरुण राजपूत,सुएब अब्बासी,अरुण कुमार सहित लोग उपस्थित रहे ।

ग्राम सचिवालयों पर लटक रहे ताले,जरूरी काम के लिए भटक रहे ग्रामीण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ब्लॉक और तहसील का चक्कर लगाने के बाद भी नहीं बन रहा जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र

गोंडा । जिस जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए सरकार ने कड़े निर्देश दिए हैं कि वह चौबीस से तीस दिनों में जारी हो जाए इस जन्म प्रमाण पत्र के लिए जनता को अधिकारियों के कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं,ऐसे में सरकार की योजना ओं और आदेश पर भी सवाल खड़ा होता है कि जब इतनी लापरवाही है योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार स्तंभ माने जाने वाले जन्म और मृ त्यु प्रमाण पत्र अब आम जनता के लिए समस्या बन गए हैं। पंचायत सचिवालय पर लटका रहा ताला ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सचिवालयों में लटके ताले और अधिकारियों की लापरवाही ने उ न्हें ब्लॉक और तहसील के चक्कर काटने पर मज बूर कर दिया है ग्रामीणों ने कहा कि पंचायत सचि वालय में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र समय पर जा री नहीं होता है वहां पर इसकी सुविधा नहीं मिल पाती इसके लिए उन्हें मजबूरन ब्लॉक और तहसी ल के चक्कर लगाने पड़ते हैं कई बार तो दौड़ने के बाद भी उन्हें समय पर ना तो जन्म प्रमाण पत्र मि ल पाता है ना मृत्यु प्रमाण पत्र जिसके कारण उन्हें योजनाओं से वंचित रहना पड़ता है और मायूस हो ना पड़ता है। वही करनैलगंज ब्लॉक क्षेत्र के एक गांव निवासी ने एक व्यक्ति ने नाम न छापने की श र्त पर कैनविज टाइम्स सें बातचीत में बताया कि सचिवालय अक्सर बंद रहते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर काम ठप है इसके साथ ही पंचायत सचि व न तो कार्यालय में मिलते हैं और न ही फोन पर कोई संतोषजनक जवाब देते हैंद्ब जिसके कारण काफी समस्या जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने पर हो रही है. इस व्यवस्था पर थोड़े ठोस कदम उ ठाकर लोगों को इस समस्या से निजात दिलानी चाहिए। तीस दिनो के भीतर प्रमाणपत्र हो जाता है तैयार वहीं एक करनैलगंज ब्लॉक क्षेत्र के स्थानीय निवा सी ने कहा की एक प्रमाण पत्र के लिए 6-6 महीने तक दफ्तरों की खाक छाननी पड़ती है,जिससे पेंश न और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है, उन्होंने कहा कि जब सर कार की योजना है आदेश है तो व्यवस्था भी समय पर मिलनी चाहिए डीपीआरओ की सख्ती,बर्दाश्त नहीं होगी लापर वाही वही स्थानीय लोगों की समस्या के सवाल पर जब कैनविज टाइम्स की टीम ने डीपीआरओ लालजी दुबे से बात की तो उन्होंने कहा कि नियम के अनु सार जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रका पंजी करण 21 से 30 दिनों के भीतर ग्राम पंचायत स्तर पर अनिवार्य है यदि आवेदन इस समय सीमा में किया गया है, तो उसे तत्काल जारी किया जाना चाहिए मुख्य विकास अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन भी ग्राम पंचायतों में आवेदन लंबे समय से लंबित हैं,उनकी सघन जांच की जाएगी। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि दोषी पंचायत सचिवों के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और जनता के कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी।

पीलीभीत की बेटी असरा ने बढ़ाया जिले का मान, एएमयू प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया 18 वीं रैंक हासिल की, मिल रही है शुभकामनाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद की होनहार बेटी असरा इमरान ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की कक्षा 11 कला वर्ग की प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया स्तर पर 18वीं रैंक प्राप्त कर अपने परिवार और पूरे जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोग असरा की मेहनत की सराहना कर रहे हैं।असरा इमरान ग्राम परेवा वैश्य जनपद पीलीभीत की निवासी हैं। वह स्वर्गीय प्रधान सद्दीक खां के पुत्र इमरान खां की पुत्री हैं। शुरू से ही पढ़ाई में तेज असरा ने हाई स्कूल की परीक्षा बैनहर कॉलेज से 92 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। उनकी यह निरंतरता और लगन एएमयू की प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा में भी नजर आई, जहां देशभर के हजारों छात्रों के बीच उन्होंने 18 वीं रैंक हासिल की।उपलब्धि की खबर मिलते ही असरा के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। आसपास के गांवों के लोग उनके घर पहुंचकर परिवार को बधाई दे रहे हैं और असरा के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह सफलता न केवल असरा बल्कि पूरे जिले की बेटियों के लिए प्रेरणा है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मिलें, तो पीलीभीत की बेटियां भविष्य में आईएएस और आईपीएस बनकर देश व जिले का नाम रोशन कर सकती हैं। लोगों ने असरा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह आगे चलकर बड़ी अधिकारी बनें और समाज के लिए प्रेरणा बनें।इस अवसर पर पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां, समाजसेवी जैगम रजा खां, मनोज राठौर, फरहत खां, सुधीर मिश्रा, सिकंदर खां, रिजवान सहित कई गणमान्य लोग और प्रधान उपस्थित रहे। सभी ने असरा की मेहनत और अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी सफलता ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेटियों के लिए मिसाल बनेगी। ग्रामीणों का का मानना है कि असरा की उपलब्धि से जिले में बेटियों की शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच को बल मिलेगा और अधिक अभिभावक अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे।

पूरनपुर पुलिस ने मिशन शक्ति फ़ेज-5 के तहत महिलाओं और बच्चों को किया गया जागरूक

पूरनपुर। मिशन शक्ति फ़ेज-5 के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों को एकत्रित कर उन्हें सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, साइबर फ्रॉड से बचाव तथा यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा महिलाओं को बताया गया कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए किसी भी अनजान कॉल, लिंक या ओटीपी साझा करने से बचें साथ ही सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया इस अवसर पर सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा नशा मुक्ति भारत अभियान प्रमुख रूप से शामिल रहे पुलिस टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी, जिनमें वूमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, स्वास्थ्य सेवा-102 एवं 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 शामिल हैं थाना पूरनपुर पुलिस ने महिलाओं और बच्चों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति या अपराध की सूचना तत्काल संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर दें, ताकि समय रहते सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

पीलीभीत में सुरक्षा का नया कवच नई पुलिस चौकी का हुआ शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने बड़ा कदम उठाते हुए सदर तहसील के थाना गजरौला क्षेत्र में स्थित आरटीओ कार्यालय परिसर में नई पुलिस चौकी का शुभारंभ किया।चौकी के शुरू होने से अब ग्रामीण इलाकों में पुलिस की मौजूदगी पहले से अधिक प्रभावी होगी। प्रशासन का मानना है कि इससे अपराधियों पर कड़ी नजर रखी जा सकेगी और ग्रामीणों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध होगी। क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल और सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई जा रही है।उद्घाटन कार्यक्रम में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति ने आयोजन को खास बना दिया। थाना प्रभारी ब्रजवीर सिंह ने नई पुलिस चौकी पर विधिवत पूजा-अर्चना और हवन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। हवन में आहुति देकर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा की कामना की गई।स्थानीय लोगों ने नई चौकी को सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि पहले ग्रामीणों को छोटी-मोटी घटनाओं के लिए भी थाना जाना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की बर्बादी होती थी। अब चौकी के शुरू होने से तत्काल मदद मिल सकेगी।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नई चौकी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त बढ़ाई जाएगी और अपराध नियंत्रण के साथ-साथ जनसंवाद को भी मजबूत किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य ग्रामीणों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

अमेठी में ज्ञान भारतम मिशन के तहत प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण का अभियान तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत एवं बौद्धिक विकास के महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित ल्ज्ञान भारतम मिशनङ्क के तहत अमेठी जनपद में प्राचीन पांडुलिपियों, ताड़पत्रों एवं दुर्लभ अभिलेखों की पहचान, संरक्षण और डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को गति दी जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जनपद के ग्राम, ब्लॉक एवं नगर निकाय स्तर पर अभियान चलाकर उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों, ताड़पत्रों एवं दुर्लभ अभिलेखों की जानकारी एकत्रित की जाय। उन्होंने कहा कि मंदिरों, आश्रमों, गुरुकुलों, पुस्तकालयों, निजी संग्रहों तथा अन्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों पर संरक्षित धरोहरों को चिन्हित कर उनका सूचीकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यह मिशन केवल पुरानी सामग्री को चिन्हित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप में पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए अधिक से अधिक पांडुलिपियों, ताड़पत्रों एवं दुर्लभ अभिलेखों की जानकारी संकलित की जाए। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के मानकों के अनुसार कम से कम पचहत्तर वर्ष पुरानी तथा ऐतिहासिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक अथवा वैज्ञानिक महत्व रखने वाली हस्तलिखित सामग्री को पांडुलिपि की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसी सामग्री भारतीय इतिहास, साहित्य, धर्म और सामाजिक संरचना को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला पर्यटन अधिकारी सहित संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि पांडुलिपियों से जुड़े कार्य को गंभीरता के साथ लिया जाए और सर्वेक्षण अभियान में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मिशन के उद्देश्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। बैठक के माध्यम से जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति, परिवार अथवा संस्था के पास प्राचीन पांडुलिपियां, ताड़पत्र, दुर्लभ ग्रंथ अथवा ऐतिहासिक अभिलेख उपलब्ध हों, तो उनकी जानकारी प्रशासन को दें, ताकि जनपद की सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण एवं डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक सरवणन टी, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शासन के हिटवेव निर्देशों की उड़ रही धज्जियां अव्यवस्थाओं के बीच संचालित हो रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार निर्देश जारी किए जाते हैं, लेकिन कई निजी अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर इन आदेशों का खुला उल्लंघन देखने को मिल रहा है मरीजों की भारी भीड़ के बावजूद न तो बैठने की समुचित व्यवस्था है और न ही पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ऐसे में दूर-दराज से आने वाली गर्भवती महिलाओं को घंटों खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर रोजाना बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, जिनमें अधिकांश गर्भवती महिलाएं होती हैं बावजूद इसके कई सेंटरों में मात्र एक ही टॉयलेट की व्यवस्था है, जिससे महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है स्वच्छता व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है मरीजों और उनके तीमारदारों का आरोप है कि सेंटर संचालकों का ध्यान केवल कमाई पर केंद्रित है, जबकि मरीजों की सुविधाओं और शासन द्वारा निर्धारित मानकों की अनदेखी की जा रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि कई अल्ट्रासाउंड सेंटरों में बैठने के लिए पर्याप्त कुर्सियां तक नहीं हैं गर्मी के मौसम में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था न होने से मरीज परेशान होते दिखाई देते हैं गर्भवती महिलाओं को घंटों भूखे-प्यासे इंतजार करना पड़ता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही स्वास्थ्य विभाग के नियमों के अनुसार अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर साफ-सफाई, प्रतीक्षालय, पेयजल, महिला एवं पुरुषों के लिए शौचालय और मरीजों की सुविधा से जुड़े अन्य इंतजाम अनिवार्य हैं इसके अलावा गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा और सम्मानजनक उपचार के लिए विशेष दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं लेकिन कई सेंटर इन नियमों को नजरअंदाज कर धड़ल्ले से संचालन कर रहे हैं मरीजों ने आरोप लगाया कि सेंटरों पर भीड़ अधिक होने के बावजूद व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया जा रहा कई बार शिकायतों के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं।लोगों का कहना है कि यदि स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर निरीक्षण किया जाए और नियमों का पालन न करने वाले सेंटरों पर कार्रवाई हो, तभी मरीजों को राहत मिल सकेगी अब सवाल यह उठता है कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आखिर इन अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही क्या जिम्मेदार अधिकारी इन अव्यवस्थाओं से अनजान हैं या फिर सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंदे बैठे हैं फिलहाल गर्भवती महिलाओं और मरीजों को अव्यवस्थाओं के बीच मजबूरी में जांच कराने को विवश होना पड़ रहा है।

रात के अंधेरे में चल रहे अवैध खनन के कारोबार पर प्रशासन का बड़ा प्रहार

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी और प्रभावी कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है माधोटांडा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने अचानक छापेमारी कर अवैध मिट्टी और बालू खनन के कारोबार का भंडाफोड़ किया कार्रवाई के दौरान अवैध खनन में लगी 4 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़कर सीज कर दिया गया बताया जा रहा है कि माधोटांडा क्षेत्र में लंबे समय से रात के अंधेरे में अवैध रूप से मिट्टी और बालू का उठाव किया जा रहा था खनन माफिया प्रशासन की नजरों से बचने के लिए देर रात सक्रिय होते थे और सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचा रहे थे क्षेत्रीय लोगों द्वारा लगातार इसकी शिकायतें भी की जा रही थीं गुरुवार रात खनन अधिकारी सुभाष सिंह को सूचना मिली कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन चल रहा है सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल पुलिस टीम के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए मौके पर दबिश दी प्रशासनिक टीम के अचानक पहुंचने से खनन माफियाओं में अफरा-तफरी मच गई कई लोग अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ लिया जांच के दौरान वाहनों के चालकों से खनन संबंधी वैध दस्तावेज और परमिट मांगे गए, लेकिन कोई भी चालक जरूरी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका इसके बाद खनन विभाग ने चारों वाहनों को सीज करते हुए माधोटांडा पुलिस के सुपुर्द कर दिया अब संबंधित धाराओं में जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है खनन अधिकारी सुभाष सिंह पिछले चार दिनों से जिलेभर में अवैध खनन के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं जनपद के कई क्षेत्रों में लगातार हो रही कार्रवाई से अवैध खनन सिंडिकेट में खलबली मची हुई है प्रशासन की सख्ती के चलते खनन कारोबार से जुड़े लोगों में भय का माहौल देखा जा रहा है खनन अधिकारी सुभाष सिंह ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि, ल्अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पिछले चार दिनों से लगातार अभियान चलाया जा रहा है माधोटांडा में पकड़े गए वाहनों पर नियमानुसार जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा प्रशासन की इस कार्रवाई को अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह लगातार अभियान चलता रहा तो क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय अवैध खनन माफियाओं पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सकेगा।

अमेठी में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मुंशीगंज क्षेत्र के टांडा बांदा राष्टीय राजमार्ग पर स्थित गांव शिवगंज के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल दिया। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरे युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया।थाना मुंशीगंज क्षेत्र के गांव पूरब दुवारा निवासी राजकुमार के यहां आयोजित बरीक्षा कार्यक्रम में शामिल होने करन पुत्र रमई तथा सुल्तानपुर जनपद के घसीटू का पुरवा निवासी अंकित पुत्र हरीलाल और अर्जुन पुत्र नंदलाल आये हुये थे। गुरुवार की देर रात तीनों बाइक से लौट रहे थे। गांव के कट के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि करन और अंकित की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि अर्जुन गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस से सुल्तानपुर जिला अस्पताल भेजा गया जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई।ग्रामीणों के अनुसार हादसा करने वाला ट्रक काफी तेज गति में था और उसके पीछे एक अन्य ट्रक भी चल रहा था। दोनों ट्रकों ने युवकों को रौंद दिया और रायबरेली की ओर फरार हो गये। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है ताकि वाहन की पहचान की जा सके। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि दो शवों को कब्जे में लेकर मुंशीगंज पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिये भेजा जबकि तीसरे युवक का पोस्टमार्टम सुल्तानपुर में कराया जा रहा है।

मेरा युवा भारत अमेठी में अठाइस युवा स्वयंसेवकों की भर्ती

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। युवाओं को राष्ट्र निर्माण और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार के मेरा युवा भारत कार्यक्रम के तहत वर्ष 2026-27 के लिए युवा स्वयंसेवकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जनपद अमेठी में कुल अठाइस युवा स्वयंसेवकों का चयन किया जाएगा। इनमें जिले के प्रत्येक विकास खण्ड से दो दो स्वयंसेवक लिए जाएंगे, जबकि दो स्वयंसेवकों का चयन जिला कार्यालय के लिये किया जायेगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि सत्रह मई निर्धारित की गई है। इस योजना के माध्यम से चयनित युवाओं को सरकारी कार्यक्रमों, सामाजिक अभियानों और युवा गतिबिधियों में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलेगा। साथ ही नेतृत्व क्षमता, संवाद और डिजिटल दक्षता विकसित करने का मौका मिलेगा।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर सपा का हमला, जनता को राहत देने की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह यादव ने पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और नेपाल जैसे देशों ने युद्ध जैसी परिस्थितियों के बावजूद अपनी जनता को राहत देते हुए ईंधन के दाम कम किए हैं, जबकि भारत में लगातार महंगाई बढ़ रही है उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने से परिवहन, खाद्य पदार्थों और खेती की लागत बढ़ रही है, जिसका सीधा असर गरीब, किसान, मजदूर, युवा और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है सपा नेता ने आरोप लगाया कि सरकार टैक्स के जरिए जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि सरकार तुरंत पेट्रोल-डीजल पर टैक्स कम कर आम जनता को राहत दे और महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए पवन सिंह यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, युवा और आम जनता की आवाज बनकर संघर्ष करती रही है और आगे भी जनता के हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी।

अवैध तमंचा और कारतूस के साथ युवक बंदी

अमेठी । थाना भाले सुलतान शहीद स्मारक पुलिस ने आपरेशन चक्रव्यूह अभियान के तहत एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय द्वारा क्षेत्र में अपराध व अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे आपरेशन चक्रव्यूह अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान बलवंत सिंह पुत्र सर्वा सिंह निवासी ग्राम दिछौली थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक जनपद अमेठी उम्र करीब तीस वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

सरस्वती विद्या मंदिर में एनसीसी का भव्य कार्यक्रम, 12 स्कूलों के 270 कैडेट्स मिले ए सर्टिफिकेट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

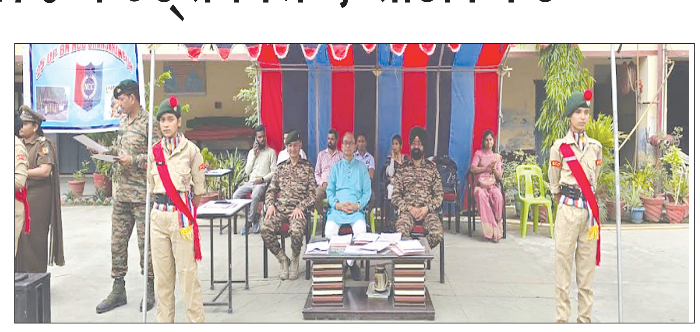

पूरनपुर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पूरनपुर में 25 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इस वर्ष एनसीसी की 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कैडेट्स को प्रमाण पत्र वितरित किए गए कार्यक्रम में पीलीभीत जिले के 12 विद्यालयों के करीब 270 कैडेट्स को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए समारोह को संबोधित करते हुए सूबेदार मेजर सुनील सिंह रावत ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स देश का भविष्य हैं उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है साथ ही विभिन्न सरकारी संस्थाओं और सेवाओं में एनसीसी सर्टिफिकेट धारकों को विशेष सुविधाएं और लाभ भी प्राप्त होते हैं उन्होंने कैडेट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार में विभिन्न पदों पर भर्तियां निकल रही हैं और एनसीसी कैडेट्स के लिए यह सुनहरा अवसर है मेहनत और लगन के साथ तैयारी कर छात्र इन अवसरों का लाभ उठा सकते हैं उन्होंने सभी कैडेट्स को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य संजय कुमार मिश्रा, सेकंड अफसर प्रीति मौर्या, राजीव सिंह, तरुण अग्निहोत्री, श्रीमती विनीता बाला सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं स्टाफ मौजूद रहे इसके अलावा बटालियन की ओर से सूबेदार दलजिंदर सिंह, हवलदार शांतनु, हवलदार सुनील, हवलदार अयाज एवं अन्य स्टाफ ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की कार्यक्रम के अंत में सभी कैडेट्स के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई।

शूटिंग के क्षेत्र में युवाओं के लिये अपार संभावनाएं : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,जनपद में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम में संचालित शूटिंग रेंज को दो नये हथियारों की सौगात मिली है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी संजय चौहान ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों के बेहतर अभ्यास के लिये एक एयर राइफल, एक एयर पिस्टल एवं पांच डिब्बे पैलेट्स (छर्रे) शूटिंग कोच रुचि सिंह को सौंपे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, डिप्टी कलेक्टर नितेश राज सहित अन्य अधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने इसे जनपद में खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। जिलाधिकारी संजय चौहान के प्रयासों से स्टेडियम परिसर में पच्चीस मीटर और दस मीटर की आधुनिक शूटिंग रेंज विकसित की गई है जहां वर्तमान में अठारह बच्चे नियमित रूप से निशानेबाजी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जबकि सत्ताइस बच्चों का पंजीकरण कराया जा चुका है। प्रशिक्षुओं को कोच रुचि सिंह द्वारा शूटिंग की तकनीक, एकाग्रता और अनुशासन संबंधी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नये हथियार उपलब्ध होने से खिलाड़ियों को अभ्यास में अधिक सुविधा मिलेगी और उनकी तैयारी और बेहतर हो सकेगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि शूटिंग खेल में युवाओं के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं एवं खेल प्रतियोगिताओं में शूटिंग कौशल का विशेष महत्व होता है। साथ ही बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों और अभिभावकों से अपील करते हुये कहा कि वे अपने बच्चों को खेल गतिविधियों से जोड़ें और शूटिंग रेंज में प्रवेश दिलाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनपद की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है, ताकि जिले के युवा प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

वन विभाग में तबादला नीति पर सवाल, दशकों से जमे कर्मचारियों पर उठे भ्रष्टाचार के आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति और पारदर्शी प्रशासन के दावों के बीच सुल्तानपुर वन विभाग एक बार फिर सवालों के घेरे में है। विभाग में वर्षों से एक ही जनपद और एक ही रेंज में जमे कर्मचारियों को लेकर अब शासन की स्थानांतरण नीति पर भी गंभीर प्रश्न खड़े होने लगे हैं। आरोप है कि विभाग में तैनात कई कर्मचारी दो से ढाई दशक से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं, लेकिन न शासन स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई हुई और न ही विभागीय अधिकारियों ने इस ओर गंभीरता दिखाई। सूत्रों के मुताबिक वन विभाग में लंबे समय से जमे कर्मचारियों और अवैध लकड़ी कारोबारियों के बीच गहरे संबंध होने की चर्चा आम है। जिले में लगातार फल-फूल रही अवैध आरा मशीनों और हरियाली के हो रहे नुकसान को भी इसी व्यवस्था से जोड़कर देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर स्थानांतरण होते रहते तो शायद वन माफियाओं का इतना मजबूत नेटवर्क खड़ा नहीं हो पाता। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सरकार की स्थानांतरण नीति का पालन वन विभाग में क्यों नहीं हो रहा। जहां प्रदेश सरकार हर विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही की बात करती है, वहीं सुल्तानपुर वन विभाग में कई कर्मचारी वर्षों से अंगद के पांव की तरह जमे हुए हैं। जानकारी के अनुसार डिवीजन कार्यालय में तैनात वन दारोगा सोभनाथ लगभग 28 वर्षों से जिले में कार्यरत हैं। वहीं राकेश चौहान करीब 25 वर्षों से अखंडनगर-कादीपुर क्षेत्र में तैनात बताए जा रहे हैं। कमलेश सिंह लगभग 22 वर्षों से सदर रेंज में जबकि रमेश बहादुर सिंह करीब 20 वर्षों से जयसिंहपुर रेंज में जमे हुए हैं। इसी तरह दीपक सिंह लगभग 17 वर्षों से जिले में सेवाएं दे रहे हैं। केवल वन दारोगा ही नहीं बल्कि रेंजर और डिप्टी रेंजर स्तर के अधिकारी भी लंबे समय से जिले में तैनात हैं। चंद्र प्रकाश करीब 18 वर्षों से जयसिंहपुर रेंज में कार्यरत बताए जाते हैं। वहीं अतुल सिंह लंभुआ रेंज में लगभग 18 वर्षों से और डीके यादव करीब 15 वर्षों से जिले में तैनात हैं। सूत्रों का दावा है कि डीके यादव का बीते वर्ष गैर जनपद तबादला हुआ था लेकिन बाद में उन्हें फिर सुल्तानपुर में ही पोस्टिंग मिल गई। सूत्र यह भी बताते हैं कि विभागीय स्तर से शासन को उन कर्मचारियों की सूची तक नहीं भेजी जाती, जो वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात हैं। चर्चा है कि वर्ष 2023-24 और 2024-25 में भी ऐसी कोई सूची शासन को प्रेषित नहीं की गई। मामले पर जब डीएफओ अमित सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि स्थानांतरण करना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि शासन स्तर से किसी कर्मचारी का तबादला होता है तो विभाग की ओर से उसे कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। अब सवाल यह उठ रहा है कि जिस उत्तर प्रदेश सरकार की पहचान सख्त प्रशासन और भ्रष्टाचार पर कार्रवाई को लेकर होती है, उसी सरकार की नीतियों का सुल्तानपुर वन विभाग में पालन क्यों नहीं हो रहा। क्या लंबे समय से जमे कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी या फिर वन विभाग की यह व्यवस्था यूं ही चलती रहेगी।

सम्पादकीय

नीट रद्द: सपनों पर लगा विराम व्यवस्था पर उठे सवाल!

देश की सबसे बड़ी मैडीकल प्रवेश परीक्षा नीट-यू.जी. 2026 को रद्द किए जाने के निर्णय ने करोड़ों भारतीय परिवारों को झकझोर दिया है। लाखों विद्यार्थियों ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और मानसिक संघर्ष के बाद इस परीक्षा में भाग लिया था। कई अभ्यर्थियों ने दिन-रात की पढ़ाई, सामाजिक जीवन से दूरी और आर्थिक कठिनाइयों के बीच डाक्टर बनने का सपना संजोया था। लेकिन परीक्षा रद्द होने की खबर ने अचानक उन सपनों के आगे अनिश्चितता का धुंधला पर्दा खड़ा कर दिया है। परीक्षा आयोजन संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) ने कथित पेपर लीक और प्रश्नपत्र के कुछ हिस्सों के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परीक्षा निरस्त करने का फैसला लिया। मामला अब जांच एजैंसियों तक पहुंच चुका है और विपक्ष केंद्र सरकार तथा परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठा रहा है। राजनीतिक बयानबाजी अपने स्थान पर है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न उन विद्यार्थियों और अभिभावकों का है जिनकी महीनों नहीं बल्कि वर्षों की तपस्या इस घटनाक्रम से प्रभावित हुई है। भारत में नीट केवल एक परीक्षा नहीं है। यह मध्यम वर्गीय परिवारों के सपनों, संघर्षों और सामाजिक उन्नति की आकांक्षा का प्रतीक बन चुकी है। छोटे कस्बों और गांवों से आने वाले विद्यार्थी सीमित संसाधनों में पढ़ाई कर इस परीक्षा तक पहुंचते हैं। अनेक परिवार अपनी बचत कोचिंग संस्थानों और अध्ययन सामग्री पर खर्च कर देते हैं। ऐसे में परीक्षा रद्द होना केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि लाखों परिवारों के भावनात्मक संतुलन पर भी सीधा आघात है। अभिभावकों की चिंता रू आज सोशल मीडिया और समाचार चौनलों पर विद्यार्थियों की आंखों में आंसू, अभिभावकों की चिंता और भविष्य को लेकर असमंजस साफ दिखाई दे रहा है। कई छात्र मानसिक तनाव में हैं। कुछ ने पहली बार परीक्षा दी थी, तो कुछ अंतिम प्रयास कर रहे थे। परीक्षा दोबारा होने का अर्थ है फिर वही मानसिक दबाव, फिर वही तैयारी और फिर अनिश्चितता का एक लंबा दौर। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की सबसे बड़ी पूंजी उसकी निष्पक्षता होती है। यदि लाखों विद्यार्थियों के बीच कुछ लोगों को अनुचित लाभ मिला हो, तो परीक्षा परिणाम पर भरोसा समाप्त हो जाता है। इसलिए सरकार के सामने दो कठिन विकल्प थे। या तो विवादित परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए जाएं, जिससे ईमानदारी से मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय होता, अथवा परीक्षा रद्द कर पुनरू आयोजित की जाए, जिससे सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सके। स्पष्ट है कि दोनों स्थितियों में सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों का ही होना था। यही कारण है कि इस पूरे प्रकरण को केवल राजनीतिक दृष्टि से देखने की बजाय शिक्षा व्यवस्था के व्यापक संकट के रूप में समझना होगा। पिछले कुछ वर्षों में देश की अनेक प्रतियोगी परीक्षाएं पेपर लीक, तकनीकी गड़बडियों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के आरोपों से घिरी रही हैं। कभी भर्ती परीक्षाएं निरस्त होती हैं, कभी परिणाम विवादों में घिर जाते हैं और कभी परीक्षा केंद्रों की अनियमितताएं सामने आती हैं। इससे युवाओं का भरोसा कमजोर होता जा रहा है। लाखों छात्र यह महसूस करने लगे हैं कि उनकी मेहनत से अधिक ताकत सिस्टम की कमजोरियों और भ्रष्ट नैटवर्क के हाथ में है। यदि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक की गोपनीयता सुरक्षित नहीं रह पाती, तो व्यवस्था की विश्वसनीयता पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठेंगे। विपक्ष सरकार की आलोचना कर रहा है और इसे प्रशासनिक असफलता बता रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष का यह अधिकार भी है और दायित्व भी। लेकिन इस संवेदनशील विषय पर केवल राजनीतिक लाभ-हानि की दृष्टि उचित नहीं होगी। विद्यार्थियों का भविष्य किसी दल की चुनावी रणनीति का माध्यम नहीं बनना चाहिए।

अर्थव्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री की सात सूत्री पहल क्यों जरूरी?

जब से संघर्ष शुरू हुआ है, दुनिया में अफ़रातफ़री मची हुई है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने से स्थिति और भी बिगड़ गई है, जिससे सप्लाई चेन में दिक्कतें आ गई हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि पेट्रोलियम उत्पादों और ज़रूरी चीज़ों की सप्लाई कम हो गई है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। कई देशों में पेट्रोल, डीज़ल और खाद की कमी के कारण हालात खराब हो गए हैं, जिसका असर आम लोगों के साथ-साथ व्यापार और उद्योग पर भी पड़ रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों और ज़रूरी चीज़ों की कीमतें तेज़ी से बढ़ी हैं, जिससे आम लोगों और सरकार, दोनों पर दबाव बढ़ गया है। हालाँकि, भारत सरकार इस संकट को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं बेहतर तरीके से संभाल रही है, फिर भी हमें भविष्य में ऐसी ही किसी तबाही से बचने के लिए विचार करना चाहिए और ज़रूरी कदम उठाने चाहिए। किसी भी देश के लिए विदेशी मुद्रा रिजर्व आवश्यक है। यह देश को विभिन्न तरीकों से लाभान्वित करता है। यह देश की अंतरराष्ट्रीय व्यापार करने की क्षमता को दर्शाता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अमरीकी डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के उपयोग की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, यह हमारे मामले में रुपये, स्थानीय मुद्रा की स्थिरता में योगदान देता है। आरबीआई भारतीय रुपया के मूल्य पर नज़र रखता है और यदि यह गिरता है तो यह मुद्रा स्थिर रखने के लिए कुछ डॉलर बेचता है। अंतरराष्ट्रीय ऋण आमतौर पर अमेरिकी डॉलर या यूरो जैसी मुद्राओं में बने होते हैं और एक ही मुद्रा में चुकाया जाना चाहिए। नतीजतन, विदेशी मुद्रा रिजर्व महत्वपूर्ण है या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां देश को डिफ़ॉल्ट घोषित कर सकती हैं। यदि देश में आर्थिक उथल-पुथल है या दुनिया मंदी में है तो विदेशी मुद्रा रिजर्व एक बफर के रूप में कार्य करता है, जिससे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखा जाता है। निवेशक बड़े विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों में निवेश करने के इच्छुक हैं क्योंकि यह उन्हें विश्वास दिलाता है कि उनका पैसा उसी मुद्रा में वापस कर दिया जाएगा जिसमें उन्होंने निवेश किया था। संक्षेप में, विदेशी मुद्रा रिजर्व आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ कठिन समय के दौरान तरलता के स्रोत के लिए एक नींव के रूप में कार्य करता है। ईंधन की खपत कम करें: जब वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो भारत पर इसका असर तुरंत होता है। आयात बिल बढ़ जाते हैं, रिफाइनरी के मार्जिन कम हो जाते हैं और मुद्रा कमजोर हो जाती है। वित्त वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 137 अरब डॉलर तक पहुँच गया था; यह एक ऐसा आँकड़ा है जो सभी उद्योगों में महँगाई और लॉजिस्टिक्स की लागत को प्रभावित करता है। इस बात का विश्लेषण करें कि विदेशी मुद्रा भंडार पर कितना दबाव पड़ता है। ईंधन बचाने के लिए हमें सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो, ट्रेन, बस, या कार पूलिंग का उपयोग करना चाहिए। आम नागरिकों के लिए, इसका अर्थ है परिवहन के बढ़े हुए किराए और वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतें। रिफाइनरियों के लिए इसका अर्थ है कच्चे तेल के चयन, प्रक्रिया की दक्षता और रखरखाव की विश्वसनीयता पर लगातार ध्यान देना- ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ लागत नियंत्रण में इंजीनियरिंग की सीधी भूमिका होती है। भारत जैसे विशाल राष्ट्र के लिए, ऊर्जा आपूर्ति की दीर्घकालिक रणनीति स्वदेशी संसाधनों पर आधारित होनी चाहिए और इसमें विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के इष्टतम संतुलन का उपयोग आवश्यक है। बड़े पैमाने पर कोयले की खपत से जुड़ी पर्यावरणीय कठिनाइयों के अलावा यह भी रेखांकित करना महत्वपूर्ण है कि कोयले के भंडार सीमित हैं। सौर ऊर्जा और अन्य गैर-पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनका उपयोग यथासंभव अधिकतम सीमा तक किया जाना चाहिए। इसका उद्देश्य तेल पर अत्यधिक निर्भरता से जुड़े जोखिमों को कम करना है, न कि इसका उपयोग पूरी तरह से बंद करना। एक-एक कदम बढ़ाते हुए, भारत स्मार्ट आयात और स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों को मिलाकर एक अधिक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का निर्माण कर रहा है। सोने की खरीदी: भारत दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक सोना खरीदता है। हर साल, देश 700 से 800 टन सोने का उपयोग करता है; इसकी मुख्य वजह घरों, शादियों, त्योहारों, निवेश के उद्देश्यों और ग्रामीण बचत से आने वाली भारी माँग है। हालाँकि, घरेलू उत्पादन प्रतिवर्ष केवल 1 से 2 टन तक सीमित होने के कारण भारत अपनी सोने की 90% से अधिक आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है। वर्ष 2025 में, भारत ने लगभग 72 अरब डॉलर का सोना आयात किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ा। क्या हम एक वर्ष के लिए सोने की खरीद टाल सकते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव दिया है? उर्वरक का इस्तेमाल: वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 15 अरब डॉलर मूल्य के उर्वरकों का आयात किया। इसका असर न सिर्फ़ विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है, बल्कि पर्यावरण और किसानों पर भी पड़ता है; इसलिए हमें भारतीय खेती की ओर लौटना चाहिए, जो आर्थिक रूप से ज़रूरी भी है और पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए फ़ायदेमंद भी। खाने का तेल: 2025 में भारत ने लगभग 19 अरब डॉलर का खाने का तेल आयात किया। प्रधानमंत्री ने इसमें 10% की कटौती का आग्रह किया, जो स्वास्थ्य के लिए भी फ़ायदेमंद होगा। विदेश यात्रा: 2025 में 3.27 करोड़ भारतीयों ने विदेश यात्रा की, जिस पर 15 से 16 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च हुए। इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर और दबाव पड़ा; इसके बजाय हमें अपने ही देश में यात्रा करनी चाहिए, जहाँ सुंदर पर्यटन स्थल, सांस्कृतिक विरासत स्थल और प्राकृतिक आकर्षण मौजूद हैं। 'डेस्टिनेशन वेडिंग' (शादी के लिए किसी खास जगह पर जाना) सिर्फ़ भारत में ही होनी चाहिए। घर से काम: ईंधन की खपत कम करने का एक और तरीका है 'घर से काम' करने की उस प्रथा को फिर से शुरू करना, जिसे हमने कोरोना महामारी के दौरान अपनाया था। वर्चुअल मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधाएँ पहले से ही मौजूद हैं। उम्मीद है कि उद्योग जगत प्रधानमंत्री के इस आग्रह को गंभीरता से लेगा। पिछली सरकारों द्वारा स्थापित नियमों और संस्थानों ने विनिर्माण या सेवा क्षेत्र शुरू करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए कठिन परिस्थितियाँ और मानसिक पीड़ा उत्पन्न की, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था चीन की तुलना में काफी कमजोर रही। टाटा, अंबानी, अदानी, महिंद्रा और कई अन्य जैसे हमारे अग्रदूतों के दृढ़ संकल्प और लगन के कारण हम कठिन परिस्थितियों में भी अपनी क्षमताओं के प्रति भारतीयों में गर्व और विश्वास जगा पाए। स्थिति बदल रही है, और इन उत्पादों के स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है और ''मेक इन इंडिया'' उत्पादों के साथ मजबूत भावनात्मक जुड़ाव के साथ इनका प्रचार किया जा रहा है। भारत निर्मित उत्पादों के खरीदार और विक्रेता के बीच संबंध जितना मजबूत होगा, अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी, जिसके परिणामस्वरूप अधिक रोजगार सृजित होंगे। इससे हम मूल रूप से शुद्ध निर्यातक बन जाएंगे। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भारत आने वाले वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर बड़ी भूमिका निभाएगा, साथ ही सभी के लाभ के लिए आध्यात्मिक और समग्र विकास उन्मुख दृष्टिकोण अपनाएगा और पर्यावरण को संतुलित और पोषित करेगा। वर्तमान सरकार की व्यापार-समर्थक नीतियां, साथ ही कुशल और जानकार कार्यबल, प्रत्येक क्षेत्र को मजबूत करेंगे और अर्थव्यवस्था को चीन से प्रतिस्पर्धा करने के लिए नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने ''वोकल फॉर लोकल'' की घोषणा करते हुए ''आत्मनिर्भर भारत'' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभिन्न उत्पादों के स्वदेशी विनिर्माण में सहायता करके हम अब भारत की आत्मनिर्भरता की सही राह पर अग्रसर हैं। **-डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल**

किसी भी देश के लिए विदेशी मुद्रा रिजर्व आवश्यक है। यह देश को विभिन्न तरीकों से लाभान्वित करता है। यह देश की अंतरराष्ट्रीय व्यापार करने की क्षमता को दर्शाता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अमरीकी डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के उपयोग की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, यह हमारे मामले में रुपये, स्थानीय मुद्रा की स्थिरता में योगदान देता है। आरबीआई भारतीय रुपया के मूल्य पर नज़र रखता है और यदि यह गिरता है तो यह मुद्रा स्थिर रखने के लिए कुछ डॉलर बेचता है। अंतरराष्ट्रीय ऋण आमतौर पर अमेरिकी डॉलर या यूरो जैसी मुद्राओं में बने होते हैं और एक ही मुद्रा में चुकाया जाना चाहिए। नतीजतन, विदेशी मुद्रा रिजर्व महत्वपूर्ण है या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां देश को डिफ़ॉल्ट घोषित कर सकती हैं। यदि देश में आर्थिक उथल-पुथल है या दुनिया मंदी में है तो विदेशी मुद्रा रिजर्व एक बफर के रूप में कार्य करता है, जिससे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखा जाता है। निवेशक बड़े विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों में निवेश करने के इच्छुक हैं क्योंकि यह उन्हें विश्वास दिलाता है कि उनका पैसा उसी मुद्रा में वापस कर दिया जाएगा जिसमें उन्होंने निवेश किया था। संक्षेप में, विदेशी मुद्रा रिजर्व आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ कठिन समय के दौरान तरलता के स्रोत के लिए एक नींव के रूप में कार्य करता है। ईंधन की खपत कम करें: जब वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो भारत पर इसका असर तुरंत होता है।

वट सावित्री : स्त्री की आस्था, संकल्प और अमर शक्ति का पर्व

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं होते, वे जीवन-दर्शन के जीवंत अध्याय होते हैं। ऐसा ही एक महान और आध्यात्मिक महत्व से परिपूर्ण पर्व है वट सावित्री व्रत, जो इस वर्ष 16 मई को श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जाएगा। यह पर्व केवल पति की दीर्घायु के लिए किया जाने वाला व्रत भर नहीं है, बल्कि यह भारतीय नारी के अदम्य साहस, अटूट निष्ठा, त्याग, तपस्या, प्रेम और आध्यात्मिक शक्ति का दिव्य प्रतीक है। वट सावित्री की कथा भारतीय नारी के उस तेजस्वी स्वरूप को उजागर करती है, जो केवल करुणा और ममता की प्रतिमूर्ति ही नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को भी चुनौती देने का सामर्थ्य रखती है। सावित्री ने अपने तप, बुद्धि, दृढ़ निश्चय और अटल प्रेम से यमराज तक को विवश कर दिया था। यह केवल पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि यह संदेश है कि सच्चा प्रेम, सत्य और संकल्प किसी भी विपत्ति को परास्त कर सकते हैं। आज के आधुनिक युग में जब रिश्तों में संवेदनाएँ क्षीण होती जा रही हैं, विश्वास टूट रहे हैं और परिवारों में आत्मीयता का संकट बढ़ रहा है, तब वट सावित्री पर्व हमें संबंधों की पवित्रता, समर्पण और पारिवारिक मूल्यों की याद दिलाता है। यह पर्व बताता है कि नारी केवल घर की शोभा नहीं, बल्कि परिवार रूपी वृक्ष की जड़ है, जिसकी तपस्या और त्याग से जीवन हरा-भरा बना रहता है। वट वृक्ष स्वयं भी इस पर्व का अत्यंत गहरा प्रतीक है। उसकी विशाल जड़ें, विस्तृत शाखाएँ और दीर्घायु प्रकृति हमें यह संदेश देती हैं कि परिवार और समाज की स्थिरता त्याग, धैर्य और संरक्षण से ही संभव है। जिस प्रकार वट वृक्ष अनेक जीवों को आश्रय देता है, उसी प्रकार एक स्त्री अपने परिवार को प्रेम, सुरक्षा और संस्कारों का छायादार आश्रय प्रदान करती है। वास्तव में वट सावित्री पर्व भारतीय नारी के मौन तप का उत्सव है। वह तप जो बिना किसी प्रदर्शन के जीवन भर परिवार, संबंधों और संस्कारों को सींचता रहता है। स्त्री का प्रेम केवल भावना नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक ऊर्जा है, जो टूटते जीवन को जोड़ने और बिखरते परिवार को संभालने की क्षमता रखती है। आवश्यकता इस बात की है कि हम इस पर्व को केवल परंपरा के निर्वहन तक सीमित न रखें, बल्कि इसके मूल भाव को समझें। नारी का सम्मान, उसकी भावनाओं का आदर, उसके त्याग का मूल्य और उसके अस्तित्व की गरिमा ही इस पर्व की सच्ची पूजा है। वट सावित्री हमें यह भी सिखाता है कि स्त्री कमजोर नहीं होती। वह जीवन की सबसे बड़ी साधिका है। उसके भीतर प्रेम भी है, शक्ति भी; करुणा भी है, संघर्ष भी; आँसू भी हैं और संकल्प की अग्नि भी। भारतीय संस्कृति की आत्मा तभी तक जीवित रहेगी, जब तक सावित्री जैसी निष्ठा, सीता जैसी मर्यादा, मीरा जैसी भक्ति और माँ जैसी करुणा इस धरती पर जीवित रहेगी। वट सावित्री पर्व केवल एक व्रत नहीं, बल्कि भारतीय नारी की आध्यात्मिक चेतना, पारिवारिक संस्कृति और अमर प्रेम का ऐसा प्रकाश पर्व है, जो युगों-युगों तक समाज को दिशा देता रहेगा।

नारी केवल जीवन
की सहचरी नहीं,
वह संस्कारों की
जननी और परिवारी
वटवृक्ष की जड़ है।।

वट सावित्री की कथा भारतीय नारी के उस तेजस्वी स्वरूप को उजागर करती है, जो केवल करुणा और ममता की प्रतिमूर्ति ही नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को भी चुनौती देने का सामर्थ्य रखती है। सावित्री ने अपने तप, बुद्धि, दृढ़ निश्चय और अटल प्रेम से यमराज तक को विवश कर दिया था।

सेहत मंत्र

शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है मूंग दाल

जरूरी नहीं कि स्वाद में जो अच्छा हो, वो स्वास्थ्यवर्द्धक भी हो। अक्सर ऐसा ही होता है, जो चीज खाने में बिल्कुल अच्छी नहीं लगती है वो गुणों से भरपूर ही होती है। स्वादिष्ट भोजन करने से पहले हर किसी को शरीर के विकास के लिए विटामिन और खनिज की जरूरत होती है। आयुर्वेद के चिकित्सक डॉ. सत्य प्रकाश मिश्र के मुताबिक दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पौटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है। स्प्राउट खाने से होता है स्वास्थ्य लाभ: अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है। मूंग की दाल के स्प्राउट ऐसे ही कुछ लाभकारी गुण निम्न प्रकार है। मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।

- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

धर्म मंत्र

भगवान शिव का जन्म कैसे और कहां हुआ?

वेद कहते हैं कि जो जन्मा है, वह मरेगा अर्थात जो बना है, वह फना है। वेदों के अनुसार ईश्वर या परमात्मा अजन्मा, अप्रकट, निराकार, निर्गुण और निर्विकार है। अजन्मा का अर्थ जिसने कभी जन्म नहीं लिया और जो आगे भी जन्म नहीं लेगा। प्रकट अर्थात जो किसी भी गर्भ से उत्पन्न न होकर स्वयंभू प्रकट हो गया है और अप्रकट अर्थात जो स्वयंभू प्रकट भी नहीं है। निराकार अर्थात जिसका कोई आकार नहीं है, निर्गुण अर्थात जिसमें किसी भी प्रकार का कोई गुण नहीं है, निर्विकार अर्थात जिसमें किसी भी प्रकार का कोई विकार या दोष भी नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि फिर शिव क्या है? वे किसी न किसी रूप में जन्मे या प्रकट हुए तभी तो उन्होंने विवाह किया। तभी तो उन्होंने कई असुरों को वरदान दिया और कई असुरों का वध भी किया। दरअसल, जब हम 'शिव' कहते हैं तो वह निराकर ईश्वर की बात होती है और जब हम 'सदाशिव' कहते हैं तो ईश्वर महान आत्मा की बात होती है और जब हम शंकर या महेश कहते हैं तो वह सती या पार्वती के पति महादेव की बात होती है। बस, हिन्दूजन यहीं भेद नहीं कर पाते हैं और सभी को एक ही मान लेते हैं। अक्सर भगवान शंकर को शिव भी कहा जाता है। शिवपुराण के अनुसार भगवान सदाशिव और पराशक्ति अम्बिका (पार्वती या सती नहीं) से ही भगवान शंकर की उत्पत्ति मानी गई है। उस अम्बिका को प्रकृति, सर्वेश्वरी, त्रिदेवजननी (ब्रह्मा, विष्णु और महेश की माता), नित्या और मूल कारण भी कहते हैं। सदाशिव द्वारा प्रकट की गई उस शक्ति की 8 भुजाएं हैं। पराशक्ति जगतजननी वह देवी नाना प्रकार की गतियों से संपन्न है और अनेक प्रकार के अस्त्र शक्ति धारण करती है। वह शक्ति की देवी कालरूप सदाशिव की अर्धांगिनी दुर्गा हैं।

पर्यटन

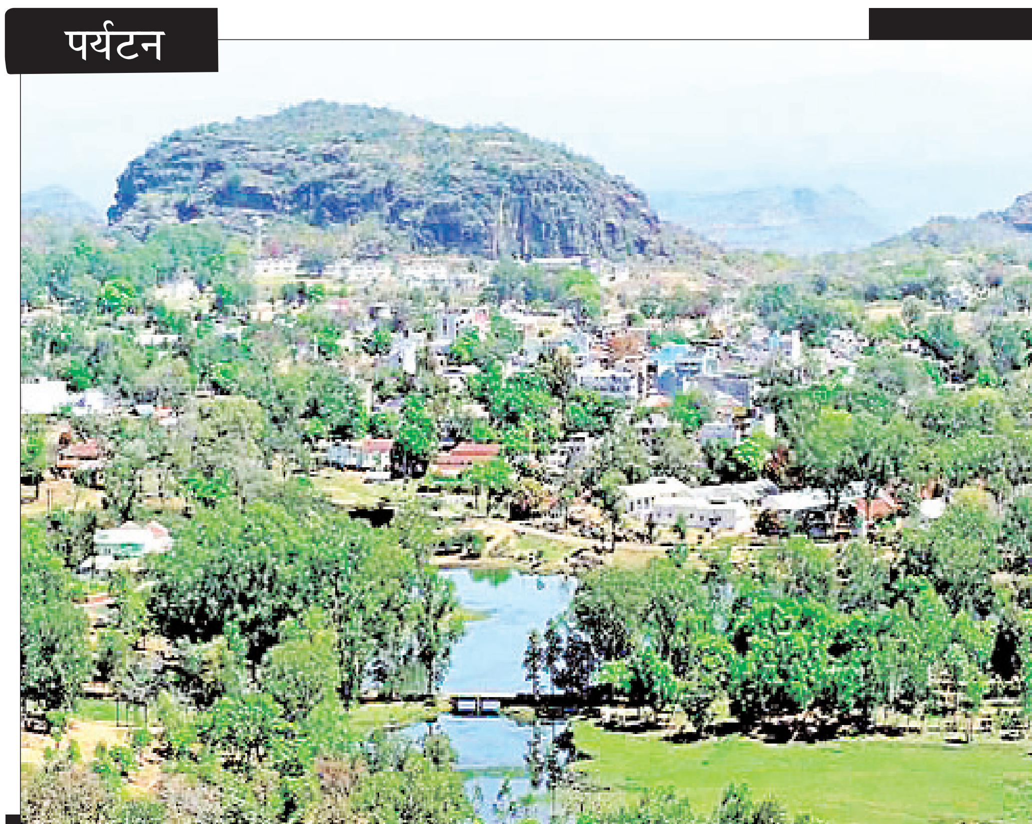

मध्यप्रदेश का खूबसूरत हिलस्टेशन पंचमढी पहाड़ों के अलावा झरने देखने आते हैं टूरिस्ट

अगर आप ऑफ बीट हिल स्टेशन पर जाने जाना चाहते हैं, तो भारत का खूबसूरत हिल स्टेशन पंचमढ़ी आपको किसी जन्नत से कम नहीं लगेगा। यहां के खूबसूरत नजारे देखकर आप रोजाना की भागदौड़ भूलकर तनावमुक्त हो जाएंगे। आइए, आपको सैर कराते हैं पंचमढ़ी की खूबसूरत वादियों की। पहले पंचमढ़ी पर गोंड जनजाति का राज था। ब्रिटिश राज से पहले यह इसी जनजाति की राजधानी थी। 1887 में ब्रिटिश सैनिक कैप्टन जेम्स फोर्स्थ ने इस शहर को केंद्र में रखा था और इसके बाद अंग्रेजों ने भी पंचमढ़ी को मध्यप्रदेश की राजधानी बनाया। धूपगढ़-यह सतपुड़ा रेंज का सबसे ऊंचा प्वाइंट है। इसे सनराइज और सनसेट प्वाइंट के नाम से भी जाना जाता है। चारुगढ़-यह दूसरा सबसे ऊंचा प्वाइंट है। इसका धार्मिक महत्व भी है क्योंकि इसके शिखर पर एक शिव मंदिर स्थित है। पांडव गुफाएं- यहां प्राचीन कालीन पांच गुफाएं हैं। हिंदू कथाओं के अनुसार, महाभारत काल के दौरान यहां पांडवों ने आश्रय लिया था. गुफा के पास ही एक बेहद खूबसूरत गार्डन भी है। अब इन गुफाओं को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर दिया गया है। वाटरफॉल- यहां कई झरने मौजूद हैं। इनमें से 2800 फीट से अधिक ऊंचा सिल्वर फॉल या रजत प्रपात, बी-फॉल (मशहूर पिकनिक स्पॉट), लिटिल फॉल, डचेस फॉल हैं।

महादेव मंदिर- यह एक गुफा मंदिर है, जो खूबसूरत पेंटिंग्स के लिए प्रसिद्ध है। यह गुफा लगभग 30 मीटर लंबी है।

सड़क मार्ग से पंचमढ़ी भोपाल और इंदौर से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। भोपाल के हबीबगंज बस टर्मिनल से बसें चलती हैं जो 5-6 घंटे में पंचमढ़ी पहुंचती हैं। पंचमढ़ी पहुंचने के लिए नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है, जो केवल 50 किलोमीटर की दूरी पर है। अगर आप हवाई मार्ग से पहुंचना चाहते हैं, तो भोपाल और नागपुर यहां से नजदीकी एयरपोर्ट हैं। यहां का तापमान पूरे साल 25 डिग्री से कम रहता है इसलिए आप कभी भी यहां घूम सकते हैं।

आबकारी विभाग का बड़ा अभियान 1- 50 लीटर कच्ची शराब बरामद, 1850 किलो लहन नष्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। आबकारी आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत शुक्रवार को सुल्तानपुर में आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसा। अभियान के दौरान 50 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई, जबकि लगभग 1850 किलोग्राम लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

यह कार्रवाई जिलाधिकारी सुल्तानपुर एवं उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर और क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में की गई। अभियान का संचालन आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 रण विजय सिंह द्वारा टीम के साथ किया गया।

संयुक्त टीम में साकेत राय प्रधान आबकारी सिपाही, अंकित शर्मा, इरफान, ओमवीर सहित प्रवर्तन-2 अयोध्या प्रभार एवं कोतवाली नगर पुलिस की टीम शामिल रही। टीम ने ग्राम बल्लीपुर एवं चुनहा थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में दबिश देकर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान कुल तीन अभियोग पंजीकृत किए गए। टीम ने अवैध शराब बनाने में प्रयुक्त भारी मात्रा में लहन बरामद कर उसे मौके पर ही नष्ट कराया। इसके अलावा क्षेत्र में संचालित आबकारी दुकानों का भी सघन निरीक्षण किया गया। दुकानों पर उपलब्ध स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया तथा गुप्त रूप से टेस्ट परचेज कर बिक्री व्यवस्था की जांच की गई। टीम ने कबाड़ी की दुकानों और ईंट भट्ठों पर भी गहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को अवैध शराब से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए अवैध कारोबार की सूचना प्रशासन को देने की अपील की।

ब्रांड की आड़ में मीठा ज़हर, नकली बताशा फैक्ट्री पर प्रशासन का बड़ा छापा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जय चामुंडा मां स्पेशल बताशा की कॉपी कर बाजार में खपाया जा रहा था घटिया माल, स्टॉक सील।

शहर में नकली खाद्य कारोबार का बड़ा मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। नामी ब्रांड जय चामुंडा मां स्पेशल बताशा की पैकिंग और नाम से मिलता-जुलता नकली ब्रांड बनाकर बाजार में घटिया क्वालिटी का बताशा बेचने की शिकायत पर शुक्रवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। शिकायतकर्ता रावल सिंह की सूचना पर सीओ सिटी सौरभ सामंत, नगर कोतवाल संदीप राय, खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने संदिग्ध फैक्ट्री पर छापेमारी की। छापे के दौरान भारी मात्रा में संदिग्ध बताशा, नकली पैकिंग सामग्री और ब्रांड से मिलती-जुलती छपी हुई बोरियां बरामद हुईं। टीम ने मौके पर मौजूद स्टॉक को सील कर सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। सूत्रों के मुताबिक आरोपी लंबे

समय से मशहूर ब्रांड की साख का फायदा उठाकर सस्ते और घटिया माल को बाजार में उतार रहे थे। कार्रवाई की भनक लगते ही मिलावटखोरों और नकली कारोबारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने साफ कहा है कि यदि जांच रिपोर्ट में मिलावट और ब्रांड कॉपी करने की पुष्टि होती है तो आरोपियों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के साथ कॉपीराइट उल्लंघन और धोखाधड़ी की धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि कोई भी पैक्ड खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी पैकिंग, बैच नंबर, निर्माण तिथि और एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर जरूर जांच लें, ताकि नकली और मिलावटी उत्पादों से बचा जा सके।

मरीजों की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म : डॉ. सुप्रीत वर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर । राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा जिले के लगभग 350 मरीजों, तीमारदारों एवं जरूरतमंदों को गरम ताज़ा निःशुल्क भोजन वितरित किया गया।

संघ के तत्वाधान में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला अस्पताल तथा रेलवे स्टेशन परिसर में प्रत्येक बृहस्पतिवार देर शाम निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष मेराज अहमद खान के संयोजन में जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक के सामने आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा, न्यूरो सर्जन यशांक तथा डॉ.आकाश श्रीवास्तव ने जरूरतमंदों को भोजन की थाली वितरित कर किया। सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा ने कहा कि मरीजों और तीमारदारों को भोजन उपलब्ध कराना अत्यंत सराहनीय एवं मानवीय कार्य है। ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। न्यूरो सर्जन यशांक ने कहा कि अस्पतालों में दूर-दराज से आने वाले जरूरतमंद लोगों की सहायता करना पुण्य का कार्य है। सामाजिक संगठनों की यह पहल समाज को नई प्रेरणा देती है। सर्जन डॉ. आकाश श्रीवास्तव ने कहा कि भोजन वितरण जैसे कार्यक्रम जरूरतमंदों के लिए बड़ी राहत साबित होते हैं। हर सक्षम व्यक्ति को समाज सेवा के लिए आगे आना चाहिए।

संघ के मार्गदर्शक निज़ाम खान ने बताया कि पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन के मेन्यू में अरहर की दाल, मौसमी सब्जी, रोटी एवं चावल शामिल था। इस पुनीत कार्य में प्रदीप श्रीवास्तव, सुहेल सिद्दीकी, सरदार गुरुप्रीत सिंह, हाजी मुहम्मद मुजतबा अंसारी, जियाऊल कमर सिद्दीकी, राशिद खान, सद्दाम खान, अमानत खान, युसूफ पठान, बैजनाथ प्रजापति एवं माता प्रसाद जायसवाल सुल्तान महमूद खान कैफ़ी सहित अनेक समाजसेवियों का सहयोग रहा।

अपने गृह क्षेत्र में वन रक्षक की तैनाती पर डीएफओ कार्यालय कटघरे में

सुलतानपुर। वन विभाग के तैनाती नियमों की खुली अवहेलना सामने आई है। आरोप है कि डीएफओ कार्यालय की शह पर बल्दीराय क्षेत्र की रहने वाली वन रक्षक रेखा सिंह को अपने ही ब्लॉक में तैनात कर दिया गया। जिससे विभाग के नियमों की धज्जियां खुले उड़ रही है रेखा सिंह को अपने ही गांव के बीट का प्रभार किसने दिया विभाग के कार्यालय पर मिलीभगत के आरोप भी लगे हैं। वन विभाग की स्पष्ट नीति है कि जो कर्मचारी जिस ब्लॉक का निवासी है,उसकी तैनाती उसी ब्लॉक में नहीं की जा सकती। इसके बावजूद वन रक्षक रेखा सिंह को अपने ही गांव के बीट का प्रभार सौंपा गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह आदेश डीएफओ कार्यालय स्तर से जारी हुआ या उच्च अधिकारियों को गुमराह कर यह तैनाती कराई गई? स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना विभागीय मिलीभगत के यह संभव नहीं है।डीएफओ कार्यालय की शह पर वन विभाग के नियम और अपने ही ब्लॉक में वन रक्षक रेखा सिंह डेरा जमा क्षेत्र अवैध हरे वृक्ष की कटान करवाती है इनके ऊपर क्षेत्र में आरा मशीनो व ठेकेदारो से अवैध वसूली के भी आरोप है। क्षेत्र के ग्रामीणो ने जिलाधिकारी से तत्काल वन रक्षक रेखा सिंह को उनके गृह क्षेत्र से हटाने की मांग की है

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू का अल्टीमेटम, समाधान न होने पर तहसील में होगा धरना प्रदर्शन

पूरनपुर। भारतीय किसान यूनियन ने किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर उप जिलाधिकारी पूरनपुर को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र समाधान की मांग की है। मंडल उपाध्यक्ष रंगीले खाँ के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में किसानों से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं को उठाया गया ज्ञापन में कहा गया कि पूरनपुर क्षेत्र की सहकारी समितियों पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं खाद उपलब्ध होने के बावजूद किसानों को खाद नहीं दी जा रही और उन्हें लगातार टरकाया जा रहा है किसानों ने मांग की कि सभी समितियों पर खाद का वितरण पारदर्शी तरीके से कराया जाए इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती पर भी नाराजगी जताई गई किसान यूनियन ने शासनादेश के अनुसार ग्रामीण इलाकों में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग उठाई भाकियू ने तहसील क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर जप्ती एवं रमपुरा ता. महाराजपुर बण्डा रोड पर आवारा पशुओं के झुंड से हो रहे सड़क हादसों का मुद्दा भी उठाया ज्ञापन में कहा गया कि आवारा पशुओं के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और कई लोगों की जान तक जा चुकी है प्रशासन से इन पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में भिजवाने की मांग की गई वहीं सरकारी गेहूं खरीद केंद्रों पर वारदाना न होने का बहाना बनाकर किसानों को वापस लौटाने का आरोप लगाते हुए सभी क्रय केंद्रों पर पर्याप्त वारदाना उपलब्ध कराने की मांग की गई, ताकि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके भारतीय किसान यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं कराया गया तो संगठन को मजबूर होकर तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन करना पड़ेगा।इस मौके पर प्रदेश सचिव स्वराज सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे हैं।

डीएम व एसपी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का किया निरीक्षण, छात्राओं से जाना हाल

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्र ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, ललौरीखेड़ा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया इस दौरान दोनों अधिकारियों ने विद्यालय में रह रही छात्राओं से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, शिक्षा व्यवस्था, भोजन, साफ-सफाई, सुरक्षा एवं आवासीय व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने छात्राओं से खुलकर बातचीत की और उनकी समस्याओं व आवश्यकताओं को भी सुना छात्राओं से पढ़ाई, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा विद्यालय के वातावरण को लेकर जानकारी ली गई डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि छात्राओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं बेहतर तरीके से संचालित की जाएं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्र ने छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है और विद्यालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाए रखी जाए निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, रसोईघर, छात्रावास एवं अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए छात्राओं को बेहतर शैक्षिक एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया है।

केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे : धीरेन्द्र वाल्मीकि

अमेठी । भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर बैठे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह बात प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) केंद्रीय सलाहकार समिति के सदस्य धीरेन्द्र वाल्मीकि ने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कही। बैठक में जनपद में संचालित केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान धीरेन्द्र वाल्मीकि ने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों को मिल रहे लाभ तथा लंबित कार्यों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करें, ताकि गरीब, दलित, पिछड़े एवं वंचित वर्ग के लोगों को समयबद्ध तरीके से लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ गांव और शहर के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसके लिए अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, विद्युत सौभाग्य योजना, समाज कल्याण विभाग, नगरीय निकाय एवं जल निगम द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति का परीक्षण किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधूरे कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए तथा योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। धीरेन्द्र वाल्मीकि ने कहा कि स्वच्छता, बिजली, पेयजल, आवास एवं सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग गंभीरता से कार्य करें और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने में तेजी लाएं। बैठक में जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, डीसी मनरेगा/जिला समाज कल्याण अधिकारी शेर बहादुर, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सपा के प्रदेश सचिव की मदद से सुल्तानपुर पहुंचा विदेश में फंसा युवक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। रोजी-रोटी के सिलसिले में विदेश गया युवक लगभग 10 महीने से विदेश में फंसा रहा, लेकिन आजाद सेवा समिति राज्यसभा सांसद संजय सिंह के सराहनीय कार्य से युवक आज सुल्तानपुर पहुंच गया,आजाद सेवा समिति के उपाध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग विजय यादव ने बताया की 2 मई को बस अड्डे पर परिजनों से मुलकात हूई, और विदेश गए युवक के पिता शिवकुमार निषाद जमखुरी थाना लम्भुआ ने रोकर पूरी आप बीती बताएं, उसके बाद विजय यादव राज्यसभा सांसद संजय सिंह से पूरी बात को सांसद के सामने रखा, उसके बाद विदेश में अपने लोगों से बात कर के आज बिदेश गए युवक संतोष निषाद को सुल्तानपुर सकुशल सुल्तानपुर बुला लिया, सुल्तानपुर पहुंचने ही परिजनों की खुशी दोगुनी हो गई.।

सपा में अब दगे हुए कारतूसङ्क इकट्ठा हो गए हैं : ओम प्रकाश राजभर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में ओम प्रकाश राजभर गुरुवार को सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के भकुरा गांव में बीते दिनों बिजली का पोल गिरने से हुई शनि राजभर की मौत के बाद उनके परिवार में पहुंचे, जहां उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने देश की राजनीति, विपक्ष और कानून व्यवस्था को लेकर कई तीखी टिप्पणियां कीं। शनि अपने ननिहाल में रहकर एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई हालिया टिप्पणी को लेकर राजभर ने कहा कि ल्लदेश के प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी करना पूरे देश का अपमान है। 140 करोड़ जनता ने उन्हें चुना है, इसलिए उनका सम्मान करना हर नागरिक और जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है।ङ्क उन्होंने कहा कि संविधान की शपथ लेने वाले नेताओं को उसकी मर्यादा में रहकर ही बयान देना चाहिए।राजभर ने कहा कि आज विपक्ष केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रहा है, जबकि सरकार विकास कार्यों में जुटी है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज कायम हुआ है। ल्लपहले दंगे और कर्फ्यू आम बात थे, लेकिन पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में शांति और विकास दोनों देखने को मिला है,ङ्क।

2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजभर ने कहा कि डूबती हुई नाव पर कोई बैठना नहीं चाहता।ङ्क उन्होंने समाजवादी पार्टी और उसके नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा में अब ल्लदगे हुए कारतूसङ्क इकट्ठा हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी 62 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।उन्होंने यह भी कहा कि एक्सप्रेस-वे और बेहतर कनेक्टिविटी से लोगों का जीवन आसान हुआ है। ल्लअब लोग जौनपुर में चाय पीकर लखनऊ में नौकरी करने पहुंच जाते हैं,ङ्क।राजभर ने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब विकास और अमन-चैन चाहती है, और आने वाले चुनावों में इसका असर साफ दिखाई देगा।

आचार संहिता के उल्लंघन में कुमार विश्वास सहित कई नेताओं की मुश्किलें बरकरार, 5 जून को होगी सुनवाई

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुल्तानपुर में आम आदमी पार्टी (आआपा) के पूर्व नेता एवं कवि कुमार विश्वास, दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन और विधायक सोमनाथ भारती से जुड़े एक मामले में सुलतानपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई टल गई। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 5 जून की तारीख तय की है। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2014 के दौरान अमेठी थाने में इन नेताओं के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया है। शुरुआत में यह पत्रावली मुसाफिरखाना न्यायालय में लंबित थी। हाल ही में इसे सुलतानपुर स्थित विशेष कोर्ट एमपीएम एलए में स्थानांतरित किया गया है। अधिवक्ता मदन सिंह ने शुक्रवार को बताया कि कोर्ट ने तीनों नेताओं को समन जारी कर तलब किया था। हालांकि, शुक्रवार की सुनवाई के दौरान उनकी ओर से कोई भी अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुआ। कोर्ट को अभी तक यह रिपोर्ट भी नहीं मिली है कि आरोपितों को समन तामील हो चुका है। आज तकनीकी और प्रक्रियात्मक कारणों से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी, जिसके बाद इस मामले में अगली तारीख 5 जून तय की है। उल्लेखनीय है कि साल 2014 के लोकसभा चुनाव में आआपा ने अमेठी संसदीय क्षेत्र से राहुल गांधी के खिलाफ कुमार विश्वास को उम्मीदवार बनाया था। चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और बिना अनुमति के जनसभा व प्रदर्शन करने के आरोप में पुलिस ने कुमार विश्वास, सत्येंद्र जैन और सोमनाथ भारती समेत कई अन्य नेताओं पर मुकदमा दर्ज किया था।

कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं को लेकर किया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

देवरिया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में शुक्रवार को धरना- प्रदर्शन किया। जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उप जिलाधिकारी सदर सीमा पाण्डेय के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गेहूं क्रय केंद्रों पर किसानों के शोषण, बिचौलियों की सक्रियता, घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी तथा डीजल-पेट्रोल और खाद्य वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है।

केकेआर उम्मीद जीवंत बनाए रखने उतरेगा, गुजरात टाइटंस की निगाह शीर्ष दो में जगह बनाने पर

एजेंसी

कोलकाता। लगभग एक महीने के बाद अपने घरेलू मैदान पर वापसी करने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम अपनी उम्मीद जीवंत रखने के लिए शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शीर्ष दो में जगह बनाने की कवायद में लगी गुजरात टाइटंस का सामना करेगी।

अनुभवी अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर ने पिछले साल की तरह इस वर्ष भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है जिससे उन्हें फिर से कप्तान नियुक्त करने के फैसले पर सवाल उठने लग गए हैं। केकेआर को मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत के लिए सातवें मैच (आधे चरण) तक इंतजार करना पड़ा था। वह इस दौरान एक संतुलित टीम संयोजन तैयार करने में नाकाम रहा। केकेआर ने इसके बाद लगातार चार मैच जीते लेकिन पिछले मैच में विराट कोहली के शानदार शतक के कारण उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा था। केकेआर के अब तीन मैच बचे हैं और अगर वह सभी मैच जीत जाता है तो अधिकतम 15 अंक तक पहुंच पाएगा। इसके बावजूद उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हो पाएगी और इसके लिए उसे अगर मगर के समीकरणों से गुजरना होगा। एक और हार से उसकी आगे बढ़ने की संभावना खत्म हो जाएगी। केकेआर की लगातार चार मैचों में जीत का श्रेय काफी हद तक सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी को जाता है जबकि उपकप्तान रिंकू सिंह ने भी निरंतर योगदान दिया है। चक्रवर्ती बाएं पैर में चोट लगने के कारण आरसीबी के खिलाफ नहीं खेल पाए थे जो टीम को महंगा पड़ा। केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने उनकी वापसी के संकेत दिए हैं जो टीम के लिए अच्छी खबर है। केकेआर की बल्लेबाजी में पूरे सत्र में निरंतरता का अभाव रहा है। उसके बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी रिंकू को निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर सवाल उठाए थे। युवा खिलाड़ी अंगकृष रघुवंशी 139.44 के स्ट्राइक रेट से चार अर्धशतकों सहित 340 रन बनाकर केकेआर के कुछ सफल खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, जबकि रिंकू ने दो अर्धशतकों के साथ 148.95 के स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए हैं। केकेआर के शेष घरेलू मैचों में गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इन दोनों खिलाड़ियों की भूमिका अहम होगी। इसके विपरीत शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस का इस सत्र में अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा है। उसके शीर्ष पर काबिज आरसीबी के समान 16 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

पंजाब के सहायक कोच हैडिन ने स्वीकार किया दबाव से निपटने में नाकाम रही है टीम

एजेंसी

धर्मशाला। पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने स्वीकार किया कि उनकी टीम दबाव से निपटने में नाकाम रही है और इसलिए उसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। अपने पहले छह मैच जीत कर टूर्नामेंट का शानदार आगाज करने वाली पंजाब किंग्स की टीम को गुरुवार को यहां मुंबई इंडियंस से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा जो उसकी लगातार पांचवीं हार है। इससे उसकी प्लेऑफ में जगह बनाने की संभावना को करारा झटका लगा है। उसे अब प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे दोनों में जीतने होंगे। हैडिन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''पिछले कुछ मैचों में हम दबाव से निपटने में नाकाम रहे हैं। जब हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए था तब हम ऐसा नहीं कर पाए। हम अपनी वर्तमान स्थिति से निराश हैं और यह बात किसी से छिपी नहीं है कि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 200 रन बनाए। मुंबई ने तिलक वर्मा के शानदार अर्धशतक की मदद से 19.5 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। हैडिन ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने जो स्कोर बनाया, वह वाकई बहुत अच्छा था। आखिरी तीन ओवरों तक हमें लगा कि मैच हमारे नियंत्रण में था। तिलक ने शानदार बल्लेबाजी की जिससे मुंबई मैच जीतने में सफल रहा। पंजाब की इस सत्र में गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है लेकिन हैडिन ने अपने गेंदबाजों का बचाव किया। उन्होंने कहा, ''इस टूर्नामेंट में अविश्वसनीय बल्लेबाजी देखने को मिली है। पहले 200 रन का स्कोर अच्छा माना जाता था लेकिन अब टीम इस स्कोर को देखकर घबराती नहीं हैं। हमें अब कोई रास्ता निकालना होगा। निश्चित रूप से इस हार से हमारे ड्रेसिंग रूम में निराशा है। हैडिन ने कहा, ''हमने अब तक जो अच्छा प्रदर्शन किया है उससे प्रेरणा लेकर आगे की तैयारी करेंगे और देखेंगे कि हम किन चीजों में सुधार कर सकते हैं। हमें बस मैच जीतने का तरीका ढूंढना होगा। अब हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हमें अपने बाकी बचे दोनों मैच हर हाल में जीतने ही होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बाकी बचे मैचों में बेखौफ रवैया अपनाए पंजाब किंग्सः बाउचर

धर्मशाला। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर का मानना है कि पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने बाकी बचे मैचों में मानसिक रूप से खुद को तैयार करने और बेखौफ रवैया अपनाने से फिर से लय हासिल कर सकता है। पंजाब की टीम गुरुवार को यहां मुंबई इंडियंस से छह विकेट से हार गई थी जो उसकी लगातार पांचवीं पराजय थी। बाउचर ने जियोहॉटस्टार से कहा, पंजाब किंग्स लगातार करीबी हार के कारण इस स्थिति में पहुंचा है। कभी-कभी शीर्ष चार में बने रहने और क्वालीफाई करने की संभावनाओं के बारे में सोचने से अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इस तरह की मानसिकता से दूर रहने से उन्हें मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा, अगर उसकी टीम बाकी बचे मैचों में बेखौफ रवैया अपनाती है और इस सोच के साथ खेलती है कि अब खोने के लिए कुछ नहीं है तो उस पर से दबाव कम होगा। आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है जहां समीकरण तेजी से बदलते हैं और पंजाब किंग्स को मानसिक रूप से खुद को तैयार करना होगा। भारत के पूर्व लेग स्पिनर पीयूष चावला ने कहा कि पंजाब की गेंदबाजी, विशेष रूप से उसके विदेशी तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गया है। चावला ने कहा, पंजाब किंग्स अब बहुत दबाव में हैं क्योंकि टूर्नामेंट में बने रहने के लिए उसे अपने शेष मैच जीतने ही होंगे। विदेशी गेंदबाजों का अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण उसके लिए गेंदबाजी बड़ी चिंता का विषय बन गई है। उसके विदेशी तेज गेंदबाज फॉर्म और निरंतरता हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं।

हार्दिक चोटिल हैं, केकेआर के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं: शार्दुल ठाकुर

धर्मशाला। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को भी खारिज करते हुए साफ किया कि वह चोटिल होने के कारण पिछले तीन मैच में नहीं खेल पाए तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक मुंबई की टीम के साथ धर्मशाला नहीं गए थे जहां उनकी टीम ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे और इसलिए जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की। वह इस सत्र में टीम के तीसरे कप्तान थे। ठाकुर ने पत्रकारों से कहा, ''हार्दिक चोटिल है और इसलिए वह पिछले कुछ मैच में नहीं खेल पाए। हार्दिक पीठ दर्द के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ भी मैच में नहीं खेल पाए थे। ठाकुर ने कहा, ''वह रायपुर (10 मई को आरसीबी के मैच के लिए) गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए। वह अभी मुंबई में अभ्यास कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वह कोलकाता (20 मई को ईडन गार्डन्स) में खेलेंगे। उनके जैसे खिलाड़ियों की कमी हमें हमेशा खलती है। मुंबई इंडियंस की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक का इस दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसलिए फ्रेंचाइजी के साथ उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। ठाकुर ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं चल रही हैं, कुछ सही हैं, कुछ गलत। लेकिन उनके धर्मशाला नहीं आने का फैसला टीम प्रबंधन ने किया था। पंजाब किंग्स के खिलाफ ठाकुर ने 39 रन देकर चार विकेट लिए और मुंबई की जीत में अहम भूमिका निभाई। ठाकुर ने कहा, ''मुझे लगता है कि बुमराह के साथ मेरा तालमेल अच्छा है। हमने काफी बातचीत की है। मुझे अन्य गेंदबाजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से वह अपने विचार साझा करने में कभी संकोच नहीं करते।

रियाल मैड्रिड के कोच ने चौथी पसंद का स्ट्राइकर बना दिया: एमबाप्पे

मैड्रिड। काइलिन एमबाप्पे गुरुवार को रियाल मैड्रिड के ओविएडो के खिलाफ स्पेनिश लीग फुटबॉल मैच में शुरुआती लाइनअप में जगह न मिलने के बाद कहा कि कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने उनसे कहा कि वह टीम के चौथी पसंद के स्ट्राइकर हैं। अर्बेलोआ ने हालांकि एमबाप्पे की बात पर हैरानी जताई और कहा कि उन्होंने कभी इस तरह की बात नहीं की थी और वह नहीं जानते कि फ्रांस के इस फुटबॉलर को ऐसा क्यों लग रहा है। एमबाप्पे बाएं पांव में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से परेशान थे लेकिन उन्होंने कहा कि वह ओविएडो के खिलाफ शुरू से खेलने के लिए तैयार थे, लेकिन अर्बेलोआ ने उन्हें मौका नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''मैं पूरी तरह से फिट हूं लेकिन मैं इसलिए नहीं खेला क्योंकि कोच ने मुझसे कहा कि मैं टीम में (फ्रेंको) मास्टांटुओनो, विनी (विनीसियस जूनियर) और गोंज़ालो (गार्सिया) के बाद चौथी पसंद का स्ट्राइकर हूं। मैं इसे स्वीकार करता हूं। एमबाप्पे ने कहा, ''मैं शुरुआती लाइनअप में खेलने के लिए तैयार था, यह उनका फैसला था। आप कोच से नाराज़ नहीं हो सकते, आपको हमेशा कोच की राय का सम्मान करना चाहिए। मैं कड़ी मेहनत करता रहूंगा और शुरुआती लाइनअप में जगह बनाने का इंतज़ार करूंगा। अर्बेलोआ ने बाद में कहा कि उन्होंने एमबाप्पे से कभी नहीं कहा कि वह टीम में चौथी पसंद के स्ट्राइकर हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे पास चार स्ट्राइकर नहीं हैं और मैंने एमबाप्पे को ऐसा कुछ नहीं कहा। मुझे लगता है कि वह मेरी बात को सही तरह से नहीं समझ पाए। मैं उन्हें कभी यह नहीं कह सकता कि वह चौथी पसंद के स्ट्राइकर हैं।

सरदार सिंह और रानी ने हॉकी इंडिया की दूरदृष्टि की सराहना की, युवा खिलाड़ियों को बताया भारत का भविष्य

भोपाल। भारतीय हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी सरदार सिंह और रानी ने जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों के विकास और युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिलाने के लिए हॉकी इंडिया की पहल की जमकर सराहना की। दोनों पूर्व कप्तान इस समय भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमों के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला टीमें आगामी अंडर-18 एशिया कप 2026 की तैयारियों के तहत भोपाल स्थित साई सेंटर में ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीमों के खिलाफ चार मैचों की शृंखला खेल रही हैं। यह एशिया कप इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में आयोजित होगा। शृंखला शुरू होने से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरदार सिंह और रानी ने कहा कि हॉकी इंडिया की यह पहल भारतीय हॉकी के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा, ल्हॉकी इंडिया की यह पहल बेहद सराहनीय है क्योंकि कम उम्र में खिलाड़ियों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। यही खिलाड़ी भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा, ल्हॉकी इंडिया हर स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के लिए शानदार काम कर रही है। हर साल सब-जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित की जा रही हैं। खिलाड़ियों को विभिन्न राज्यों में किट भी वितरित की जा रही हैं। अगर इसी तरह बुनियादी ढांचे, कोचिंग और सपोर्ट सिस्टम को बेहतर किया जाता रहा तो भारतीय हॉकी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी।

थाईलैंड ओपन 2026: सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे, पीवी सिंधु बाहर

एजेंसी

बैंकॉक। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने जापान की छठी वरीयता प्राप्त ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-13 से हराया। यह वर्ष 2026 में किसी भी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर प्रतियोगिता में भारतीय जोड़ी का पहला सेमीफाइनल है। मुकाबला 41 मिनट तक चला। दोनों जोड़ियों के बीच यह पहला मुकाबला था, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले गेम में सात्विक-चिराग ने लगातार 10 अंक लेकर 10-0 की बढ़त बना ली थी। जापानी जोड़ी ने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। दूसरे गेम में जापानी जोड़ी ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन सात्विक और चिराग ने अपनी बढ़त कायम रखते हुए आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना मलेशिया की गोह स्जे फ़ेई और नूर इज्जुद्दीन की तीसरी वरीय जोड़ी या स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमले से होगा। वहीं महिला एकल में पीवी सिंधु का सफर क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। जापान की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची ने सिंधु को 19-21, 21-18, 21-15 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। स्कोर 19-19 की बराबरी पर था, लेकिन सिंधु ने लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने मिड-गेम ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना रखी थी, लेकिन इसके बाद लगातार गलतियों के कारण यामागुची ने लगातार सात अंक हासिल कर मुकाबले में वापसी कर ली। निर्णायक गेम में जापानी खिलाड़ी ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और 61 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब भारतीय प्रशंसकों की नजरें लक्ष्य सेन पर होंगी, जो क्वार्टरफाइनल में मौजूदा चैंपियन और मेजबान खिलाड़ी कुनलावुत वितिदसर्न से भिड़ेंगे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आईपीएल की दर्शक संख्या बढ़ी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसके दर्शकों की संख्या में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि टीवी पर दर्शकों की संख्या 500 मिलियन के आंकड़े को छूने के करीब है। इस टूर्नामेंट के आधकारिक प्रसारणकर्ता जियोस्टार के अनुसार आईपीएल की कुल डिजिटल पहुंच में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा लीनियर टीवी पर प्रसारित 51 मैचों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित 57 मैचों का है। कंपनी ने दावा किया, ''सीटीवी (कनेक्टेड टीवी यानि इंटरनेट से जुड़े उपकरण) की पहुंच में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 'वाच टाइम' (देखने का समय) 20 प्रतिशत बढ़ गया है। क्षेत्रीय भाषाओं में 'वाच टाइम' में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। प्रसारक ने दावा किया कि पिछले सत्र की तुलना में 125 नए विज्ञापनदाताओं के जुड़ने से यह वृद्धि हुई है।

आयकर विभाग ने जारी किए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटी फॉर्म

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-2026 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के एक्सेल यूटिलिटीज फॉर्म जारी कर दिए हैं। इनकम टैक्स देने वाले करदाता अब अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। टैक्सपेयर्स अब आयकर विभाग की आधिकारिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न डाउनलोड और फाइल कर सकते हैं। विभाग के मुताबिक वेतनभोगी और छोटे व्यवसायी 31 जुलाई तक अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। हालांकि, बजट 2026-27 में हुए नए बदलावों के अनुसार छोटे व्यवसायी और फ्रीलांसर (जिनके खातों का ऑडिट नहीं होता) अपना आईटीआर 31 अगस्त तक फाइल कर सकते हैं।आयकर के जानकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अमित रंजन ने बताया कि आयकर विभाग ने इन फॉर्मों में कुछ बदलाव किए हैं। अब उसकी यूटिलिटी को अपलोड कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब ये फॉर्म लाइव हो गए हैं। अब करदाता अपना आईटीआर फाइल कर सकते हैं।

क्या होता है आईटीआरः आयकर रिटर्न (आईटीआर) एक फॉर्म के माध्यम से करदाता अपनी आय, कटौतियों और कर देयता को आयकर विभाग के सामने उजागर करते हैं। इसे प्रत्येक वित्त वर्ष की 31 जुलाई तक दाखिल करना अनिवार्य है। वर्तमान में 7 अलग-अलग आईटीआर फॉर्म्स हैं (आईटीआर-1 से आईटीआर-7) फॉर्म करदाता की श्रेणी, आय की प्रकृति और इनकम के स्तर के आधार पर भिन्न-भिन्न होता है। इस समय आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटीज लाइव हुए हैं। आईटीआर-1 फॉर्म को सरल या सहज भी कहते हैं। यह फॉर्म वेतनभोगियों के लिए होता है। आईटीआर-4 फॉर्म छोटे कारोबारी या प्रोफ़ेशनल के लिए होता है। अब यह ई-फाइलिंग पोर्टल पर टैक्सपेयर्स के लिए उपलब्ध है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि ऊर्ज़ा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए संतुलित कदम: खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को ऊर्ज़ा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की दिशा में संतुलित कदम बताया है। यद्यपि इस निर्णय से उपभोक्ताओं पर कुछ अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा, लेकिन इसे मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। खंडेलवाल ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के बाजार में भारी अस्थिरता उत्पन्न हुई है, जिससे इसकी कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी चुनौतियां सामने आई हैं। भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव घरेलू ईंधन व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि एक संतुलित, व्यावहारिक और जिम्मेदार निर्णय प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखना तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। यदि लंबे समय तक ईंधन कीमतों को कृत्रिम रूप से नियंत्रित रखा जाए, तो इससे सरकारी वित्तीय व्यवस्था और तेल विपणन कंपनियों पर अत्यधिक दबाव पड़ सकता है, जिसका व्यापक प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है।

प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ खत्म हुआ किम्बर्ली प्रक्रिया अंतरसत्रीय सम्मेलन

मुंबई। भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय सम्मेलन का प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ समापन हो गया। इस अंतरसत्रीय सम्मेलन में प्राकृतिक हीरा व्यापार में पारदर्शिता, शासन और परिचालन सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय बैठक में प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य से जुड़े विषयों पर केपी प्रतिभागियों, पर्यवेक्षकों, उद्योग हितधारकों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने चार दिनों तक एक मंच पर विचार-विमर्श किया। भारत की अध्यक्षता के मुख्य विषय, विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास (3सी) के तहत आयोजित इस चार-दिवसीय बैठक का मुख्य ज़ोर वैश्विक प्राकृतिक हीरा व्यापार के भीतर पारदर्शिता, सुशासन और परिचालन तंत्र को मज़बूत करने पर था। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अंतरसत्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर कहा कि भारत, हीरा तराशने और पॉलिश करने के मामले में विश्व के अग्रणी केंद्र के साथ-साथ प्राकृतिक हीरों को विश्वास, जिम्मेदारी और साझा समृद्धि का प्रतीक बनाए रखने में केपी की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में, देश विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास (3सी) को बढ़ावा देने और तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक बाजार में केपी की प्रासंगिकता को मजबूत करने के लिए सभी प्रतिभागियों और हितधारकों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना चांदी के भाव में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, सर्राफा बाजार में चांदी गिरावट का शिकार हो गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोना के विपरीत चांदी आज शुरुआती कारोबार के दौरान 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। वहीं अंतराष्ट्रीय बाजार में आज हाजिर सोना 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,614.17 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में 87.04 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,490 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

महाराष्ट्र में 'स्मार्ट ग्रीन ग्रिड' योजना को मंजूरी, आगामी 2030 तक 50 फीसदी नवीकरणीय ऊर्ज़ा का लक्ष्य

मुंबई । महाराष्ट्र में बढ़ती बिजली मांग, औद्योगिक विस्तार और हरित ऊर्ज़ा की ओर बढ़ते रुझान को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने 'महाराष्ट्र : एक्सेलेरेटिंग ग्रीन एनर्जी एंड स्टोरेज टेक्नोलॉजीज इंटीग्रेशन इन कनेक्टेड ग्रिड' नामक एक महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दी है। लगभग 12,303 करोड़ रुपये की इस योजना के लिए विश्व बैंक से 8,616 करोड़ रुपये का ऋण लेने को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है।

ऊर्ज़ा विभाग के 14 मई 2026 के शासन निर्णय के अनुसार, इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की ट्रांसमिशन प्रणाली को अधिक मजबूत बनाना, अक्षय ऊर्ज़ा को बड़े पैमाने पर ग्रिड में एकीकृत करना, बैटरी ऊर्ज़ा भंडारण प्रणाली विकसित करना और भविष्य की ऊर्ज़ा सुरक्षा के लिए पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। यह योजना 2026 से 2031 के बीच लागू की जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र में बिजली की मांग लगातार बढ़ी है। कोविड के बाद अर्थव्यवस्था के तेजी से उबरने के साथ बिजली मांग में 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में राज्य की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 52.5 गीगावॉट है, जिसमें से 21.8 गीगावॉट (41.6 प्रतिशत) क्षमता नवीकरणीय ऊर्ज़ा की है। वर्ष 2023 में राज्य की अधिकतम बिजली मांग 29 गीगावॉट थी, जो 2030 तक बढ़कर 42 गीगावॉट तक पहुंचने का अनुमान है।

राज्य सरकार ने 2030 तक ऊर्ज़ा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्ज़ा का हिस्सा 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन, वितरण और ऊर्ज़ा भंडारण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश किया जाएगा। इस योजना के तहत राज्य में 40 नए उपकेंद्र और उनसे जुड़ी ट्रांसमिशन लाइनें स्थापित की जाएंगी। साथ ही मौजूदा ट्रांसमिशन प्रणाली का आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। 4,710 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफॉर्मर और इंटरकनेक्टिंग ट्रांसफॉर्मर बढ़ाए जाएंगे। 670 एमवीएआर क्षमता के रिएक्टर और कैपेसिटर लगाए जाएंगे। इसके अलावा 600 एमवीएआर क्षमता के स्टैटिक सिंक्रोनस कंपेंसेटर स्थापित किए जाएंगे। लगभग 296 सर्किट किलोमीटर उच्च दक्षता वाले कंडक्टर लगाए जाएंगे, जिससे पुराने कंडक्टरों को बदला जाएगा। इससे ग्रिड की विश्वसनीयता और जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता बढ़ेगी, ऐसा सरकार का दावा है। नवीकरणीय ऊर्ज़ा में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए राज्य में 16,000 मेगावाट-घंटे क्षमता की बैटरी ऊर्ज़ा भंडारण प्रणाली विकसित की जाएगी। इसके लिए 4,000 मेगावाट क्षमता की बैटरी परियोजनाओं को 'वायबिलिटी गैप फंडिंग' दी जाएगी। साथ ही डेवलपर्स को प्रति मेगावाट-घंटे 27 लाख रुपये का प्रोत्साहन भी दिया जाएगा।इसके अलावा घाटघर, कोयना, पानशेत, कोडाली, वरसगांव, मुकखेड, निवे और वरंध घाट क्षेत्रों में पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं के लिए तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन रिपोर्ट तैयार की जाएगी। सरकार का ध्यान दीर्घकालिक ऊर्ज़ा भंडारण क्षमता विकसित करने पर विशेष रूप से केंद्रित है। इस योजना का 70 प्रतिशत फंड विश्व बैंक के ऋण से जुटाया जाएगा, जबकि शेष 30 प्रतिशत फंड महापारेषण, महानिर्मिति, एमआरईएल और महावितरण के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

महावितरण के लिए राज्य सरकार अगले पाँच वर्षों में 1,377 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराएगी। साथ ही विश्व बैंक ऋण की वापसी 2031 से 2045 के बीच संबंधित बिजली कंपनियों द्वारा उनके अपने वित्तीय स्रोतों से की जाएगी, जिससे राज्य सरकार पर कोई प्रत्यक्ष वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

मप्र हाईकोर्ट के फैसले के बाद भोजशाला के बाहर जश्न का माहौल, मंत्री विजयवर्गीय बोले- यह इतिहास का स्वर्णिम क्षण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले में शुक्रवार को उच्च न्यायालय से हिंदू पक्ष के समर्थन में फैसला आने के बाद भोजशाला परिसर के बाहर जश्न का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग भोजशाला के बाहर पहुंचे। लोगों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली खेली और खुशी जताई। नगरीय प्रशासन और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, यह इतिहास का स्वर्णिम क्षण है। दरअसल, उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि भोजशाला परिसर मंदिर ही है। इस फैसले का हिन्दू संगठनों ने स्वागत किया और श्रद्धालुओं ने इसे आस्था और सत्य की बड़ी जीत बताया। फैसले की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में भोज उत्सव समिति के सदस्य और श्रद्धालु अखंड ज्योति मंदिर पहुंचे। इस दौरान पूरा परिसर ल्लमां वाग्देवीङ्क और ल्लभगवान श्रीरामङ्क के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने अखंड ज्योति मंदिर में एकत्र होकर विशेष पूजा-अर्चना की। दीप प्रज्ज्वलित कर आरती उतारी गई और मां वाग्देवी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। महिलाओं ने कहा कि यह वर्षों के संघर्ष, धैर्य और अटूट विश्वास का प्रतिफल है। इधर, प्रदेश के नगरीय प्रशासन और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसे इतिहास का स्वर्णिम क्षण बताया है। उन्होंने उच्च न्यायालय के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इंदौर खंडपीठ ने विस्तृत सुनवाई और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद भोजशाला को मंदिर स्वरूप में स्वीकार किया है। यह इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में दर्ज होने वाला क्षण है। यह निर्णय सांस्कृतिक चेतना, सनातन परंपरा और सभ्यता के स्वाभिमान का सम्मान है। मप्र के कौशल विकास राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने भोजशाला मामले में आए उच्च न्यायालय के फैसले को सनातन धर्म और सत्य की जीत बताया। उन्होंने कहा कि अब श्रद्धालु वर्षभर मां सरस्वती की पूजा कर सकेंगे। टेटवाल ने कहा कि सरकार भोजशाला को बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करेगी। वहीं, हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने कहा कि न्यायालय ने 700 साल पुराने विवाद पर विराम लगा दिया है। उन्होंने कहा कि एएसआई रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने भोजशाला को राजा भोज द्वारा स्थापित मां सरस्वती का मंदिर माना है। अधिवक्ता गुप्ता ने बताया कि न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को मस्जिद के लिए वैकल्पिक जमीन के संबंध में सरकार को आवेदन देने का विकल्प दिया है। साथ ही केंद्र सरकार से वाग्देवी की प्रतिमा लंदन से वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। उच्च न्यायालय में मामले को उठाने वाले हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ता गोपाल शर्मा न्यायालय के फैसले के बाद भावुक हो गए। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उच्च न्यायालय ने साक्ष्यों के आधार पर स्पष्ट किया है कि भोजशाला पूरा हिंदू मंदिर है। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन लोगों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस संघर्ष में शहादत दी। शर्मा ने कहा कि यह वर्षों की तपस्या का फल है और अब हिंदू समाज नियमित पूजा की मांग कर रहा है।

पेज एक का शेष

आपके...

कहा कि महराजगंज अब शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिले में मेडिकल कॉलेज, आईटीआई, पॉलीटेक्निक और अन्य शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना हो चुकी है, जबकि स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए नए उद्योगों और बंद चीनी मिलों को नई कार्ययोजना के साथ पुनः शुरू करने की तैयारी है। महराजगंज, कुशीनगर और सिद्धार्थनगर से इंसेफ़ेलाइटिस जैसी घातक बीमारी पूरी तरह समाप्त हो चुकी है और केवल बीमारी ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश का 'बीमारू' टैग भी हट गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने गरीबों की पीड़ा को कभी नहीं समझा, जबकि डबल इंजन सरकार हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उनके जीवन में बदलाव ला रही है। महराजगंज के सैकड़ों नौजवान उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए हैं और किसान सिंचाई, बीज, ट्रैक्टर, उन्नत खेती तथा सरकारी क्रय केंद्रों का लाभ उठा रहे हैं। प्रदेश में माफिया का आतंक समाप्त हो चुका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महराजगंज के हजारों नौजवान, महिलाएं, किसान, व्यापारी और बुजुर्ग भी राममंदिर आंदोलन में सक्रिय रूप से जुड़े रहे। 492 वर्ष बाद मंदिर का शिलान्यास हुआ और 496 वर्ष बाद प्रधानमंत्री के कर-कमलों से अयोध्या में रामलला विराजमान हुए। दुनिया का सबसे भव्य राममंदिर अयोध्या में बना है। ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं भगवान राम और हनुमान को आशीर्वाद दे रहे हों। डबल इंजन सरकार में भव्य राममंदिर और काशी विश्वनाथ धाम जैसे ऐतिहासिक कार्य संभव हुए, जबकि सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां इन कार्यों में हमेशा बाधा बनती रहीं। इसी बाधा को पश्चिम बंगाल की जनता ने भी हमेशा के लिए उखाड़ फेंका है। इसलिए आप सब इन जनप्रतिनिधियों के साथ मजबूती से खड़े रहिए।

भारत-नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत और सीमावर्ती क्षेत्र की संवेदनशीलता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नौतनवा, फरेंदा और सोनौली जैसे क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि यहां का नागरिक कभी खुद को पिछड़ा महसूस न करे। भारत और नेपाल सिर्फ दो पड़ोसी देश नहीं, बल्कि साझा संस्कृति, आस्था और रोटी-बेटी के अटूट रिश्ते से जुड़े मित्र राष्ट्र हैं। बौद्ध परिपथ और अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े महराजगंज, नौतनवा और फरेंदा का विकास केवल सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा और सामरिक दृष्टि से भी बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह देश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना महामारी का सफलतापूर्वक मुकाबला किया था, उसी तरह पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की चुनौतियों का भी सामूहिक रूप से सामना करना होगा। अमेरिका-ईरान तनाव के कारण डीजल, पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे देश पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। बावजूद इसके केंद्र सरकार कीमतों को नियंत्रित रखे हुए है। मुख्यमंत्री ने लोगों से प्रधानमंत्री की अपील पर बिजली व ईंधन की बचत करने तथा छोटे-छोटे प्रयासों से देश को मजबूती देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', विधायक ऋषि त्रिपाठी, ज्ञानेंद्र सिंह, जय मंगल कनौजिया, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष संजय पांडे, पूर्व जिला महामंत्री प्रदीप सिंह, नगरपालिका नौतनवा के अध्यक्ष बृजेश मणि त्रिपाठी और ब्लॉक प्रमुख राकेश मद्धेशिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज के प्रबुद्धजन का आह्वान किया है कि वे वर्तमान पीढ़ी को देश व प्रदेश के अतीत और आज दिख रहे बदलाव से अवगत कराएं। नौजवानों को यह बताना होगा कि नौ-दस साल पहले प्रदेश में क्या हालात थे और आज क्या परिवर्तन आया है। प्रदेश को अव्यवस्था, अराजकता, कर्फ्यू, दंगा का अभिशाप देने वाले संगठनों के हाथों गुमराह होने से बचाने के लिए ऐसा करना बहुत आवश्यक है और जागरूकता की यह जिम्मेदारी प्रबुद्धजन को उठाने के लिए आगे आना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यना शुक्रवार को राप्तीनगर स्थित बिट्टू मैरिज हाउस में आयोजित 'प्रबुद्ध संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महानगर भाजपा के राप्तीनगर मंडल की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि तथा वंदे मातरम के सामूहिक गायन के बाद मुख्यमंत्री ने प्रबुद्धजन से अपील की कि वे राज्य में दस वर्ष पूर्व के हालात और वर्तमान के परिवर्तन को चर्चा पर चर्चा का विषय बनाएं। उन्होंने कहा कि यदि हम आज के युवा को जो 9-10 वर्ष पूर्व 11-12 साल का रहा होगा, उसे पूर्व स्थिति से अवगत नहीं कराएंगे तो वह भूल जाएगा कि तुष्टिकरण का खामियाजा क्या होता है। सीएम ने कहा कि 9-10 वर्ष पहले गुंडागर्दी, अराजकता, अव्यवस्था, कर्फ्यू, क्षेत्रीय दलों के शोषण का खामियाजा यह प्रदेश भुगत चुका है। युवाओं को आगाह करके उनके सामने ऐसी स्थिति पैदा नहीं होने देनी है। उन्होंने कहा कि क्षणिक स्वार्थवश नागरिकों के भविष्य से खिलवाड़ देशद्रोह है और यह छूट किसी संगठन या संस्था को नहीं दी जा सकती।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रबुद्धजन से कहा कि आप सबने बदलते भारत बदलते उत्तर प्रदेश और बदलते गोरखपुर को देखा है। 2017 के पहले जब नौनिहाल पैदा होता था तो मां-बाप उसे इंसेफ़ेलाइटिस से बचाने को लेकर चिंतित रहते थे। बच्चे के बड़ा होने पर पढ़ाई, नौजवान होने पर नौकरी और रोजगार की चिंता थी। रोजगार के लिए यूपी से बाहर जाने पर पहचान का संकट था। काम शुरू भी किया तो पता चलता था कि पुश्तैनी संपत्ति पर किसी ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में विकास बाधित था। बिजली, सड़क और रोजगार नहीं था। अन्नदाता किसानों के लिए कोई सुविधा नहीं थी। व्यापारी गुंडा टैक्स देने को मजबूर था, चिकित्सक भयाक्रांत रहते थे, बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। दंगा, कर्फ्यू, अराजकता, व्यवस्था और भ्रष्टाचार ही उत्तर प्रदेश की पहचान बन गई थी।

मुख्यमंत्री ने राज्य में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में विकास, सुरक्षा और रोजगार की गारंटी है। आज बेटी, व्यापारी सभी सुरक्षित हैं। यहां इंसेफ़ेलाइटिस पूरी तरह समाप्त हो चुका है। इस परिप्रेक्ष्य में गोरखपुर की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर का बंद पड़ा खाद कारखाना आज चल रहा है। गोरखपुर में एम्स संचालित है और पहले खुद बीमार रहा बीआरडी मेडिकल कॉलेज आज बेहतरीन सुविधाएं दे रहा है। गोरखपुर में हर तरफ फोरलेन की कनेक्टिविटी है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्ष में अकेले गोरखपुर में 15 हजार करोड रुपये के प्रोजेक्ट आए हैं और इतने ही लगने वाले हैं। 15 हजार करोड रुपये की औद्योगिक परियोजनाओं से पूर्वी उत्तर प्रदेश के 50 हजार नौजवानों को अकेले गोरखपुर में नौकरी और रोजगार प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रबुद्धजन से यह आह्वान भी किया कि वह नौजवानों को बताएं कि नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने से पहले देश में क्या था और आज क्या बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पिछले 11-12 वर्ष में बदलता हुआ भारत आज दुनिया के लिए प्रेरणा बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। सही दिशा में भारत की प्रगति दुनिया के अंदर शानदार प्रगतियों में गिनी जाती है। उन्होंने कहा कि ईंधन संरक्षण के लिए सोलर एनर्जी, सार्वजनिक वाहनों, ई वाहनों के उपयोग, कार पूलिंग जैसे उपायों पर अमल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम सबको वर्तमान चुनौती के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम की तरफ भी लोगों का ध्यान आकृष्ट किया। कहा कि पश्चिम बंगाल में कमल खिलने पर पूरा भारत खुशी से झूम उठा है। वहां अब सुरक्षा का नया वातावरण बन रहा है, इससे हर भारतीय खुश है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम अलग अलग राज्यों के निवासी हो सकते हैं लेकिन सबका भाव देश प्रथम ही होना चाहिए। यही भाव हम सबके जीवन का हिस्सा होना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की विरासत भी संवर रहा है और विकास का पहिया भी तेजी से घूम रहा है।

स्वागत संबोधन भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता और आभार ज्ञापन राप्तीनगर मंडल के अध्यक्ष प्रशांत विश्वकर्मा ने किया। इस आयोजन में राप्तीनगर मंडल के 11 वार्डों से आए प्रबुद्ध जनों की सहभागिता रही। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, विधायक विपिन सिंह, राप्तीनगर वार्ड की पार्षद पूनम सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्रोफ़ेसर राम नरेश धर दूबे, वरिष्ठ चिकित्सक राधा जीना, वरिष्ठ अधिवक्ता वशिष्ठ मिश्रा, वरिष्ठ व्यवसायी व समाजसेवी प्रमोद मातनहेलिया आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भोजशाला...

धातुओं के प्रत्ययों के नागबन्ध चित्र खुदवाए थे। इस पाठशाला की लम्बाई 200 फुट और चौड़ाई 117 फुट थी। इसी के पास एक कुआं था, जो 'सरस्वती कूप' और अक्कलकुई कहलाता था। भोज के समय विद्या का प्रचार बहुत बढ़ जाने से लोगों की एक सामान्य धारणा हो गयी थी कि जो कोई इस कुंए का पानी पी लेता है, उसपर मां सरस्वती की कृपा हो जाती है।

राजा भोज ने अपनी इस शाला के समीप एक लोहे की लाट भी स्थापित की थी जो उनका एक विजयस्तंभ था। इसने उन्होंने दक्षिण के चालुक्यों, त्रिपुरी के हैहयों से मिली विजय के याद में खड़ा किया था।

हिजरी संवत 807 (सन् 1405) में दिलावर खान गोरी ने इसे मस्जिद में बदल दिया। इस मस्जिद के पास ही एक लोहे की लाट है, इसलिए इसे लोग 'लाट मस्जिद' के नाम से भी पुकारते है। कुछ पुस्तकों में 861 हिजरी यानि 1457 में मोहम्मद खिलजी के भी यहाँ आने का उल्लेख मिलता है।

'तुजुक जहाँगीरी' में लिखा है कि धारा नगरी एक पुराना शहर है और यहाँ हिन्दुस्थान का बड़ा राजा भोज हुआ। देहली के बादशाह सुलतान फिरोज के लड़के सुलतान मोहम्मद के ज़माने में उम्मीदशाह गोरी, जिसका दूसरा नाम दिलावर खान था और जो मालवा का गवर्नर था, किले के बाहरवाले मैदान में जुमा मस्जिद बनवाकर उस लोहे की लाट को खड़ा कर दिया। इसके बाद जब गुजरात के सुल्तान ने मालवा पर कब्ज़ा कर लिया, तब उसने उस लाट को गुजरात ले जाना चाहा लेकिन लापरवाही से वह टूट गयी।

बाद में वहां किसी मौलाना कमरुद्दीन की कब्र बना दी गयी तो इस स्थान को मौलाकी मस्जिद भी कहा जाने लगा।

राजा भोज ने चित्तौड़ के किले में भी भगवान शिव का एक मंदिर बनवाया था। उसमें भगवान् की मूर्ति का नाम अपने नाम पर भोजस्वामीदेव रखा था। राजा भोज का उपनाम या उपाधि 'त्रिभुवन नारायण' था। इसलिए इस शिव-मूर्ति को त्रिभुवन नारायण देव भी कहा जाता है। यह बात चित्तौड़ से मिले विक्रम संवत 1358 के 'श्री भोजस्वामिदेवजगति' से सिद्ध होती है।

इस मंदिर का जीर्णोद्वार विक्रम संवत 1458 में महाराजा मोकल ने करवाया था और इस समय से इस मंदिर को 'अदबदजी' (अद्भुतजी) का या मोकल जी का मंदिर कहा जाने लगा।

त्रिभुवननारायण, परमभट्टारक, महाराजाधिराज, परमेश्वर, सार्वभौम एवं मालबचक्रवर्ती जैसी अनेक उपाधियाँ राजा भोज ने धारण की थी। अपनी राजनीतिक उपलब्धियों के लिए तो वे प्रसिद्ध थे ही, साथ ही अपने सांस्कृतिक क्रियाकलापों के लिए वह और भी अधिक ज्ञात है। उन्होंने अपनी राजधानी उज्जैन से हटाकर धारा (शिप्रा के दाहिने किनारे पर) नगर में स्थापित की, जो शीघ्र ही विद्या और कला का केन्द्र तथा भारत की बौद्धिक राजधानी बन गयी।

कल्हण 'राजतरंगिणी' में लिखते हैं कि कश्मीर के पद्मगुप्त नामक व्यापारी ने भोज के भेजे हुए सोने से कपटेश्वर नामक एक कुण्ड बनवाया। राजा भोज की यह प्रतिज्ञा थी कि कपटेश्वर (कोटेर) के पापसूदन तीर्थ के जल से ही वह रोज स्नान करेंगे। अतः पद्मराज कांस्यकलशों में बराबर उसे उसका जल भेजते रहते थे।

भोज की सर्वाधिक प्रसिद्धि विद्वानों और कवियों को दिये गये उसके आश्रय और संरक्षण तथा निजी साहित्य-निर्माण से हुई। वह स्वयं कविराज की उपाधि से ज्ञात थे तथा अच्छी रचनाओं से प्रसन्न होकर अनेक कवियों और लेखकों को उन्होंने भी उपाधियां दीं। त्रिविक्रम के पुत्र भास्करभट्ट को उन्होंने विद्यापति की उपाधि दी। कश्मीर के एक राजा की भोज से तुलना में कल्हण कहते हैं कि दोनों ही अपने दानोत्कर्ष के कारण कविबान्धव रूप में अत्यन्त विश्रुत थे। विक्रमांकदेवच्चरित के रचयिता बिल्हण कहते हैं कि भोज की तुलना में कोई राजा था ही नहीं। उसकी दानशीलता इतनी प्रसिद्ध हुई कि आगे होने वाले मेरुतृंग और वल्लालभट्ट जैसे कवियों और फिरिश्ता जैसे मुसलमान लेखकों ने अनुश्रुति चला दी कि वह प्रत्येक श्लोक पर प्रत्येक रचयिता को एक लाख का पुरस्कार देता था। तत्वतः यह कथन अतिरंजित है, किन्तु इसमें सन्देह नहीं है कि भोज की अत्यधिक उदारता ही इसका आधार थी।

राहुल गांधी...

प्रत्येक सांसद को अपनी विदेश यात्रा से 3 सप्ताह पहले लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय को सूचित करना अनिवार्य है। यह अनुमति नहीं बल्कि सूचना है। सांसद विदेश यात्रा कर सकते हैं लेकिन सूचना देना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अगर कोई सांसद विदेश में आतिथ्य सत्कार स्वीकार करता है तो उसे आमंत्रित करने वाली एजेंसियों या संगठनों द्वारा वहन किया जाने वाला खर्च एफसीआरए के अंतर्गत आएगा। राहुल गांधी साल 2004 से सांसद हैं और उनकी 54 विदेश यात्राएं दर्ज की गई हैं। यह केवल 54 यात्राओं तक सीमित नहीं है बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि वे भारत से बाहर कितने दिन रहे और उन्होंने कितना खर्च किया। केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी से अनुरोध किया कि अगर उन्हें विदेश में आतिथ्य सत्कार स्वीकार करना है तो उन्हें एफसीआरए के तहत गृह मंत्रालय को सूचित करना होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को यह बताना होगा कि उन्हें किसने आमंत्रित किया है। भारत के बाहर की एजेंसियों एवं संगठनों ने उनके नाम पर क्या खर्च किए? हर भारतीय नागरिक को देश के कानूनों का पालन करना चाहिए। खासकर सांसदों को। कानून सबके लिए एक है।

केंद्रीय ...

टैग दिलाने की भी सिफारिश की। इस दौरान मंत्री ने महिला चाय श्रमिकों से धाराप्रवाह नेपाली भाषा में संवाद किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चेम्चे स्थित इंडियन हिमालयन सेंटर फॉर एडवेंचर एंड इको टूरिज्म का भी दौरा किया, जहां सिक्किम सरकार और डोनर मंत्रालय के सहयोग से विकसित किए जा रहे प्रस्तावित नाम्ची-तिमी-रावांगला पर्यटन सर्किट की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान मंत्री ने केंद्र में विकसित की जा रही रॉक क्लाइंबिंग, आइस क्लाइंबिंग, साइक्लिंग ट्रैक, ट्रेकिंग, स्कीइंग, पर्वतारोहण और निर्देशित इको-टूरिज्म गतिविधियों का अवलोकन किया।

केंद्रीय मंत्री ने नाम्ची के भाइचुंग स्टेडियम में आयोजित सिक्किम प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण के सेमीफाइनल मुकाबले में भाग लिया।

खिलाड़ियों और लोगों को संबोधित करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्वोत्तर को देश का प्रमुख खेल केंद्र बनाने के विजन पर प्रकाश डाला। उन्होंने ल्लवन स्पोर्ट, वन स्टेटङ्क विकास दृष्टिकोण और मंत्रालय के 60:40 मॉडल का भी उल्लेख किया, जिसमें खेल अवसंरचना के साथ-साथ प्रशिक्षण, प्रतिभा खोज और तकनीक को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सिक्किम प्रीमियर लीग राज्य के युवा फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 3.2 किलोमीटर लंबे भालेढुंगा रोपवे से यात्रा करते हुए पीएम-डिवाइन योजना के तहत 220 करोड़ की लागत से विकसित हो रही भालेढुंगा स्काईवॉक परियोजना की भी समीक्षा की। उन्होंने परियोजना की प्रगति और संबंधित अवसंरचना कार्यों का जायजा लिया। 3,200 फीट की ऊंचाई पर प्रस्तावित 240 मीटर लंबा गोलाकार कांचयुक्त भालेढुंगा स्काईवॉक पूर्ण होने के बाद दुनिया का सबसे ऊंचा स्काईवॉक बनने की उम्मीद है, जिससे सिक्किम के पर्यटन और एडवेंचर टूरिज्म को नई मजबूती मिलेगी।

दिल्ली...

दिसानायके की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई उनकी चर्चाओं के बाद श्रीलंका की महिला सांसदों के समूह की भारत यात्रा हो रही है।

ईरान...

का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करना मुश्किल है क्योंकि वार्ता के दौरान ही अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हमला किया तथा लगातार विरोधाभासी संदेश दिए।

अराघची ने कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता पूरी तरह विफल नहीं हुई है लेकिन अमेरिका के व्यवहार और अविश्वास के कारण प्रक्रिया कठिन बनी हुई है। उन्होंने चीन की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि चीन पहले भी ईरान-सऊदी संबंध बहाल कराने में मदद कर चुका है और यदि वह कूटनीति को आगे बढ़ाने में सहायता करता है तो ईरान उसका स्वागत करेगा।

आरजी ...

ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आरजी कर कंाड की फाइल दोबारा खोली जा रही है और उस समय जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों की भूमिका की विभागीय जांच होगी। जिन अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है उनमें तत्कालीन कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, तत्कालीन डीसी नॉर्थ अभिषेक गुप्ता और तत्कालीन डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखोपाध्याय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री का पद संभालने के बाद उन्होंने मुख्य सचिव और गृह सचिव से आरजी कर मामले तथा उसके बाद की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रारंभिक प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को सही तरीके से हैंडल नहीं किया गया और प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर शुरुआती जांच तक कई स्तर पर गंभीर चूक हुई। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विभिन्न समाचार माध्यमों से यह जानकारी सामने आई थी कि पीड़िता की मां को राज्य सरकार की ओर से पैसे देने की कोशिश की गई थी। यह ल्लएक प्रकार की घूस देने की कोशिशङ्क थी और इसकी भी जांच की जाएगी। उस समय संबंधित अधिकारियों ने किन लोगों से बातचीत की, उनके कॉल रिकॉर्ड और व्हाट्सएप चैट की भी जांच होगी। यह भी देखा जाएगा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री या किसी मंत्री की ओर से कोई निर्देश दिया गया था या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन अधिकारियों के खिलाफ आरोप हैं, उन्हें जांच प्रक्रिया से अलग रखकर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से चल रही जांच में राज्य सरकार हस्तक्षेप नहीं करेगी, लेकिन राज्य पुलिस की भूमिका की अलग से समीक्षा की जाएगी।

शुभेंदु अधिकारी ने तत्कालीन डीसी स्तर की एक महिला अधिकारी (इंदिरा मुखर्जी) की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उस समय उनकी शारीरिक भाषा और बयान राज्य के लिए सुखद नहीं थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आधिकारिक रूप से कोलकाता पुलिस या गृह विभाग की प्रवक्ता नहीं थीं, फिर भी सार्वजनिक रूप से लगातार बयान दे रही थीं। यह भी जांच का विषय होगा कि उन्हें किसके निर्देश पर मीडिया के सामने भेजा गया था।

गौरतलब है कि, अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद पूरे राज्य में भारी आक्रोश फैल गया था। जूनियर डॉक्टरों के लगातार आंदोलन और दबाव के बीच तत्कालीन पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को सितंबर, 2024 में कोलकाता पुलिस आयुक्त पद से हटाकर एसटीएफ में एडीजी बनाया गया था। अभिषेक गुप्ता को भी जांच में कथित लापरवाही के आरोप में डीसी नॉर्थ पद से हटाया गया था। इंदिरा मुखोपाध्याय उस समय डीसी सेंट्रल थीं और आरजी कर कंाड के बाद कई बार पुलिस की ओर से मीडिया के सामने दिखाई दी थीं। वर्तमान में विनीत गोयल राज्य खुफिया विभाग में डीजी पद पर कार्यरत हैं। अभिषेक गुप्ता ईएफआर में कमांडेंट हैं, जबकि इंदिरा मुखोपाध्याय सीआईडी में स्पेशल सुपरिंटेंडेंट के पद पर तैनात हैं। इस बीच आरजी कर कंाड की पीड़िता की मां, जो भाजपा के टिकट पर जीतकर पानीहाटी से विधायक बनी हैं, ने मुख्यमंत्री के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की थी और उनकी बेटी के मामले में गलत जानकारी दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी के शव का दूसरी बार पोस्टमार्टम कराने में बाधा डाली गई और जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि, पीड़िता की मां ने बुधवार को अदालत जाकर तीन लोगों की गिरफ्तारी की मांग की थी। इनमें पानीहाटी के तत्कालीन विधायक निर्मल घोष, सोमनाथ दास और संजीव मुखोपाध्याय के नाम शामिल हैं।

आरजी...

करने का निर्देश दिया गया। डीजी कारा एन. रमेश बाबू ने बताया कि कोलकाता पुलिस की मदद से प्रेसिडेंसी जेल में अचानक छापेमारी की गई। 10 विशेष टीमों ने करीब चार घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जेल के अलग अलग गुप्त स्थानों से कुल 23 मोबाइल फोन बरामद किए गए। अब इस बात की जांच की जा रही है कि ये मोबाइल फोन जेल के भीतर कैसे पहुंचे, कौन उनका इस्तेमाल कर रहा था और किन लोगों से संपर्क बनाए रखा जा रहा था। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घोषणा की कि पूरे मामले की जांच सीआईडी को सौंपी जाएगी। साथ ही प्रशासनिक लापरवाही के आरोप में प्रेसिडेंसी करेक्शनल होम के सुपरिंटेंडेंट एन. कुजूर और चीफ कंट्रोलर दीप्त घोड़ाई को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच में गंभीर प्रशासनिक त्रुटियां, प्राथमिकी दर्ज करने और जांच प्रक्रिया में लापरवाही तथा पीड़िता के परिवार को कथित रूप से रिश्वत देने की कोशिश जैसे आरोप सामने आए हैं। इन आरोपों के आधार पर तीन आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है।

निलंबित किए गए अधिकारियों में पूर्व कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, तत्कालीन डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखर्जी और तत्कालीन डीसी नॉर्थ अभिषेक गुप्ता शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार महिला समाज और मातृशक्ति के सम्मान के मुद्दे पर किसी तरह का समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि ल्लअभयाङ्क कंाड ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया था और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष हो और घटना से जुड़े हर पहलू की गहराई से पड़ताल की जाए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अभया कंाड में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच होगी।

कुदरत..

भ्रूणों की पुष्टि हुई थी। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि जटिलता को देखते हुए पहले भ्रूण संख्या कम करने की सलाह दी गई थी लेकिन परिवार ने गर्भ जारी रखने का फैसला किया।

उन्होंने बताया कि फिलहाल चारों शिशुओं को एहतियातन वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है और उनकी हालत स्थिर है तथा मां अमीना स्वस्थ हैं। अमीना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, ''अल्लाह का शुक्र है कि मेरे चारों बच्चे और मैं पूरी तरह ठीक हूं। अस्पताल के चिकित्सकों ने हमारा बहुत साथ दिया।'' अमीना के पति मोहम्मद आलिम ने कहा, ''चिकित्सकों की टीम ने जिस सावधानी से मेरी पत्नी के मामले को छह माह से संभाला, उसको शब्दों में ब्यान नहीं किया जा सकता।''

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने कार्यालय पहुंचे पैदल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। सम्राट चौधरी ने आज मुख्यमंत्री आवास से मुख्यमंत्री सचिवालय तक की यात्रा पैदल ही पूरी की। जो करीब 50 मीटर की थी। पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का असर अब बिहार की राजनीति में दिखने लगा है। सम्राट चौधरी शुक्रवार को नो व्हीकल डे मना रहे हैं। वो मुख्यमंत्री हाउस से 50 मीटर की दूरी तय कर सचिवालय तक पैदल गए। मुख्यमंत्री की पहल के बाद सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारियों ने भी गाड़ियों का इस्तेमाल नहीं किया। सचिवालय कर्मी साइकिल और पब्लिक ट्रांसपोर्ट से दफ्तर आए। सचिवालय परिसर के आसपास आम दिनों की तुलना में सरकारी वाहनों की संख्या कम दिखी, जबकि कई अधिकारी खुद वाहन चलाकर

या पैदल दफ्तर पहुंचते दिखाई दिए। बीते गुरुवार को पटना से दरभंगा जाने के लिए मुख्यमंत्री मात्र 3 गाड़ियों से एयरपोर्ट पहुंचे थे। इससे पहले उनके कारकेड में 19 गाड़ियां होती थीं। दरभंगा के कार्यक्रम में उन्होंने लोगों से अपील की थी कि, लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। प्राइवेट और सरकारी ऑफिस में वर्क फ्रॉम होम लागू किया जाए। मंत्री और जनप्रतिनिधि अपनी गाड़ियों को कम करें। सप्ताह में एक दिन नो व्हीकल डे रखा जाए। पीएम के ईंधन बचाने के संदेश पर पहल करते हुए बिहार सरकार के खान-भूतत्व एवं कला-संस्कृति मंत्री डॉ प्रमोद कुमार गुरुवार को गयाजी की यात्रा ट्रेन से की थी। वहीं केंद्रीय मंत्री नित्यानंद के बिहार दौरे के दौरान उनकी सिक्योरिटी में एक सीआरपीएफ और दूसरी बिहार पुलिस की गाड़ी होगी।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 1 करोड़ रुपये देकर युवा क्रिकेटर ईशान किशन को किया सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के युवा क्रिकेटर ईशान किशन को सम्मानित किया है। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद बिहार सरकार ने शुक्रवार को क्रिकेटर ईशान किशन को सम्मानित किया।

विश्व कप विजेता टीम के सदस्य और शानदार बल्लेबाज ईशान किशन को टूर्नामेंट में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए बिहार सरकार की ओर से 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सरकारी आवास पर ईशान किशन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल क्रिकेट करियर की कामना की। उन्होंने कहा कि ईशान किशन ने अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन से न केवल भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, बल्कि बिहार का नाम भी देश-दुनिया में रोशन किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरीने सोशल मीडिशा

पर ईशान किशन को एक करोड़ रूपये का चेक प्रदान करते हुए तस्वीर साझा की है। साथ ही उन्होंने एक पोस्ट भी लिखा है। पोस्ट में उन्होंने कहा है-आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य, शानदार बल्लेबाज, बिहार के लाल, ईशन किशन को विश्व कप जिताने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए राज्य सरकार द्वारा 1 करोड़ रुपये की राशि देकर सम्मानित किया। सफल क्रिकेट करियर के लिए हार्दिक शुभकामनाएं, बिहार का नाम यूं ही रोशन करते रहिए।

मुख्यमंत्री ने एनडीएमसी के दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को सौंपे नियुक्त पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नई दिल्ली नगर पालिक परिषद (एनडीएमसी) के दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों एवं आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। यह पहल उनके परिवारों को आत्मनिर्भर बनने, सम्मानपूर्वक जीवन जीने और भविष्य को नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाने का सशक्त संबल प्रदान करेगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने इस दौरान उदारीकृत चिकित्सा स्वास्थ्य योजना (एलएमएचएस) के तहत विभिन्न श्रेणियों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को मेडिकल हेल्थ कार्ड भी वितरित किए गए, जिससे वे और उनके परिवार सूचीबद्ध अस्पतालों और निदान केंद्रों में बिना शुल्क के उपचार प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने एनडीएमसी परिवार का हिस्सा बने सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

लुधियाना के हलवारा हवाई अड्डे पर उतरी एयर इंडिया की पहली वाणिज्यिक उड़ान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। नई दिल्ली से एयर इंडिया की एक उड़ान शुक्रवार सुबह पंजाब के लुधियाना स्थित हलवारा हवाई अड्डे पर उतरने वाली पहली वाणिज्यिक उड़ान बन गई। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्य के कुछ पार्टी नेताओं के साथ दिल्ली से हलवारा आ रही इस पहली फ्लाइट में सफर किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी में जालंधर यात्रा के दौरान लुधियाना के हलवारा हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का ऑनलाइन उद्घाटन किया था। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने उड़ान के नवनिर्मित हवाई अड्डे पर उतरने के बाद जानकारी दी कि एयर इंडिया ने नई दिल्ली से हलवारा और हलवारा से दिल्ली तक अपनी पहली उड़ानें सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। इन दोनों यात्राओं के दौरान ग्राउंड स्टाफ़ और

बेहतरीन ऑनबोर्ड क्रू ने अपनी ज़िम्मेदारी से बढ़कर काम किया। उन्होंने यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें एक सहज, विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव सुनिश्चित किया। बिट्टू ने कहा कि आज हलवारा हवाई अड्डे पर मिले अपार और गर्मजोशी भरे स्वागत से, मैं अत्यंत भावुक हूं। लुधियाना के अपने भाइयों-बहनों के चेहरों पर खुशी एवं उत्साह देखकर यह यात्रा और भी खास बन गई। बिट्टू ने कहा कि दिल्ली से यह उड़ान पंजाब के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है। 30 साल का इंतजार आखिरकार इस विमान के यहां उतरने के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय उद्योग और आर्थिक वृद्धि को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। बिट्टू ने हाल ही में कहा था कि शुरुआत में दिल्ली और हलवारा के बीच प्रतिदिन दो उड़ानें, एक सुबह और एक दोपहर संचालित की जाएंगी। इससे क्षेत्र के संपर्क में बड़ा सुधार होगा। यह राज्य में यात्रा, व्यापार एवं समग्र आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगा। मंत्री ने कहा कि पंजाब को यह उपहार देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बहुत धन्यवाद। लुधियाना में व्यापार और निर्यात के लिए अब असीम संभावनाएं हैं। इस उड़ान में राज्यसभा के सदस्य विक्रमजीत साहनी और राजिंदर गुप्ता ने भी यात्रा की, जो हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के वरिष्ठ प्रवक्ता प्रीतपाल सिंह बलियावल भी इसमें सवार थे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति घोटाला दलित छात्रों के अधिकारों के साथ बड़ा विश्वासघात: परमजीत कैंथ

चंडीगढ़। पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष परमजीत सिंह कैंथ ने पोस्ट मैट्रिक एससी छात्रवृत्ति घोटाले में एफआईआर दर्ज किए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि यह मामला दलित छात्रों के अधिकारों और भविष्य के साथ बड़ा विश्वासघात है।

उन्होंने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से मामले का संज्ञान लेने की अपील करते हुए शुक्रवार को कहा कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति विद्यार्थियों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना था, लेकिन इस योजना में भ्रष्टाचार सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने ऐसे व्यक्ति को पंजाब का मुख्य सचिव नियुक्त किया है, जिस पर कथित तौर पर छात्रवृत्ति घोटाले को दबाने के आरोप हैं।

आईआईएमसी में उर्दू पत्रकारिता पीजी डिप्लोमा के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन (आईआईएमसी) में उर्दू पत्रकारिता पीजी डिप्लोमा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुक्रवार को आईआईएमसी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार आईआईएमसी ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए उर्दू पत्रकारिता में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक अभ्यर्थी 26 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संस्थान ने बताया कि आवेदन पत्र संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 1 जून, 2026 को नई दिल्ली स्थित आईआईएमसी मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। उर्दू पत्रकारिता की कोर्स डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) संगीता प्राणवेंद्र के अनुसार परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी।

गांव, गरीब और युवाओं का विकास सरकार की प्राथमिकता: भरत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों को धरातल पर उतारने और विकास योजनाओं की वास्तविक प्रगति का आकलन करने के उद्देश्य से शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जिले में चल रहे विकासात्मक कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान मंत्री चौधरी ने ग्राम्य विकास, स्वरोजगार, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, मनरेगा, आजीविका संवर्धन, ग्रामीण अवस्थापना विकास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्यान, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों की ओर से संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता, गुणवत्ता और

जवाबदेही के साथ समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य गांव, गरीब, किसान, महिला एवं युवाओं को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना है। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी शासन की नीतियों का लाभ मिल सके। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कैबिनेट मंत्री ने विशेष निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों और एनआरएलएम के माध्यम से स्वरोजगार के साधनों से जोड़ा जाए। उन्होंने अधिकारियों से महिलाओं को एक सशक्त 'वर्क फोर्स' के रूप में प्रोत्साहित करने का आवाहन किया जिससे वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र होकर परिवार और समाज की उन्नति में सक्रिय योगदान दे सकें। स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार से जोड़ने के लिए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। जिसके लिए सूक्ष्म, लघु एवं खादी ग्रामोद्योग सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये।प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क मार्ग की समीक्षा करते हुए कैबिनेट मंत्री ने सड़क मार्ग को गड्डा मुक्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।उन्होंने पीएमजीएसवाई के तहत संगमचट्टी-अगोड़ा सड़क मार्ग के कार्यों में 15 दिन के भीतर संतोषजनक प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और भविष्य के लक्ष्यों को साझा किया।

मोबाइल शोरूम चोरी मामले में फरार आरोपित मेवात से गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के महिपालपुर इलाके में मोबाइल शोरूम का शटर काटकर 35 लाख रुपये के मोबाइल फोन और अन्य सामान चोरी करने के मामले में फरार चल रहे एक घोषित अपराधी को क्राइम ब्रांच ने मेवात से गिरफ्तार किया है। आरोपित लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था और अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान निजाम उर्फ निज्जाम उर्फ टोटा उर्फ केकड़ा (44) के रूप में हुई है। वह हरियाणा के नूंह जिले का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक आरोपित मेवात के कुख्यात गिरोह के साथ मिलकर दिल्ली-एनसीआर में मोबाइल दुकानों में सेंधमारी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 23 और 24 सितंबर 2024 की दरम्यानी रात महिपालपुर स्थित खुशी कम्युनिकेशन नामक मोबाइल शोरूम में चोरी की बड़ी वारदात हुई थी। बदमाशों ने दुकान का शटर काटकर अंदर प्रवेश किया और वहां से लाखों रुपये कीमत के मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लिया। मामले में वसंत कुंज नॉर्थ थाने में ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। जांच के दौरान पुलिस ने पहले ही इस गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया था। उनके कब्जे से चोरी के 102 मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल वाहन बरामद किए गए थे। हालांकि मुख्य आरोपित निजाम लगातार फरार चल रहा था।

नेशनल करिकूलम फ्रेम वर्क लागू करने वाला देश का पहला बोर्ड बना बीएसबी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। आजादी के 75 साल बाद भी भारत मैकाले की शिक्षा पद्धति की गुलामी से आजाद नहीं हो पाया है। इस शिक्षा की गुलामी को उखाड़ फेंकने का संकल्प कुछ वर्ष पहले स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने लिया और उनकी सोच को बीएसबी बोर्ड बनाकर भारत सरकार ने साकार कर मजबूती प्रदान की। अब यही बोर्ड, देश को भारतीय शिक्षा बोर्ड के रूप में नई दिशा देते हुए दिख रहा है। यह बात यूं ही नहीं कही जा रही बल्कि इसके पीछे मजबूत आधार यह है कि भारतीय शिक्षा बोर्ड (बीएसबी) ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से बालवाटिका से माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में राष्ट्रीय पाठ्य चर्चा रूपरेखा-विद्यालयी शिक्षा 2023 (एनसीएफ 2023) व राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा आधारभूत स्तर 2022 (एनसीएफ-एफएस 2022) को लागू करने की घोषणा की है। जिसका सीधा मायने यह है कि मैकाले की शिक्षा की गुलामी से अब भारत आजाद होगा। भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यह पहल करने वाला भारतीय शिक्षा बोर्ड देश का पहला विद्यालयी बोर्ड बन गया है। जिसने संपूर्ण विद्यालयी शिक्षा क्रम में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा का व्यापक एवं समग्र कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है। यह कार्यान्वयन रटंत शिक्षा पद्धति से आगे बढ़ते हुए दक्षता आधारित, अनुभवात्मक तथा समग्र शिक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालय अब शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों, बहुभाषी शिक्षा दृष्टिकोण व विभिन्न आयु-स्तरों के अनुरूप पाठ्यचर्या संरचना को अपनाएंगे, जिससे विद्यार्थियों में अवधारणात्मक समझ के साथ-साथ ज्ञान के व्यावहारिक जीवन में उपयोग की क्षमता विकसित होगी। भारतीय शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य समालोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, सहयोग, प्रभावी संप्रेषण, डिजिटल साक्षरता तथा समस्या-समाधान जैसी 21 वीं सदी के कौशलों को शिक्षा प्रणाली में समाहित करना है, ताकि शिक्षार्थी तीव्र गति से बदलते वैश्विक परिवेश में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए सक्षम बन सकें। साथ ही, पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान परंपरा को सार्थक रूप से शामिल किया गया है, जो भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत, मूल्यों तथा स्वदेशी ज्ञान परंपराओं से प्रेरणा ग्रहण करती है। चेयरमैन, भारतीय शिक्षा बोर्ड डॉ एनपी सिंह, आईएएस (रिटायर्ड) ने कहाकि सच्ची शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा का पोषण करती है तथा व्यक्तियों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करती है, जिससे वे आधुनिक विश्व में समाज और राष्ट्र पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकें। इसलिए यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो शिक्षा नीति को कक्षा-स्तर की वास्तविक शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में भारतीय शिक्षा बोर्ड को अग्रणी संस्था के रूप में स्थापित करती है।

दिल्ली में डीएमआरसी की हाइड्रोजन से चलने वाली शटल बस सेवा शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सहयोग से शुक्रवार को दिल्ली के सेंट्रल विस्टा इलाके में हाइड्रोजन से चलने वाली एकीकृत शटल बस सेवा शुरू की। आज सुबह 8:30 बजे केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से यात्रियों के लिए दो शुरुआती बसें रवाना की गईं। डीएमआरसी ने एक बयान में यह जानकारी दी है। बयान के मुताबिक डीएमआरसी और आईओसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के निदेशक (रिफाइनरी) अरविंद कुमार ने डीएमआरसी के निदेशक (संचालन एवं सेवा) डॉ. अमित कुमार जैन को बसों की चाबियां सौंपीं। इन बसों में 35 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। ये बसें जीपीएस-आधारित ट्रैकिंग और सीसीटीवी सिस्टम से लैस हैं, जो वास्तविक समय की निगरानी, सुरक्षा, समय की पाबंदी और मार्ग के पालन को सुनिश्चित करती हैं। यह शटल सेवा सभी कार्यदिवसों (सोमवार से शुक्रवार, राजपत्रित छुट्टियों को छोड़कर) पर कार्यालय के व्यस्त समय के दौरान निम्नलिखित समय पर उपलब्ध रहेगी- सुबह 8:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे

तक और दोपहर 3:30 से शाम 6:30 बजे तक। हर 30 मिनट में एक बस उपलब्ध होगी। यह बस सेवा कर्तव्य भवन, विज्ञान भवन, निर्माण भवन, अकबर रोड, बड़ौदा हाउस, राष्ट्रीय स्टेडियम, राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी, इंडिया गेट और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन सहित महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों और स्थलों को कवर करेगी। टिकट की कीमतें चरणबद्ध रूप से 10 एवं 15 रुपये निर्धारित की गई हैं। डीएमआरसी बस संचालन, कंडक्टर, टिकट व्यवस्था और यात्री सहायता की देखरेख करेगा, जबकि आईओसीएल चालक और हाइड्रोजन ईंधन उपलब्ध करा रही है। यह पहल भारत सरकार की हरित गतिशीलता, स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन अवसंरचना के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063